मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
01 जून, 2020

# नये सत्र 2020–21 के शुभारम्भ हेतु वाह्य विशेषज्ञों सें संविमर्श

वाह्य विशेषज्ञ प्रो0 आर.के. सिंह, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग एवं अधिस्थाता, कला संकाय, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं प्रो0 ए.आर. सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज के साथ नये सत्र 2020–21 के शुभारम्भ हेतु संविमर्श करते हुए मा0 कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा साथ में विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 पी.पी. दुबे एवं वित्त अधिकारी श्री ए.के. सिंह।

विश्वविद्यालय में आये वाह्य विशेषज्ञ प्रो0 आर.के. सिंह, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग एवं अधिस्थाता, कला संकाय, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं प्रो0 ए.आर. सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज को गमछा भेंट कर स्वागत करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह।

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को शिरीषामृतादि क्लाथ चूर्ण भेंट करते हुए डॉ0 विजय आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज हास्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर, कैथी, वाराणसी के प्राचार्य

# मुक्त चिंतन

## उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

*हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां*

02 जून, 2020

# विश्वविद्यालय दैनिक समाचार पत्रों की दृष्टि में

**वूमेन एक्सप्रेस**

## राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 15 जून तक जमा होंगे अधिन्यास

(विशेष संवाददाता)

**प्रयागराज** । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अधिन्यास जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जून 2020 कर दी है। यह निर्णय लॉकडाउन 5 के निर्देशों के अनुपालन में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। कुलपति के इस निर्णय से प्रदेश भर के छात्रों को काफी राहत मिली है।

परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि संपूर्ण प्रदेश में स्थित 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, अयोध्या, गाजियाबाद, आजमगढ़ तथा बरेली के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रों पर शिक्षार्थी 15 जून तक अधिन्यास जमा कर सकते हैं। सभी केंद्र समन्वयको को निर्देशित किया गया है कि अधिन्यास जमा करने में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन सुनिश्चित करें।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के किसी भी केंद्र पर अगर छात्रों को अधिन्यास जमा करने में किसी भी प्रकार की परेशानी हो रही है तो विश्वविद्यालय के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800120111333 पर फोन करके अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

**हिन्दी दैनिक हरबात**

अंक : 133 फतेहपुर, मंगलवार, 02 जून, 2020, पृष्ठ : 8

## राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 15 जून तक जमा होंगे अधिन्यास

हर बात संवाददाता

प्रयागराज ।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अधिन्यास जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जून 2020 कर दी है। यह निणन्य लॉकडाउन 5 के निर्देशों के अनुपालन में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। कुलपति के इस निणन्य से प्रदेश भर के छात्रों को काफी राहत मिली है। परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि संपूर्ण प्रदेश में स्थित 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, अयोध्या, गाजियाबाद, आजमगढ़ तथा बरेली के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रों पर शिक्षार्थी 15 जून तक अधिन्यास जमा कर सकते हैं। सभी केंद्र समन्वयको को निर्देशित किया गया है कि अधिन्यास जमा करने में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन सुनिश्चित करें।

**हिन्दुस्तान** — युवा 04

## 15 जून तक जमा होंगे अधिन्यास

**प्रयागराज।** राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अधिन्यास जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जून कर दी गई है। यह निर्णय लॉकडाउन 5 के निर्देशों के अनुपालन में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया है। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि संपूर्ण प्रदेश में स्थित 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, अयोध्या, गाजियाबाद, आजमगढ़ तथा बरेली के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रों पर शिक्षार्थी 15 जून तक अधिन्यास जमा कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि सूबे के किसी भी केंद्र पर अगर छात्रों को अधिन्यास जमा करने में कोई भी परेशानी हो रही है तो विवि के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

**अमृत कलश टाइम्स**

इलाहाबाद मंगलवार 02 जून 2020

प्रयागराज, मंगलवार, 2 जून 2020 — 3

**संक्षिप्त समाचार**

## राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 15 जून तक जमा होंगे अधिन्यास

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अधिन्यास जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जून 2020 कर दी है। यह निर्णय लॉकडाउन 5 के निर्देशों के अनुपालन में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। कुलपति के इस निर्णय से प्रदेश भर के छात्रों को काफी राहत मिली है। परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि संपूर्ण प्रदेश में स्थित 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, अयोध्या, गाजियाबाद, आजमगढ़ तथा बरेली के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रों पर शिक्षार्थी 15 जून तक अधिन्यास जमा कर सकते हैं। सभी केंद्र समन्वयको को निर्देशित किया गया है कि अधिन्यास जमा करने में सोशल डिस्टेसिंग का अनुपालन सुनिश्चित करें। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के किसी भी केंद्र पर अगर छात्रों को अधिन्यास जमा करने में किसी भी प्रकार की परेशानी हो रही है तो विश्वविद्यालय के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर1800120111333 पर फोन करके अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

**विश्व आई न्यूज़**

## राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 15 जून तक जमा होंगे अधिन्यास

प्रयागराज-उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अधिन्यास जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जून 2020 कर दी है। यह निर्णय लॉकडाउन 5 के निर्देशों के अनुपालन में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। कुलपति के इस निर्णय से प्रदेश भर के छात्रों को काफी राहत मिली है। परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि संपूर्ण प्रदेश में स्थित 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, अयोध्या, गाजियाबाद, आजमगढ़ तथा बरेली के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रों पर शिक्षार्थी 15 जून तक अधिन्यास जमा कर सकते हैं। सभी केंद्र समन्वयको को निर्देशित किया गया है कि अधिन्यास जमा करने में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन सुनिश्चित करें। मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के किसी भी केंद्र पर अगर छात्रों को अधिन्यास जमा करने में किसी भी प्रकार की परेशानी हो रही है तो विश्वविद्यालय के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर1800120111333 पर फोन करके अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

विश्व आई न्यूज़ ब्यूरो

**अमर उजाला** — प्रयागराज युवा

## 15 जून तक जमा होंगे अधिन्यास

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अधिन्यास जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जून कर दी है। इस बारे में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने निर्देश जारी कर दिए हैं। कुलपति के इस निर्णय से प्रदेश भर के छात्र-छात्राओं को राहत मिलेगी। परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अध्ययन केंद्रों पर शिक्षार्थी 15 जून तक अधिन्यास जमा कर सकते हैं। सभी केंद्र समन्वयकों को निर्देश दिए गए हैं कि अधिन्यास जमा करने में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन सुनिश्चित करें। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र के अनुसार प्रदेश के किसी भी केंद्र पर अगर छात्रों को अधिन्यास जमा करने में कोई परेशानी हो रही है तो विश्वविद्यालय के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर '1800120111333' पर फोन करके जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

# अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:12 बजे
सूर्यास्त : 06:56 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 157 | प्रयागराज, बुधवार 03 जून, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये


## राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 15 तक जमा होंगे अधिन्यास

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,ने अधिन्यास जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जून कर दी है। यह निणन्य लॉकडाउन 5 के निर्देशो के अनुपालन मे कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। कुलपति के इस निणन्य से प्रदेश भर के छात्रो को काफी राहत मिली है। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि संपूर्ण प्रदेश मे स्थित 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, अयोध्या, गाजियाबाद, आजमगढ़ तथा बरेली के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रो पर शिक्षार्थी 15 जून तक अधिन्यास जमा कर सकते है। सभी केंद्र समन्वयको को निर्देशित किया गया है कि अधिन्यास जमा करने मे सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन सुनिश्चित करे। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के किसी भी केंद्र पर अगर छात्रो को अधिन्यास जमा करने मे किसी भी प्रकार की परेशानी हो रही है तो विश्वविद्यालय के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800120111333 पर फोन करके अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते है।


लखनऊ, बरेली व मुरादाबाद से प्रकाशित

# अमृत विचार

वर्ष 30, अंक 162, पृष्ठ 12, मूल्य : 3 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

लखनऊ, बुधवार, 3 जून 2020


## असाइनमेंट्स जमा करने का बढ़ा समय

अमृत विचार लखनऊ

स्नातक और परास्नातक समेत अन्य सर्टीफिकेट कोर्सों की पढ़ाई करने वाले छात्रों को राजर्षि टंडन ओपन यूनिवर्सिटी (यूपीआरटीओयू) ने बड़ी राहत दी है। छात्र अपने असाइनमेंट्स अब 15 जून तक जमा कर सकेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह ने बताया कि सभी पाठ्यक्रमों के असाइनमेंट्स जमा करने के लिए यह अंतिम मौका दिया गया है। इसके बाद तिथि नहीं बढ़ायी जाएगी। दरअसल इससे पहले असाइनमेंट्स जमा करने की तिथि 10 मई निर्धारित की गई थी। इसे बढ़ाकर 31 मई किया गया था। कुलपति ने बताया कि इससे पहले प्रदेश में चल रहे लॉकडाउन के चलते छात्रों की मांग थी कि उन्हें 15 दिन का मौका और दिया जाए। इसके बाद 15 जून तिथि निर्धारित की गयी है। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में स्थित 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, अयोध्या, गाजियाबाद, आजमगढ़ तथा बरेली के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रों पर शिक्षार्थी 15 जून तक अपने असाइनमेंट्स जमा कर सकते हैं। सभी केंद्र समन्वयको को निर्देशित दिया गया है कि अधिन्यास जमा करने में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन सुनिश्चित करें।

**राहत**

- यूपीआरटीओयू ने लिया निर्णय प्रदेश भर के छात्रों को होगा फायदा, 15 जून तक मिला मौका

### छात्र ले सकते हैं हेल्पलाइन की सेवा

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभातचंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के किसी भी केंद्र पर अगर छात्रों को अधिन्यास जमा करने में किसी भी प्रकार की परेशानी हो रही है तो विश्वविद्यालय के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर1800120111333 पर फोन करके जानकारी प्राप्त कर सकते है।

### छात्रों को भेजा गया सिलेबस

विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया विश्वविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं के घर पर सिलेबस भेज दिया गया है। वहीं सीएए के पाठ्यक्रम की किताबें भी छात्रों तक पहुंचा दी गयी हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्नातक और परास्नातक कोर्स की किताबें भी पहुंच चुकी है।


# दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, बुधवार , 03 जून 2020 | विक्रम संवत 2076 | प्रात संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com | पृष्ठ : 08


## राजर्षि टंडन मुक्त विवि में 15 जून तक जमा होगे अधिन्यास

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अधिन्यास जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जून 2020 कर दी है। यह निर्णय लॉकडाउन 5 के निर्देशों के अनुपालन में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने लिया। कुलपति के इस निर्णय से प्रदेश भर के छात्रो को काफी राहत मिली है। परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि संपूर्ण प्रदेश में स्थित 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, कानपुर, झांसी, आगरा, मेरठ, अयोध्या, गाजियाबाद, आजमगढ़ तथा बरेली के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रों पर शिक्षार्थी 15 जून तक अधिन्यास जमा कर सकते हैं। सभी केंद्र समन्वयको को निर्देशित किया गया है कि अधिन्यास जमा करने में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन सुनिश्चित करें। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के किसी भी केंद्र पर अगर छात्रों को अधिन्यास जमा करने में किसी भी प्रकार की परेशानी हो रही है तो विश्वविद्यालय के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर1800120111333 पर फोन करके अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।


# दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, बुधवार , 03 जून 2020 | विक्रम संवत 2076 | प्रात संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com | पृष्ठ : 08


## कोरोना संकट एवं चीन-अमेरिका शीतयुद्ध

डॉ.अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव
उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज
मो० न०-9412389058


प्रथम विश्व-युद्ध के बाद विश्व मे शान्ति स्थापित करने के उद्देश्य से 'राष्ट्र-संघ' (लीग ऑफ नेशन्स) की स्थापना की गयी। जिसके अंतर्गत राष्ट्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी, सामूहिक सुरक्षा प्रणाली के तहत 'राष्ट्र-संघ' को सौंपी गयी। परन्तु जब जापान और इटली ने क्रमशः मंचुरिया और एबीसिनिया पर आक्रमण किया तो 'राष्ट्र-संघ' मूक दर्शक बना रहा। फ्रांस , ब्रिटेन और रूस अपने निहित स्वार्थों एवं राष्ट्र-हितों को देखते हुए उदसीन बने रहे। इस घटना ने जर्मनी को दुस्साहसी बना दिया और उसके वर्साय-सन्धि और 'राष्ट्र-संघ' के प्रावधानों की अवहेलना करते हुए, जो आक्रामक नीति अपनायी, उसका परिणाम द्वितीय विश्व-युद्ध था। ऐतिहासिक घटनाओं की कभी भी हू-बहू पुनरावृत्ति नही होती, परन्तु नवीन घटनाक्रमों में हम उनकी छवि देख सकते हैं और तदनुसार सबक सीख सकते हैं कि जब अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभाती तो इससे ' अन्तर्राष्ट्रीय संकट' का जन्म होता है। कोविड-19 संकट के सन्दर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू. एच.ओ.) की भूमिका पर ऐसे ही प्रश्न उठ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन, 'संयुक्त राष्ट्र-संघ' का एक सहायक अभिकरण है, जिसका उद्देश्य पूरे विश्व को स्वास्थ्य सेवाओं एवं तत्सम्बन्धी समस्याओं की निगरानी एवं निवारण करना है। यह दुर्भाग्य का विषय है कि कोविड-19 संकट के सन्दर्भ में इसकी भूमिका संदेह के घेरे में है। विभिन्न देशों की आशंकाएं और तत्सम्बन्धी तथ्य यह इशारा कर रहे हैं कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन के दबाव में आकर अपनी जिम्मेदारी ठीक से नही निभायी। सूत्रों के अनुसार चीन में पहला कोरोना संक्रमण का केस 17 नवम्बर 2019 को मिला और 22 जनवरी 2020 तक संक्रमितों की संख्या 500 हो गयी थी और 17 लोगों की मौत वुहान में कोरोना वायरस के चपेट में आने से हो चुकी थी।

23 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर जनरल डॉ. टेड्रास एडोनास गेब्रएसस ने जिनेवा में एक प्रेस कान्फेंस में बोलते हुए कहा कि 'इस समय इसके कोई प्रमाण नहीं हैं कि चीन के बाहर यह मानव से मानव में फैल रहा है।' उन्होंने वुहान में ' कोरोना संक्रमण' को "वैश्विक आपात स्थिति" मानने से इंकार कर दिया जबकि इसी समय चीन ने संक्रमण की स्थिति देखते हुए वुहान में लॉक-डाउन की घोषणा कर दी थी। इसके आलावा 30 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की आपात कालीन समिति की संस्तुति में डॉ. टेड्रास ने कहा कि 'कोरोना संक्रमण' चिंता का विषय है, परन्तु इससे निपटने के लिए कोई रणनीति या दिशा निर्देश जारी नही किये। चीन ने जनवरी 2020 के अन्तिम सप्ताह में लॉकडाउन की घोषणा की और अप्रैल के प्रथम सप्ताह में संक्रमण में काबू पाते हुए लॉकडाउन उठा लिया। इसके बाद चीन में जन-जीवन सामान्य हो गया तथा सुरक्षा साधनों का प्रयोग करते हुए चीन ने आर्थिक गतिविधियाँ प्रारम्भ कर दी। वहीं अमेरिका एवं यूरोप समेत पूरे विश्व में कोविड-19 का कहर आज भी जारी है। पूरे विश्व में लगभग 63 लाख लोग संक्रमित है तथा लगभग 3.77 लाख लोगों की जान जा चुकी है। इससे सबसे ज्यादा अमेरिका में 18.60 लाख लोग प्रभावित हैं, जिससे लगभग 1 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में भी लॉकडाउन-4 के बाद थोड़ा ढील देने पर संक्रमण की गति बढ़ी है। कोरोना संकट से प्रभावित सभी देशों का आर्थिक ढाँचा चरमरा गया है, वहीं चीन ने इस संक्रमण से कमोवेश काबू पाकर अपनी आर्थिक गतिविधियाँ तेज कर दी है। इससे नाराज होकर विश्व के कई देशों ने चीन के विरूद्ध एक मोर्चा खोल दिया है तथा ढीले ढाले रूप में अमेरिका इस मोर्चे का नेतृत्व कर रहा है। इससे अमेरिका और चीन के बीच एक नये शीत युद्ध की शुरूआत हो गयी है।

इसी संकट में अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए इस संगठन को दिये जाने वाले आर्थिक अनुदान पर रोक लगा दी है तथा संगठन पर चीन के प्रति तुष्टीकरण का आरोप भी लगाया। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह कोरोना वायरस चीन का 'जैविक हथियार' है, जिसे उसने अमेरिका समेत पूरे विश्व के विरूद्ध प्रयोग किया है। ट्रंप ने धमकी दी कि वह न केवल चीन से सम्बंध तो तोड़ेंगे बल्कि उससे आर्थिक हरजाना भी वसूलेंगे। चीन ने इन आरोपों का खण्डन करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन कोविड-19 से लड़ने में अपनी असफलता को छुपाने के लिए निराधार आरोप लगा रहा है। वास्तव में दोनों महाशक्तियों के सम्बंध कोविड-19 संकट के पूर्व से ही खराब चल रहे हैं। सितम्बर 2019 में अमरीकी सचिव क्रिस्टोफर फोर्ड ने कहा था कि चीन, अमेरिका के लिए "सुरक्षा चुनौती" पैदा कर रहा है। इस पर चीन ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि अमेरिका शीत-युद्ध की मानसिकता से कार्य कर रहा है। इस प्रकार चीन ने शीत-युद्ध जैसी स्थिति को मान्यता प्रदान कर दी है। विश्व स्वास्थ्य समिति की 73वीं बैठक में अमेरिका, यूरोपीय देशों, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका समूह के राष्ट्रों समेत भारत के समर्थन से एक "प्रारूप प्रस्ताव" पेश किया गया, जिसमें कोविड-19 महामारी के सन्दर्भ में विश्व स्वास्थ्य सगंठन की निष्पक्ष और स्वतंत्र जाँच की माँग की गयी। जाँच में जिन बिन्दुओं को रखा गया उसमें चीन की भूमिका की जाँच भी निहित है।

इस जाँच की दिशा, दशा और परिणाम अमेरिका और चीन के बीच शीत-युद्ध का भविष्य तय करेंगे। अमेरिका पूर्व में भी बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जूझ रहा था, कोविड-19 ने उसकी कमर तोड़ दी है, वहीं दूसरी ओर चीन नयी आर्थिक शक्ति के रूप में अमेरिका को चुनौती दे रहा है। अतः अमेरिका कोविड-19 संकट को मुद्दा बनाकर, यूरोपीय, भारत समेत कई देशों का साथ लेकर चीन के विरूद्ध आर्थिक घेराबंदी करना चाह रहा है, ताकि चीन में स्थापित विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां सस्ते श्रम का मोह छोड़कर चीन से बाहर निकलें। कई कम्पनियों ने चीन में निवेश छोड़कर भारत में पूंजी निवेश की इच्छा जाहिर की है। इससे चीन तिलमिला गया है। चीन नें अपने सस्ते, यद्यपि कम टिकाऊ उत्पादों के जरिये पूरे विश्व एंव विशेषकर तृतीय विश्व के देशों के बाजारों मे अपना आधिपत्य जमा लिया है, जिससे उन देशों मे लघु, मध्यम और कुटीर उद्योगों को बहुत हानि हुई है। कोविड-19 संकट ने इन देशों का गुस्सा चीन के प्रति बढ़ा है। अतः संभव है कि तृतीय विश्व के देश भविष्य में अपनी राष्ट्रीय नीति में परिवर्तन करके चीन के उत्पादों का कम प्रयोग करें। इससे चीन के आर्थिक हितों को नुकसान पहुँच सकता है। इसी बीच चीन के विरूद्ध विश्व जनमत का लाभ उठाते हुए चीन द्वारा शासित ताइवान और हांगकांग ने चीन से ज्यादा स्वतंत्रता की मांग की है। ताइवान की दूसरी बार निर्वाचित राष्ट्रपति साइ-इंग वेन ने कहा कि 'अब समय आ गया है कि ताइवान को चीन की सम्प्रभुता से मुक्त किया जाय।' यद्यपि चीनी विदेश मंत्रालय ने ताइवान के इस दावे का जोरदार खण्डन करते हुए कहा कि चीन का एकीकरण एक एतिहासिक अनिवार्यता है। इधर हांगकांग में लोकतान्त्रिक आन्दोलन को कुचलने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने "राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम" लागू कर दिया है। जुलाई 1997 में ब्रिटेन ने इस समझौते के तहत हांगकांग को चीन को सौंपा था कि चीन "एक राष्ट्र दो प्रणाली" के सिद्धान्त का पालन करेगा और लगभग 50 वर्षों तक इसमें कोई परिवर्तन नही करेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम इस समझौता का खुला उल्लंघन है। इससे ब्रिटेन, अमेरिका समेत पश्चिमी देशों की नाराजगी चीन के प्रति बढ़ सकती है। कोविड-19 संकट में चीन की भूमिका को लेकर विश्व के बहुत सारे देश चीन से नाराज है, उन सभी का सहयोग लेकर अमेरिका चीन की आर्थिक एवं राजनीतिक घेरा बन्दी करना चाह रहा है। इस घेरा बन्दी ने उसे विनम्र होने के बजाय और आक्रामक बना दिया है, जिसका पता ताइवान और हांगकांग में उसकी प्रतिक्रिया से चलता है। कोरोना, हांगकांग और कई मुद्दों पर तनाव के बीच चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि 'अमेरिका में कुछ राजनीतिक ताकतें चीन और अमेरिका के संबंधों को बन्धक बनाकर हमें शीत युद्ध के कगार पर ढकेल रही हैं।' वांग ने यह भी कहा कि जो लोग हमसे वायरस को लेकर मुआवजा वसूलने की बात कर रहे हैं, वे दिन में सपना देख रहे हैं। चीन कोरोना के पैदा होने सम्बन्धी जाँच को तैयार है। लेकिन इसमें राजनीतिक हस्तक्षेप नही होना चाहिए। यह प्रतिक्रिया अमेरिका चीन के विरूद्ध के आरोपों का स्पष्ट खण्डन है। वर्तमान में चीन अपनी आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति के कारण जिस मुकाम पर है उसमें उसकी घेरा बन्दी करना पश्चिम के लिए सरल नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व के शीत-युद्ध कालीन 'दो ध्रुवीय विश्व' के विपरीत आज का विश्व 'बहु-ध्रुवीय' है। अतः चीन-अमेरिका के इस शीत युद्ध में यूरोपीय संघ, जापान, रूस और भारत का दृष्टिकोण भी महत्वपूर्ण होगा। ये देश अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप अपना पक्ष तय करेंगे, तदनुसार शीत-युद्ध के विभिन्न आयाम उद्घाटित होंगे। परन्तु इतना तय है, इस शीत-युद्ध की गर्माहट चीन अवश्य महसूस करेगा एवं इसका असर विश्व स्वास्थ्य संगठन पर भी पड़ेगा।

# कोरोना संकट एवं चीन-अमेरिका शीतयुद्ध

(डॉ.) अरुण कुमार गुप्त
कुलसचिव
उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त
विश्वविद्यालय,
प्रयागराज

प्रथम विश्व-युद्ध के बाद विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से 'राष्ट्र-संघ' (लीग ऑफ नेशन्स) की स्थापना की गयी। जिसके अंतर्गत राष्ट्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी, सामूहिक सुरक्षा प्रणाली के तहत 'राष्ट्र-संघ' को सौंपी गयी। परन्तु जब जापान और इटली ने क्रमशः मंचूरिया और एबीसीनिया पर आक्रमण किया तो 'राष्ट्र-संघ' मूक दर्शक बना रहा। फ्रांस, ब्रिटेन और रूस अपने निहित स्वार्थों एवं राष्ट्र-हितों को देखते हुए उदासीन बने रहे। इस घटना ने जर्मनी को दुस्साहसी बना दिया और उसके वर्साय-संधि और 'राष्ट्र-संघ' के प्रावधानों की अवहेलना करते हुए, जो आक्रामक नीति अपनायी, उसका परिणाम द्वितीय विश्व-युद्ध था। ऐतिहासिक घटनाओं की कभी भी हू-ब-हू पुनरावृत्ति नहीं होती, परन्तु नवीन घटनाक्रमों में हम उनकी छवि देख सकते हैं और तदनुसार सबक सीख सकते हैं कि जब अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभाती तो इससे 'अन्तर्राष्ट्रीय संकट' का जन्म होता है। कोविड-19 संकट के सन्दर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) की भूमिका पर ऐसे ही प्रश्न उठ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन, 'संयुक्त राष्ट्र-संघ' का एक सहायक अभिकरण है, जिसका उद्देश्य पूरे विश्व को स्वास्थ्य सेवाओं एवं तत्सम्बन्धी समस्याओं की निगरानी एवं निवारण करना है। यह दुर्भाग्य का विषय है कि कोविड-19 संकट के सन्दर्भ में इसकी भूमिका संदिग्ध के घेरे में है। विभिन्न देशों की आशंकाएं और तत्सम्बन्धी तथ्य यह इशारा कर रहे हैं कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन के दबाव में आकर अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभायी। सूत्रों के अनुसार चीन में पहला कोरोना संक्रमण का केस 17 नवम्बर 2019 को मिला और 22 जनवरी 2020 तक संक्रमितों की संख्या 500 हो गयी थी और 17 लोगों की मौत वुहान में कोरोना वायरस के चपेट में आने से हो चुकी थी। 23 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर जनरल डॉ. टेड्रोस एडोनाम गेब्रेयसस ने जिनेवा में एक प्रेस कान्फ्रेंस में बोलते हुए कहा कि 'इस समय इसके कोई प्रमाण नहीं है कि चीन के बाहर यह मानव से मानव में फैल रहा है।' उन्होंने वुहान में 'कोरोना संक्रमण' को "वैश्विक आपात स्थिति" मानने से इंकार कर दिया जबकि इसी समय चीन ने संक्रमण की स्थिति देखते हुए वुहान में लॉक-डाउन की घोषणा कर दी थी। इसके उपरान्त 30 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की आपात कालीन समिति की संस्तुति में डॉ. टेड्रोस ने कहा कि 'कोरोना संक्रमण' चिंता का विषय है, परन्तु इससे निपटने के लिए कोई रणनीति या दिशा निर्देश जारी नहीं किये। चीन ने जनवरी 2020 के अन्तिम सप्ताह में लॉकडाउन की घोषणा की और अप्रैल के प्रथम सप्ताह में संक्रमण में काबू पाते हुए लॉकडाउन उठा लिया। इसके बाद चीन में जन-जीवन सामान्य हो गया तथा सुरक्षा उपायों का प्रयोग करते हुए चीन ने आर्थिक गतिविधियाँ प्रारम्भ कर दी। वहीं अमेरिका एवं यूरोप समेत पूरे विश्व में कोविड-19 का कहर आज भी जारी है। पूरे विश्व में लगभग 63 लाख लोग संक्रमित हैं तथा लगभग 3.77 लाख लोगों की जान जा चुकी है। इसमें सबसे ज्यादा अमेरिका में 18.60 लाख लोग प्रभावित हैं, जिसमें लगभग 1 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में भी लॉकडाउन-4 के बाद थोड़ा ढील देने पर संक्रमण की गति बढ़ी है। कोरोना संकट से प्रभावित सभी देशों का आर्थिक ढाँचा चरमरा गया है, वहीं चीन ने इस संक्रमण से काफी जल्द काबू पाकर अपनी आर्थिक गतिविधियाँ तेज कर दी है। इससे नाराज होकर विश्व के कई देशों ने चीन के विरुद्ध एक मोर्चा खोल दिया है तथा दबे स्वर में अमेरिका इस मोर्चे का नेतृत्व कर रहा है। इससे अमेरिका और चीन के बीच एक नये शीत युद्ध की शुरूआत हो गयी है। इसी संकट में अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका को संदिग्ध बताते हुए इस संगठन को दिये जाने वाले आर्थिक अनुदान पर रोक लगा दी है तथा संगठन पर चीन के प्रति तुष्टीकरण का आरोप भी लगाया। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह कोरोना वायरस चीन का 'जैविक हथियार' है, जिसे उसने अमेरिका समेत पूरे विश्व के विरुद्ध प्रयोग किया है। ट्रंप ने धमकी दी कि वह न केवल चीन से सम्बन्ध तोड़ देंगे बल्कि उससे आर्थिक हरजाना भी वसूलेंगे। चीन ने इन आरोपों का खण्डन करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन कोविड-19 से लड़ने में अपनी असफलता को छुपाने के लिए निराधार आरोप लगा रहा है। वास्तव में दोनों महाशक्तियों के सम्बन्ध कोविड-19 संकट के पूर्व से ही तनाव पूर्ण रहे हैं। सितम्बर 2019 में अमेरिकी सचिव क्रिस्टोफर फोर्ड ने कहा था कि चीन, अमेरिका के लिए "सुरक्षा चुनौती" पैदा कर रहा है। इस पर चीन ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि अमेरिका शीत-युद्ध की मानसिकता से कार्य कर रहा है। इस प्रकार चीन ने शीत-युद्ध जैसी स्थिति को मान्यता प्रदान कर दी है। विश्व स्वास्थ्य समिति की 73वीं बैठक में अमेरिका, यूरोपीय देशों, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका समूह के सदस्यों समेत भारत के समर्थन से एक "प्रस्ताव" पेश किया गया, जिसमें कोविड-19 महामारी के सन्दर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन की निष्पक्ष और स्वतंत्र जाँच की माँग की गयी। जाँच में जिन बिन्दुओं को रखा गया उसमें चीन की भूमिका की जाँच भी निहित है। इस जाँच की दिशा, दशा और परिणाम अमेरिका और चीन के बीच शीत-युद्ध का भविष्य तय करेंगे। अमेरिका पूर्व में भी बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जूझ रहा था, कोविड-19 ने उसकी कमर तोड़ दी है, वहीं दूसरी ओर चीन नयी आर्थिक शक्ति के रूप में अमेरिका को चुनौती दे रहा है। अतः अमेरिका कोविड-19 संकट को मुद्दा बनाकर, यूरोपीय, भारत समेत कई देशों का साथ लेकर चीन के विरुद्ध आर्थिक घेराबंदी करना चाह रहा है, ताकि चीन में स्थापित विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां उसके हाथ का मोह छोड़कर चीन से बाहर निकलें। कई कम्पनियों ने चीन से निवेश छोड़कर भारत में पूंजी निवेश की इच्छा जाहिर की है। इससे चीन तिलमिला गया है। चीन ने अपने सस्ते, यद्यपि कम टिकाऊ उत्पादों के जरिये पूरे विश्व एवं विशेषकर तृतीय विश्व के देशों के बाजारों में अपना आधिपत्य जमा लिया है, जिससे इन देशों में लघु, मध्यम और कुटीर उद्योगों को बहुत हानि हुई है। कोविड-19 संकट ने इन देशों का गुस्सा चीन के प्रति बढ़ा है। अतः संभव है कि तृतीय विश्व के देश भविष्य में अपनी राष्ट्रीय नीति में परिवर्तन करके चीन के उत्पादों का कम प्रयोग करें। इससे चीन के आर्थिक हितों को नुकसान पहुँच सकता है। इसी बीच चीन के विरुद्ध विश्व जनमत का लाभ उठाते हुए चीन द्वारा शासित ताइवान और हांगकांग ने चीन से ज्यादा स्वायत्तता की माँग की है। ताइवान की दूसरी बार निर्वाचित राष्ट्रपति साइ-इंग वेन ने कहा कि 'अब समय आ गया है कि ताइवान को चीन की सम्प्रभुता से मुक्त किया जाए।' यद्यपि चीनी विदेश मंत्रालय ने ताइवान के इस दावे का जोरदार खण्डन करते हुए कहा कि चीन का एकीकरण एक ऐतिहासिक अनिवार्यता है। इधर हांगकांग में लोकतान्त्रिक आन्दोलन को कुचलने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने "राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम" लागू कर दिया है। जुलाई 1997 में ब्रिटेन ने इस समझौते के तहत हांगकांग को चीन को सौंपा था कि चीन "एक राष्ट्र दो प्रणाली" के सिद्धान्त का पालन करेगा और लगभग 50 वर्षों तक इसमें कोई परिवर्तन नहीं करेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम इस समझौते का खुला उल्लंघन है। इससे ब्रिटेन, अमेरिका समेत पश्चिमी देशों की नाराजगी चीन के प्रति बढ़ सकती है। कोविड-19 संकट में चीन की भूमिका को लेकर विश्व के बहुत सारे देश चीन से नाराज हैं, उन सभी का सहयोग लेकर अमेरिका चीन की आर्थिक एवं राजनीतिक घेरा बन्दी करना चाह रहा है। इस घेर बन्दी ने उसे विवश होने के बजाय और आक्रामक बना दिया है, जिसका पता ताइवान और हांगकांग में उसकी प्रतिक्रिया से चलता है। कोरोना, हांगकांग और कई मुद्दों पर तनाव के बीच चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि 'अमेरिका में कुछ राजनीतिक ताकतें चीन और अमेरिका के सम्बन्धों को बन्धक बनाकर हमें शीत युद्ध के कगार पर धकेल रही हैं।' वांग ने यह भी कहा कि जो लोग इसकी वायरस को लेकर मुआवजा वसूलने की बात कर रहे हैं, वे दिन में सपना देख रहे हैं। चीन कोरोना के पैदा होने सम्बन्धी जाँच को तैयार है। लेकिन इसमें राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। यह प्रतिक्रिया अमेरिका चीन के विरुद्ध के आरोपों का स्पष्ट खण्डन है। वर्तमान में चीन अपनी आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति के कारण जिस मुकाम पर है उसमें उसकी घेरा बन्दी करना पश्चिम के लिए आसान नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व के शीत-युद्ध कालीन 'दो ध्रुवीय विश्व' के विपरीत आज का विश्व 'बहु-ध्रुवीय' है। अतः चीन-अमेरिका के इस शीत युद्ध में यूरोपीय संघ, जापान, रूस और भारत का दृष्टिकोण भी महत्वपूर्ण होगा। ये देश अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप अपना पक्ष तय करेंगे, तदनुसार शीत-युद्ध के विभिन्न आयाम उद्घाटित होंगे। परन्तु इतना तय है, इस शीत-युद्ध की गर्माहट चीन अथवा अमेरिका कोरोना एवं इसका असर विश्व स्वास्थ्य संगठन पर भी पड़ेगा।

R.N.I. UPHIN/2012/52437

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन सख्या:- एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15/-17

वर्ष : 06 अंक : 243
प्रयागराज, बुधवार,
3, जून, 2020
पृष्ठ – 8
मूल्य : 1 रुपये

मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक

# कोरोना संकट एवं चीन– अमेरिका शीतयुद्ध

डॉ अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

प्रथम विश्व–युद्ध के बाद विश्व में शान्ति स्थापित करने के उद्देश्य से 'राष्ट्र–संघ' (लीग ऑफ नेशन्स) की स्थापना की गयी। जिसके अंतर्गत राष्ट्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी, सामूहिक सुरक्षा प्रणाली के तहत 'राष्ट्र–संघ' को सौंपी गयी। परन्तु जब जापान और इटली ने क्रमशः मंचुरिया और एबीसिनिया पर आक्रमण किया तो 'राष्ट्र–संघ' मूक दर्शक बना रहा। फ्रांस , ब्रिटेन और रूस अपने निहित स्वार्थों एवं राष्ट्र–हितों को देखते हुए उदासीन बने रहे। इस घटना ने जर्मनी को दुस्साहसी बना दिया और उसके वर्साय–सन्धि और 'राष्ट्र–संघ' के प्रावधानों की अवहेलना करते हुए, जो आक्रामक नीति अपनायी, उसका परिणाम द्वितीय विश्व–युद्ध था।

ऐतिहासिक घटनाओं की कभी भी हू–बहू पुनरावृत्ति नही होती, परन्तु नवीन घटनाक्रमों में हम उनकी छवि देख सकते हैं और तदनुसार सबक सीख सकते हैं कि जब अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभाती तो इससे 'अन्तर्राष्ट्रीय संकट' का जन्म होता है। कोविड–19 संकट के सन्दर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू.एच.ओ.) की भूमिका पर ऐसे ही प्रश्न उठ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन, 'संयुक्त राष्ट्र–संघ' का एक सहायक अभिकरण है, जिसका उद्देश्य पूरे विश्व को स्वास्थ्य सेवाओं एवं तत्सम्बंधी समस्याओं की निगरानी एवं निवारण करना है। यह दुर्भाग्य का विषय है कि कोविड–19 संकट के सन्दर्भ में इसकी भूमिका संदेह के घेरे में है। विभिन्न देशों की आशंकाएं और तत्सम्बन्धी तथ्य यह इशारा कर रहें हैं कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभायी। सूत्रों के अनुसार चीन में पहला कोरोना संक्रमण का केस 17 नवम्बर 2019 को मिला और 22 जनवरी 2020 तक संक्रमितों की संख्या 500 हो गयी थी और 17 लोगों की मौत वुहान में कोरोना वायरस के चपेट में आने से हो चुकी थी।

23 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर जनरल डॉ. टेड्रास एडोनास गेब्रएसस ने जिनेवा में एक प्रेस क्रान्फेस में बोलते हुए कहा कि इस समय इसके कोई प्रमाण नहीं है कि चीन के बाहर यह मानव से मानव में फैल रहा है।' उन्होंनें वुहान में ' कोरोना संक्रमण' को "वैश्विक आपात स्थिति" मानने से इंकार कर दिया जबकि इसी समय चीन ने संक्रमण की स्थिति देखते हुए वुहान में लॉक–डाउन की घोषणा कर दी थी। इसके अलावा 30 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की आपात कालीन समिति की संस्तुति में डॉ. टेड्रास ने कहा कि 'कोरोना संक्रमण' चिंता का विषय है, परन्तु इससे निपटने के लिए कोई रणनीति या दिशा निर्देश जारी नहीं किये।चीन ने जनवरी 2020 के अन्तिम सप्ताह में लॉकडाउन की घोषणा की और अप्रैल के प्रथम सप्ताह में संक्रमण में काबू पाते हुए लॉकडाउन उठा लिया। इसके बाद चीन में जन–जीवन सामान्य हो गया तथा सुरक्षा साधनों का प्रयोग करते हुए चीन ने आर्थिक गतिविधियाँ प्रारम्भ कर दी। वहीं अमेरिका एवं यूरोप समेत पूरे विश्व में कोविड–19 का कहर आज भी जारी है। पूरे विश्व में लगभग 63 लाख लोग संक्रमित है तथा लगभग 3.77 लाख लोगों की जान जा चुकी है। इससे सबसे ज्यादा अमेरिका में 18.60 लाख लोग प्रभावित है, जिससे लगभग 1 लाखलोगो की मौत हो चुकी है। भारत में भी लॉकडाउन–4 के बाद थोड़ा ढील देने पर संक्रमण की गति बढ़ी है। कोरोना संकट से प्रभावित सभी देशो का आर्थिक ढाँचा चरमरा गया है, वहीं चीन ने इस संक्रमण से कमोवेश काबू पाकर अपनी आर्थिक गतिविधियाँ तेज कर दी है। इससे नाराज होकर विश्व के कई देशों ने चीन के विरूद्ध एक मोर्चा खोल दिया है तथा ढीले ढाले रूप में अमेरिका इस मोर्चे का नेतृत्व कर रहा है। इससे अमेरिका और चीन के बीच एक नये शीत युद्ध की शुरूआत हो गयी है। स्वास्थ्य संगठन की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए इस संगठन को दिये जाने वाले आर्थिक अनुदान पर रोक लगा दी है तथा संगठन पर चीन के प्रति तुष्टीकरण का आरोप भी लगाया। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह कोरोना वायरस चीन का 'जैविक हथियार' है, जिसे उसने अमेरिका समेत पूरे विश्व के विरूद्ध प्रयोग किया है। ट्रंप ने धमकी दी कि वह न केवल चीन से सम्बंध तो तोड़ेंगे बल्कि उससे आर्थिक हरजाना भी वसूलेंगे। चीन ने इन आरोपों का खण्डन करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन कोविड–19 से लड़ने में अपनी असफलता को छुपाने के लिए निराधार आरोप लगा रहा है। वास्तव में दोनों महाशक्तियों के सम्बंध कोविड–19 संकट के पूर्व से ही खराब चल रहे है। सितम्बर 2019 में अमरीकी सचिव क्रिस्टोफर फोर्ड ने कहा था कि चीन, अमेरिका के लिए "सुरक्षा चुनौती" पैदा कर रहा है। इस पर चीन ने प्रतिक्रिया व्यक्त करने हुए कहा था कि अमेरिका शीत–युद्ध की मानसिकता से कार्य कर रहा है। इस प्रकार चीन ने शीत–युद्ध जैसी स्थिति को मान्यता प्रदान कर दी है।विश्व स्वास्थ्य समिति की 73वीं बैठक में अमेरिका, यूरोपीय देशों, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका समूह के राष्ट्रों समेत भारत के समर्थन से एक "प्रारूप प्रस्ताव" पेश किया गया, जिसमें कोविड–19 महामारी के सन्दर्भ में विश्व स्वास्थ्य सगंठन की निष्पक्ष और स्वतंत्रा जाँच की माँग की गयी। जाँच में जिन बिन्दुओं को रखा गया उसमें चीन की भूमिका की जाँच भी निहित है। इस जाँच की दिशा, दशा और परिणाम अमेरिका और चीन के बीच शीत–युद्ध का भविष्य तय करेंगे। अमेरिका पूर्व में भी बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जूझ रहा था, कोविड–19 ने उसकी कमर तोड़ दी है, वहीं दूसरी ओर चीन नयी आर्थिक शक्ति के रूप में अमेरिका को चुनौती दे रहा है। अतः अमेरिका कोविड–19 संकट को मुद्दा बनाकर, यूरोपीय, भारत समेत कई देशों का साथ लेकर चीन के विरूद्ध आर्थिक घेराबंदी करना चाह रहा है, ताकि चीन में स्थापित विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां सस्ते श्रम का मोह छोड़कर चीन से बाहर निकले। कई कम्पनियों ने चीन में निवेश छोड़कर भारत में पूंजी निवेश की इच्छा जाहिर की है। इससे चीन

चीन नें अपने सस्ते, यद्यपि कम टिकाऊ उत्पादों के जरिये पूरे विश्व एंव विशेषकर तृतीय विश्व के देशों के बाजारों में अपना आधिपत्य जमा लिया है, जिससे उन देशों में लघु, मध्यम और कुटीर उद्योगों को बहुत हानि हुई है। कोविड–19 संकट ने इन देशों का गुस्सा चीन के प्रति बढ़ा है। अतः संभव है कि तृतीय विश्व के देश भविष्य में अपनी राष्ट्रीय नीति में परिवर्तन करके चीन के उत्पादों का कम प्रयोग करें। इससें चीन के आर्थिक हितों को नुकसान पहुँच सकता है।

इसी बीच चीन के विरूद्ध विश्व जनमत का लाभ उठाते हुए चीन द्वारा शासित ताइवान और हांगकांग ने चीन से ज्यादा स्वतंत्राता की मांग की है। ताइवान की दूसरी बार निर्वाचित राष्ट्रपति साइ–इंग्ग वेन ने कहा कि 'अब समय आ गया है कि ताइवान को चीन की सम्प्रभुता से मुक्त किया जाय।' यद्यपि चीनी विदेश मंत्रालय ने ताइवान के इस दावे का जोरदार खण्डन करते हुए कहा कि चीन का एकीकरण एक एतिहासिक अनिवार्यता है। इधर हांगकांग में लोकतान्त्रिक आन्दोलन को कुचलने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने "राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम" लागू कर दिया है। जुलाई 1997 में ब्रिटेन ने इस समझौते के तहत हांगकांग को चीन को सौपा था कि चीन "एक राष्ट्र दो प्रणाली" के सिद्धान्त का पालन करेगा और लगभग 50 वर्षों तक इसमें कोई परिवर्तन नही करेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम इस समझौता का खुला उल्लंघन है। इससे ब्रिटेन, अमेरिका समेत पश्चिमी देशों की नाराजगी चीन के प्रति बढ़ सकती है।

कोविड–19 सकंट में चीन की भूमिका को लेकर विश्व के बहुत सारे देश चीन से नाराज है, उन सभी का सहयोग लेकर अमेरिका चीन की आर्थिक एवं राजनीतिक घेरा बन्दी करना चाह रहा है। इस घेरा बन्दी ने उसे विनम्र होने के बजाय और आक्रामक बना दिया है, जिसका पता ताइवान और हांगकांग में उसकी प्रतिक्रिया से चलता है। कोरोना, हांगकांग और कई मुद्दों पर तनाव के बीच चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि 'अमेरिका में कुछ राजनीतिक ताकतें चीन और अमेरिका के संबंधों को बन्धक बनाकर हमें शीत युद्ध के कगार पर ढकेल रही हैं।' वांग ने यह भी कहा कि जो लोग हमसे वायरस को लेकर मुआवजा वसूलने की बात कर रहे हैं, वे दिन में सपना देख रहे हैं। चीन कोरोना के पैदा होने सम्बन्धी जाँच को तैयार है। लेकिन इसमें राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। यह प्रतिक्रिया अमेरिका चीन के विरूद्ध के आरोपों का स्पष्ट खण्डन है। वर्तमान में चीन अपनी आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति के कारण जिस मुकाम पर है उसमें उसकी घेरा बन्दी करना पश्चिम के लिए सरल नहीं होगा।उल्लेखनीय है कि पूर्व के शीत–युध्द कालीन 'दो ध्रुवीय विश्व' के विपरीत आज का विश्व 'बहु–ध्रुवीय' है। अतः चीन–अमेरिका के इस शीत युद्ध में यूरोपीय संघ, जापान, रूस और भारत का दृष्टिकोण भी महत्वपूर्ण होगा। ये देश अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप अपना पक्ष तय करेंगे, तदनुसार शीत–युद्ध के विभिन्न आयाम उदघटित होंगे। परन्तु इतना तय है, इस शीत–युद्ध की गर्माहट चीन अवश्य महसूस करेगा एवं इसका असर विश्व स्वास्थ्य संगठन पर भी पड़ेगा।

# मुक्त चिंतन

## उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

*हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां*

04 जून, 2020


## राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

**जुलाई सत्र के लिए 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं छात्र**

*ऑनलाइन प्रवेश प्रकिया का शुभारम्भ करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी*

### कोविड काल में घर बैठ ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा – कुलपति

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र जुलाई–2020–21 की प्रवेश प्रक्रिया दिनांक 04 जून, 2020 से प्रारम्भ हो गयी। मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रवेश अनुभाग में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का उद्घाटन किया। इसके पूर्व प्रवेश प्रभारी, प्रो0 आर.पी.एस. यादव, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव एवं कुलसचिव, डॉ0 ए.के. गुप्ता ने मा0 कुलपति जी को पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया।

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई।

मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है । साथ ही बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है।

ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एम ए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ वीके गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह, तकनीकी अधिकारी श्री धीरज रावत श्री नृपेन्द्र सिंह तथा डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

*मा0 कुलपति जी को पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत करते हुए प्रवेश प्रभारी, प्रो0 आर.पी.एस. यादव, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव एवं कुलसचिव, डॉ0 ए.के. गुप्ता*

प्रयागराज, शुक्रवार
5 जून 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 14

# दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

# मुविवि में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

**जागरण संवाददाता, प्रयागराज :** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रवेश अनुभाग में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को लांच किया।

उत्तर प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली और नोएडा में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ शुरू हुई। इस दौरान कुलपति ने कहाकि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में 1,088 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश शुरू किया गया है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को ऑनलाइन आवेदन का शुभारंभ करते कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ● सौजन्य से : मीडिया सेल

इच्छुक घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा के लिए शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून कर दी गई है। इस दौरान रजिस्ट्रार डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. वीके गुप्ता, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह, डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

## दाखिले की दौड़

- कुलपति प्रो. केएन सिंह ने किया ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ
- 12 जून तक बढ़ा दी गई है शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि

## खास बातें

**12** क्षेत्रीय केंद्रों में एक साथ शुरू हुई ऑनलाइनप्रवेश प्रक्रिया

**105** कार्यक्रमों में दाखिले के लिए कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

**1,088** अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश की रहेगी सुविधा

-

# हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

विश्व पर्यावरण दिवस

www.livehindustan.com



# राजर्षि टंडन मुक्त विवि में ऑनलाइन प्रवेश शुरू

**प्रयागराज | मुख्य संवाददाता**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र जुलाई 2020-21 में प्रवेश प्रारंभ हो गया है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने गुरुवार को प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोरोना वैश्विक महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा में प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई है।

## प्रवेश पोर्टल लांच

- कुलपति ने जुलाई 2020-21 की प्रवेश प्रक्रिया का किया शुभारंभ
- प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों में शुरू की गई प्रवेश प्रक्रिया

मुख्यालय पर सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। एमसीए-एमबीए प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा में प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है। मुक्त विवि ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. वीके गुप्ता, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. दिनेश सिंह तथा डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
प्रयागराज, शुक्रवार, 5 जून, 2020
लगाएं औषधीय व सुगंधित पौधे, बढ़ाएं आमदनी -12



# राजर्षि टंडन मुक्त विवि में कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ करते कुलपति

**नैनी।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई। मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है । साथ ही बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है। ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एम ए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ वीके गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह तथा डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

पायनियर
www.dailypioneer.com



कुलपति ने किया शुभारंभ....

# प्रदेश के 1088 अध्ययन केंद्रों पर होगी ऑनलाइन प्रवेश की सुविधाः वीसी

- कोविड 19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

**उत्तर प्रदेश** राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र जुलाई की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रो. सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020 21 के लिए लांच किया। कोविड 19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई। मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए कुलपति प्रो के एन सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर गुरूवार से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मुविवि ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी तथा कोविड 19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। प्रो. सिंह ने बताया कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। इस अवसर पर कुलसचिव डा. अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डा. वी के गुप्ता, डा. ज्ञान प्रकाश यादव, डा. दिनेश सिंह आदि रहे।

## ऑनलाइन पढ़ाई वास्तव में है काबिलेतारीफ

**प्रयागराज।** कोविड 19 महामारी के अपने विकराल रूप में होने की वजह से सरकार के दिशा निर्देशों के पालन की भी योजना तैयार की गयी थी। जून के आखिर में नए शैक्षणिक सत्र को शुरू करने में जिस तरह से काम किया, वह काबिले तारीफ है। योजना के मुताबिक लॉकडाउन की घोषणा के बाद छात्र सुरक्षित घर वापस पहुंच गए और स्कूल को संक्रमण से सुरक्षित रखा। आवासीय स्कूल सिंधिया स्कूल नवाचारों में आगे है। इस साल के लिए ऑनलाइन पढ़ाई शुरू कर दी है। अभिभावकों से सिंधिया एजूकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि स्कूल ने मार्च में बच्चों की सुरक्षा के लिए कार्यों की श्रृंखला और उसे अमल में लाने की योजना तैयार की थी। तत्काल उठाए गये कदम में दो बातें प्रमुख थीं। जिसमें बच्चों की सुरक्षा और शैक्षिक लोकाचार को संरक्षित रखना था।

अमर उजाला
अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth 5

# मुक्त विविः प्रवेश प्रक्रिया शुरू

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2021 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया बृहस्पतिवार से शुरू हो गई। इसका उद्घाटन कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लॉन्च किया। प्रवेश प्रक्रिया सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों में एक साथ प्रारंभ हुई। कुलपति ने बताया कि 1088 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश प्रारंभ हो गया है। इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में से अपने मनपसंद कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन, रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है। साथ ही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा के लिए शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक की जा चुकी है।

इलाहाबाद शुक्रवार 05 जून 2020
अमृत कलश टाइम्स

# राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सत्र जुलाई 2020–21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020–21 के लिए लांच किया। कोविड–19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई। मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है । साथ ही बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है। ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एम ए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड–19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ वीके गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह तथा डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

UP PLUS
For advertisement Please Contact Us: UP PLUS

# Vice Chancellor launches online admission to Rajarshi Tandon Open University

Prayagraj,The online admission process of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj session July 2020-21 was inaugurated by the Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh in the admission Cell on Thursday. Professor Singh launched the admission portal available on the university website for the session July 2020-21. Media Incharge Dr. Prabhat Chandra Mishra informed that due to Kovid-19 worldwide corona epidemic, online admission process started simultaneously at all the 12 regional centers of the state – Prayagraj, Varanasi, Gorakhpur, Ayodhya, Jhansi, Kanpur, Agra, Meerut, Azamgarh, Lucknow, Bareilly, and Noida.

In a brief program organized at the headquarters, following the social distancing, Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh described the importance of online admission process as beneficial for the learners in the Kovid era. He said that admission has started in 1088 study centers spread across the state of the Open University from today. Students seeking admission can apply online in their favorite program in about 105 programs sitting at home. He informed that the program of online registration for MCA and MBA entrance examination has already been released. Also, the last date for depositing fee for the entrance examination for B. Ed and B. Ed Special Education has been extended till June 12.

It is known that the university has taken BA, BSc, BCom, MA, MSc, M.Com, Journalism and Mass Communication, Library and Information Science, Yoga, BCA, Web Technology, Dairy Industry, Panchayati Raj, Antyodaya, Integral Humanism, Printing Technology from the new semester. , Organic farming, horticulture, forensic science and Kovid-19 programs have started online admission process.

Vice Chancellor Professor Singh said that the ICT cell would be made more effective to assist the learners. With which online assistance can be immediately available to all the students of the state. Registrar Dr. Arun Kumar Gupta, Admission Incharge Prof. RPS Yadav, Controller of Examinations Mr. Devendra Pratap Singh, Dr. VK Gupta, Dr. Gyan Prakash Yadav, Dr. Dinesh Singh and Dr. Prabhat Chandra Mishra were present on the occasion.

## Aag Gorakhpur

Page 1 05-Jun-2020

روزنامہ آگ — اخبار آپ کا
URDU DAILY AAG GORAKHPUR

# ٹنڈن یونیورسٹی کے وائس چانسلر نے آن لائن داخلہ کا کیا آغاز

پریاگ راج۔(نامہ نگار)۔اتر پردیش راج رشی ٹنڈن یونیورسٹی پریاگ راج کا سیشن جولائی ۲۱-۲۰۲۰ کے آن لائن داخلہ کا عمل کا آغاز جمعرات کو شعبہ داخلہ میں وائس چانسلر پروفیسر کامیشور ناتھ سنگھ نے کیا۔ پروفیسر سنگھ نے یونیورسٹی کی ویب سائٹ پر فراہم داخلہ پورٹل کو سیشن جولائی ۲۱-۲۰۲۰ کے لئے لانچ کیا۔ کووڈ-۱۹ عالمی کورونا وبا کے سبب ریاست کے سبھی بارہ علاقائی مراکز پریاگ راج، بنارس، گورکھپور، اجودھیا، جھانسی، کانپور، آگرہ، میرٹھ، اعظم گڑھ، لکھنؤ، بریلی اور نوئیڈا مراکز پر

آن لائن داخلے کا عمل ایک ساتھ شروع ہوا ہے۔ یونیورسٹی کے ریاست بھر میں پھیلے ایک ہزار ۸۸ مراکز پر داخلہ شروع ہوگیا ہے۔ داخلہ کے خواہش مند طلباء گھر بیٹھے تقریباً ۱۰۵ پروگراموں میں اپنی پسند کے پروگرام میں آن لائن درخواست دے سکتے ہیں۔ انہوں نے بتایا کہ ایم سی اے اور ایم بی اے کے داخلہ امتحانات کے لئے آن لائن رجسٹریشن کا پروگرام پہلے ہی جاری کیا جا چکا ہے۔ ساتھ ہی بی ایڈ اور بی ایڈ خصوصی تعلیم کے داخلہ امتحانات کے لئے فیس جمع کرنے کی آخری تاریخ ۱۲ رجون تک توسیع کی جا چکی ہے۔

---

5 जून 2020

## सदभावना का प्रतीक (हिन्दी दैनिक) बस्ती

### राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

# प्रदेश के 1088 अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा प्रारम्भ

**सदभावना का प्रतीक समाचार प्रतापगढ़/प्रयागराज**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई।

मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है। साथ ही बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है।

ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एम ए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ वीके गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह तथा डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी डॉ प्रभात चन्द्रमित्र मीडिया प्रभारी ने दी है।

---

## आज

विश्व पर्यावरण दिवस : समय और प्रकृति

# राजर्षि टंडन मुक्त विवि में कुलपति ने किया आनलाइन प्रवेश की शुरुआत

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के सत्र जुलाई २०२०-२१ की आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का आरम्भ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वरनाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई २०२०-२१ के लिए लांच किया। कोविड-१९ विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी १२ क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई।

मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले १०८८ अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग १०५ कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया गया है। साथ ही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि १२ जून तक विस्तारित की जा चुकी है। ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-१९ आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. वीके गुप्ता, डॉ. ज्ञानप्रकाश यादव, डॉ. दिनेश सिंह तथा डा॰ प्रभातचंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

---


R.N.I. UPHIN/2012/52437 | जुनून है सच लिखने का | डाक पंजीयन संख्या:- एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15/-17

वर्ष : 06 अंक : 245
प्रयागराज, शुक्रवार, 5, जून, 2020
पृष्ठ - 8
मूल्य : 1 रुपये


## मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी व मैनपुरी से प्रसारित

मंत्र भारत | प्रयागराज/कौशाम्बी

# राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

## प्रदेश के 1088 अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सत्र जुलाई 2020–21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर

कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020–21 के लिए लांच किया। कोविड–19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई।

मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है । साथ ही बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है।

ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एम ए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड–19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ वीके गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह तथा डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

---

## लोकमित्र

प्रतापगढ़ | शुक्रवार | 5 जून-2020

# राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई। मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है । साथ ही बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है।ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एम ए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा।

जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ वीके गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह तथा डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, शुक्रवार ,05 जून 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

# राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

## प्रदेश के 1088 अध्ययन केंद्रों पर मिलेगी ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा-कुलपति

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सत्र जुलाई 2020–21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020–21 के लिए लांच किया। कोविड–19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई। मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर

आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है । साथ ही बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है। ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एम ए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड–19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ वीके गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह तथा डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ, बरेली व मुरादाबाद से प्रकाशित
अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, शुक्रवार, 5 जून 2020

# उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने लांच किया प्रवेश पोर्टल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने जुलाई सत्र 2020–21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया की शुरुआत कर कर दी है। इसके लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को लांच किया। कुलपति ने बताया कि प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ शुरू हुई। कुलपति ने कहा कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है। बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है।

NORTHERN INDIA PATRIKA
EDITION PRICE RS. 3.00 English Daily News Paper
VOL. 62 NO. 354 MORNING EDITION, PRAYAGRAJ, FRIDAY, JUNE 05, 2020, PAGES 12
NORTHERN INDIA PATRIKA PRAYAGRAJ

### BRACING FOR LASTING IMPACT OF CORONAVIRUS OUTBREAK

# Online admission process kicks off at UPRTOU

PRAYAGRAJ: The online admission process of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj session July 2020-21 was inaugurated by the Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh in the admission Cell on Thursday. Professor Singh launched the admission portal available on the university website for the session July 2020-21. Media Incharge Dr. Prabhat Chandra Mishra informed that due to Kovid-19 world-wide corona epidemic, online admission process started simultaneously at all the 12 regional centers of the state - Prayagraj, Varanasi, Gorakhpur, Ayodhya, Jhansi, Kanpur, Agra, Meerut, Azamgarh, Lucknow, Bareilly, and Noida.

In a brief program organized at the headquarters, following the social distancing, Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh described the importance of online admission process as beneficial for the learners in the Kovid era. He said that admission has started in 1088 study centers spread across the state of the Open University from today. Students seeking admission can apply online in their favorite program in about 105 programs sitting at home. He informed that the program of online registration for MCA and MBA entrance examination has already been released. Also, the last date for depositing fee for the entrance examination for B. Ed and B. Ed Special Education has been extended till June 12.

It is known that the university has taken BA, BSc, BCom, MA, MSc, M.Com, Journalism and Mass Communication, Library and Information Science, Yoga, BCA, Web Technology, Dairy Industry, Panchayati Raj, Antyodaya, Integral Humanism, Printing Technology from the new semester. , Organic farming, horticulture, forensic science and Kovid-19 programs have started online admission process.

Vice Chancellor Professor Singh said that the ICT cell would be made more effective to assist the learners. With which online assistance can be immediately available to all the students of the state. Registrar Dr. Arun Kumar Gupta, Admission Incharge Prof. RPS Yadav, Controller of Examinations Mr. Devendra Pratap Singh, Dr. VK Gupta, Dr. Gyan Prakash Yadav, Dr. Dinesh Singh and Dr. Prabhat Chandra Mishra were present on the occasion.

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज, शुक्रवार 05 जून 2020

# राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

## प्रदेश के 1088 अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेष्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोविड-19 विष्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई। मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेष्वर नाथ सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है । साथ ही बी एड एवं बी एड विषिश्ट शिक्षा की प्रवेष परीक्षा हेतु षुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है। ज्ञातव्य है कि विष्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ वीके गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह तथा डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

इए
हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
वर्ष : 11 अंक : 65, प्रयागराज, शुक्रवार 05 जून 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया
सच का आधार ...

# मुक्त विवि : प्रदेश के 1088 अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ वृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया।

लॉंच करते कुलपति

विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई। मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। कहा कि मुक्त विवि के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है। साथ ही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक है।

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड 19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कुलपति ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ.अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. वीके गुप्ता, डॉ.ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. दिनेश सिंह तथा डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

PHIN/2012/44803
हिन्दी दैनिक
Email : harbaatft
हरबात
आपके साथ
अंक : 136 फतेहपुर, शुक्रवार, 05 जून, 2020, पृष्ठ : 8

# राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

हर बात संवाददाता

प्रयागराज ।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ वृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई।

मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल मे लाभदायक बताया। उन्होने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर मे फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों मे अपने मनपसंद कार्यक्रम मे ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है । साथ ही बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है।ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एम ए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों मे ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ वीके गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह तथा डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

VOL. 12
NO. 153
MORNING EDITION
PRAYAGRAJ
JUSTICE EXPRESS

BRACING FOR LASTING IMPACT OF CORONAVIRUS OUTBREAK

# Online admission process kicks off at UPRTOU

*JE CORRESPONDENT*

PRAYAGRAJ: The online admission process of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj session July 2020-21 was inaugurated by the Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh in the admission Cell on Thursday. Professor Singh launched the admission portal available on the university website for the session July 2020-21. Media Incharge Dr. Prabhat Chandra Mishra informed that due to Kovid-19 worldwide corona epidemic, online admission process started simultaneously at all the 12 regional centers of the state - Prayagraj, Varanasi, Gorakhpur, Ayodhya, Jhansi, Kanpur, Agra, Meerut, Azamgarh, Lucknow, Bareilly, and Noida.

In a brief program organized at the headquarters, following the social distancing, Vice Chancellor Professor Kameshwar Nath Singh described the importance of online admission process as beneficial for the learners in the Kovid era. He said that admission has started in 1088 study centers spread across the state of the Open University from today. Students seeking admission can apply online in their favorite program in about 105 programs sitting at home. He informed that the program of online registration for MCA and MBA entrance examination has already been released. Also, the last date for depositing fee for the entrance examination for B. Ed and B. Ed Special Education has been extended till June 12.

It is known that the university has taken BA, BSc, BCom, MA, MSc, M.Com, Journalism and Mass Communication, Library and Information Science, Yoga, BCA, Web Technology, Dairy Industry, Panchayati Raj, Antyodaya, Integral Humanism, Printing Technology from the new semester. , Organic farming, horticulture, forensic science and Kovid-19 programs have started online admission process.

Vice Chancellor Professor Singh said that the ICT cell would be made more effective to assist the learners. With which online assistance can be immediately available to all the students of the state. Registrar Dr. Arun Kumar Gupta, Admission Incharge Prof. RPS Yadav, Controller of Examinations Mr. Devendra Pratap Singh, Dr. VK Gupta, Dr. Gyan Prakash Yadav, Dr. Dinesh Singh and Dr. Prabhat Chandra Mishra were present on the occasion.

आनंदी मेल
दैनिक) लखनऊ, शुक्रवार, 5 जून 2020 R.N.I No.UPHIN/2009/29300 पृष्ठ: 8 मूल्य :

# मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

- प्रदेश के 1088 अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई। मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है । साथ ही बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है। ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एम ए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, आदि उपस्थित रहे।

www.sahajsatta.in
facebook.com/sahajsatta.allahabad

# सहजसत्ता

सत्य की सत्ता को समर्पित

वर्ष 12 अंक 350
पृष्ठ-8
प्रयागराज
शुक्रवार, 5 जून 2020
मूल्य 1.00 रुपये मात्र

## मुक्त विविः प्रदेश के 1088 अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा

प्रयागराज (नि.सं)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ वृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया।

विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई। मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। कहा कि मुक्त विवि के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है। साथ ही बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक है।गौरतलब है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनेलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनेलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड 19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कुलपति ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ.अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. वीके गुप्ता, डॉ.ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. दिनेश सिंह तथा डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा
लखनऊ
शुक्रवार • 5 जून • 2020
पृष्ठ 16, मूल्य ₹ 3.50

## राजर्षि टंडन मुक्त विवि में ऑनलाइन प्रवेश शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज सत्र जुलाई 2020-21 की आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रा. कामेश्वर नाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को किया। कुलपति प्रो. सिंह ने विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर अनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई।

मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विवि के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश शुरू हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में अनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डा. अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो. आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, डा. वीके गुप्ता, डा। ज्ञान प्रकाश यादव, डा. दिनेश सिंह तथा ड प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू करते विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर सिंह व अन्य। फोटो : एसएनबी

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
सूर्योदय : 05:12 बजे
सूर्यास्त : 06:56 बजे
वर्ष : 42 | अंक : 159 | प्रयागराज, शुक्रवार 05 जून, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये
कभी ऐसा लग

## मुक्त विवि के कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

### प्रदेश के 1088 अध्ययन केंद्रों पर ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई। मुख्यालय पर आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के महत्व को शिक्षार्थियों के लिए कोविड काल में लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर आज से प्रवेश प्रारंभ हो गया है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि एमसीए और एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है। साथ ही बी एड एवं बी एड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा हेतु शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 12 जून तक विस्तारित की जा चुकी है। ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय ने नए सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एम ए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेकनेलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेकनेलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया जाएगा। जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, प्रवेश प्रभारी प्रो आरपीएस यादव, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ वीके गुप्ता, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ दिनेश सिंह तथा डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

जिज्ञासा कुंज, 5 जून 2020

## विश्वविद्यालय में कुलपति ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

प्रयागराज जिज्ञासा कुंज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ बृहस्पतिवार को प्रवेश अनुभाग में कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रोफेसर सिंह ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रवेश पोर्टल को सत्र जुलाई 2020-21 के लिए लांच किया। कोविड-19 विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज,वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली, तथा नोएडा केंद्र पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई।

# मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

04 जून, 2020


# राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

कृष्ण सुदामा ग्रुप आफ इंस्टीटयूशन के तत्वावधान में दिनांक 04 जून, 2020 को राष्ट्रीय वेबिनार कोविड–19 कोरोना संक्रमण काल में पशुधन संरक्षण एवं कृषि विषय पर आयोजित किया गया। अखिल भारतीय गौ सेवा के सह प्रमुख अजीत प्रसाद मोहापात्रा के अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह के मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के स्कूल स्कूल आफ एग्रीकल्चर के डायरेक्टर डॉ0 पी0पी0 दुबे के मुख्य व्याख्यान को एक हजार से ज्यादा प्रतिभागियों ने जूम एप्प के माध्यम से प्रतिभाग लिया।

इस वेबिनार पूर्वांचल की सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थान कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ इन्स्टीटयून्षन वाराणसी/गाजीपुर के संस्थापक एवं माननीय चेयरमैन डॉ0 विजय यादव के दिशा निर्देशन में किया गया। इस वेबिनार में एक बडी संख्या विभिन्न प्रदेशो से जुडे प्रोफेसर्स एवं शोध छात्रों की भी प्रतिभागता रही।

इस वेबिनार का संयोजन उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ0 सर्वेश यादव द्वारा किया गया। कृष्ण सुदामा ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रवण यादव ने वेबिनार का संचालन किया। वेबिनार के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने कृषि क्षेत्र में उद्यमिता के विकास पर बल दिया।

वेबिनार की मुख्य वक्ता डॉ0 पी0पी0 दूबे ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग और उसके महत्व को समझाया। इस वेबिनार कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सम्पूर्ण भारत के अखिल भारतीय गौर सेवा सह प्रमुख भाई अजीत प्रसाद महापात्रा ने विस्तार से अपनी बातें रखीं और बताया कि भारतीय आयुर्वेदिक पद्धति में सोंठ का प्रयोग वायरस संक्रमण रोकने में बहुत सहायक है। देशी गाय के घी का प्रयोग भी कई संक्रमण से बचा सकता है। देशी गौ सेवा का महत्व के बारे में भी विस्तार से चर्चा हुई। कृष्ण सुदामा ग्रुप के चेयरमैन माननीय डॉ0 विजय यादव ने मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और वेबिनार से प्राप्त ज्ञान को समाज में स्थापित करने हेतु सभी प्रतिभागियों का आहवान किया।

इस वेबिनार में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कई विद्वान प्रोफेसर एवं मैनेजमेंट के लोग शामिल हुए जिसमें डॉ0 अनिल भदौरिया, डॉ0 अमरेन्द्र यादव, डॉ0 प्रवीण वर्मा, डॉ0 रमेश यादव आदि वेबिनार में जहां संस्थान के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज पॉलिटेक्निक डीफार्मा आदि संकायों के छात्र एवं शिक्षक गण ने भाग लिया वहीं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के अनेक अनेकों शोध छात्रों ने भीहिस्सा लिया संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रवण यादव ने सभी अतिथिगण एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

हिन्दी दैनिक
# वैचारिक तूफान
vtnewsindia.com
प्रमुख भारतीय हिन्दी न्यूज़ पोर्टल
आवाज़ देश की !

शुक्रवार, 05 जून 2020 , लखनऊ | वर्ष–8, अंक–201 | पृष्ठ–8 | मूल्य– 1 रुपया



# राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

*अजय कुमार चौबे*

वाराणसी- कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स के तत्वाधान में गुरुवार को राष्ट्रीय वेबिनार कोविड -19 कोरोना संक्रमण काल में पशुधन संरक्षण एवं कृषि विषय पर आयोजित किया गया द्यअखिल भारतीय गौ सेवा के सह प्रमुख अजीत प्रसाद मोहापात्रा के अध्यक्षता, उत्तरप्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफ. कामेश्वर नाथ सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं [illegible] के स्कूल ऑफ़ एग्रीकल्चर के डायरेक्टर डॉ पी पी दुबे के मुख्य व्याख्यान को एक हज़ार से ज्यादा प्रतिभागियों ने ज़ूम एप्प के माध्यम से प्रतिभाग लिया .

इस वेबिनार पूर्वांचल की सर्वश्रेष्ट शिक्षण संस्थान कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स वाराणसी/ गाज़ीपुर के संस्थापक एवं माननीय चेयरमैन डॉ विजय यादव के दिशा निर्देशन में किया गया. इस वेबिनार में एक बड़ी संख्या विभिन्न प्रदेशों से जुड़े प्रोफेसर्स एवं शोध छात्रों की भी प्रतिभागिता रही .

इस वेबिनार का सयोंजन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्विद्यालय के डॉ सर्वेश यादव द्वारा किया गया.कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रवण यादव ने वेबिनार का संचालन किया. वेबिनार के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति ( यू पी आर टी यू ) ने कृषि क्षेत्र में उद्यमिता के विकास पर बल दिया .

वेबिनार की मुख्य वक्ता डॉ पी पी दूबे ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग और उसके महत्व को समझाया.

इस वेबिनार कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे, संपूर्ण भारत के अखिल भारतीय गौ सेवा सह प्रमुख भाई अजीत प्रसाद मोहापात्रा ने विस्तार से अपनी बातें रखीं और बताया की भारतीय आयुर्वेदिक पद्धति में सोंठ का प्रयोग वायरस संक्रमण रोकने में बहुत सहायक है द्य देशी गाय के घी का प्रयोग भी कई संक्रमण से बचा सकता है द्य देशी गौ सेवा का महत्व के बारे में भी विस्तार से चर्चा हुई .

कृष्ण सुदामा ग्रुप के चेयरमैन माननीय डॉ विजय यादव ने मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं सभी प्रतभागियों का धन्यवाद दिया और वेबीनार से प्राप्त ज्ञान को समाज में स्थापित करने हेतु सभी प्रतभागिओं का आह्वान किया.

इस वेबिनार में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कई विद्वान् प्रोफेसर एवं मैनेजमेंट के लोग शामिल हुए जिसमें डॉ अनिल भदौरिया, डॉ अमरेंद्र यादव, डॉ प्रवीण वर्मा, डॉ रमेश यादव आदि द्य वेबिनार में जहाँ संस्थान के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, पॉलिटेक्निक, डी फार्मा आदि संकायों के छात्र एवं शिक्षक गण ने भाग लिया वहीं महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के अनेक अनेकों शोध छात्रों ने भी हिस्सा लिया द्य संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रवण यादव ने सभी अतिथि गण एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया.

Purvanchal NEWS.com

जोड़े आपको पूर्वान्चल से

## कृष्ण सुदामा ग्रुप: पशुधन संरक्षण एवं कृषि विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेविनार सम्पन्न, बुद्धिजीवो ने कृषि में उद्दयमिता विकास पर दिया बल

admin  22 hours ago  बनारस, ब्रेकिंग न्यूज़, राज-काज

Comments Off on कृष्ण सुदामा ग्रुप: पशुधन संरक्षण एवं कृषि विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेविनार सम्पन्न, बुद्धिजीवो ने कृषि में उद्दयमिता विकास पर दिया बल

वाराणसी। कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूशन्स के तत्वाधान में राष्ट्रीय वेबिनार " कोविड -19 : कोरोना संक्रमण काल में पशुधन संरक्षण एवं कृषि " विषय पर आयोजित किया गया। अखिल भारतीय गौ सेवा के सह प्रमुख आदरणीय अजीत प्रसाद मोहापात्रा जी के अध्यक्षता, उत्तरप्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफ. कामेश्वर नाथ सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं UPRTOU के स्कूल ऑफ़ एग्रीकल्चर के डायरेक्टर डॉ पीपी दुबे जी के मुख्य व्याख्यान को एक हज़ार से ज्यादा प्रतिभागियों ने ज़ूम एप्प के माध्यम से प्रतिभाग लिया। इस वेबिनार पूर्वांचल की सर्वश्रेष्ट शिक्षण संस्थान कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूशन्स वाराणसी/ गाज़ीपुर के संस्थापक एवं माननीय चेयरमैन डॉ विजय जी के दिशा निर्देशन में किया गया । इस वेबिनार में एक बड़ी संख्या विभिन्न प्रदेशों से जुड़े प्रोफेसर्स एवं शोध छात्रों की भी प्रतिभागिता रही।इस वेबिनार का सयोंजन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्विद्यालय के डॉ सर्वेश यादव जी द्वारा किया गया। कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटूशन्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रवण यादव जी ने वेबिनार का संचालन किया।वेबिनार के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति (यूपी आर टीयू) ने कृषि क्षेत्र में उद्धमिता के विकास पर बल दिया। वेबिनार की मुख्य वक्ता डॉ पी पी दूबे ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग और उसके महत्व को समझाया।इस वेबिनार कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे, संपूर्ण भारत के अखिल भारतीय गौ सेवा सह प्रमुख भाई अजीत प्रसाद मोहापात्रा जी ने विस्तार से अपनी बातें रखीं और बताया की भारतीय आयुर्वेदिक पद्धति में सोंठ का प्रयोग वायरस संक्रमण रोकने में बहुत सहायक है। देशी गाय के घी का प्रयोग भी कई संक्रमण से बचा सकता है। देशी गौ सेवा का महत्व के बारे में भी विस्तार से चर्चा हुई।कृष्ण सुदामा ग्रुप के चेयरमैन माननीय डॉ विजय यादव जी ने मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं सभी प्रतभागियों का धन्यवाद दिया और वेबीनार से प्राप्त ज्ञान को समाज में स्थापित करने हेतु सभी प्रतभागिओं का आह्वान किया।इस वेबिनार में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कई विद्वान् प्रोफेसर एवं मैनेजमेंट के लोग शामिल हुए जिसमें डॉ अनिल भदौरिया, डॉ अमरेंद्र यादव, डॉ प्रवीण वर्मा, डॉ रमेश यादव आदि। वेबिनार में जहाँ संस्थान के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, पॉलिटेक्निक, डी फार्मा आदि संकायों के छात्र एवं शिक्षक गण ने भाग लिया वहीं महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के अनेक अनेकों शोध छात्रों ने भी हिस्सा लिया। संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रवण यादव जी ने सभी अतिथि गण एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया

# वाराणसी

4 राष्ट्रीय सहारा वाराणसी। शुक्रवार • 5 जून • 2020

## कृष्ण सुदामा संस्थान में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

**चौबेपुर/वाराणसी।** कृष्ण-सुदामा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के तत्वाधान में गुरुवार को राष्ट्रीय वेबिनार 'कोरोना संक्रमण काल में पशुधन संरक्षण एवं कृषि' विषय पर आयोजित किया गया। अखिल भारतीय गौ सेवा के सह प्रमुख अजीत प्रसाद मोहापात्रा के अध्यक्षता व राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर के डायरेक्टर डॉ. पीपी दूबे के मुख्य व्याख्यान को एक हजार से ज्यादा प्रतिभागियों ने जूम एप के माध्यम से प्रतिभाग किया। वेबिनार का

संचालन कृष्ण सुदामा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन वाराणसी/गाजीपुर के संस्थापक एवं चेयरमैन डॉ. विजय यादव के दिशा-निर्देशन में किया गया। वेबिनार को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति ने कृषि क्षेत्र में उद्यमिता के विकास पर बल दिया। वेबिनार की मुख्य वक्ता डॉ. पीपी दूबे ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग और उसके महत्व को समझाया। अखिल भारतीय गौ सेवा सह प्रमुख भाई अजीत प्रसाद मोहापात्रा ने कहा कि भारतीय आयुर्वेदिक पद्धति में सोंठ का प्रयोग वायरस संक्रमण रोकने में बहुत सहायक हैं। देशी गाय के घी का प्रयोग भी कई संक्रमण से बचा सकता है। कृष्ण सुदामा ग्रुप के चेयरमैन डॉ. विजय यादव ने मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं सभी प्रतभागियों का धन्यवाद दिया और वेबीनार से प्राप्त ज्ञान को समाज में स्थापित करने के लिये सभी प्रतभागिओं का आह्वान किया। वेबिनार में डॉ. अनिल भदौरिया, डॉ. अमरेंद्र यादव, डॉ. प्रवीण वर्मा, डॉ. रमेश यादव समेत संस्थान के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, पॉलिटेक्निक, डी फार्मा आदि संकायों के छात्र एवं शिक्षक गण ने भाग लिया। वहीं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के अनेक शोध छात्रों ने भी हिस्सा लिया। संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रवण यादव ने सभी अतिथिगण एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद व संयोजन राजर्षि टंडन मुक्त विश्विद्यालय के डॉ. सर्वेश यादव द्वारा किया गया।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

05 जून, 2020


# विश्व पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

मा0 कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी

## जीवन शैली में बदलाव से ही पर्यावरण संरक्षण–प्रोफेसर सिंह

### पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक – प्रो0 राय

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को "भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय वेबिनार की अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के मा0 कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी ने की।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

# जीवन शैली में बदलाव से ही पर्यावरण संरक्षण–प्रोफेसर सिंह

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि आज संपूर्ण विश्व के सामने पर्यावरण, विकास, शांति एवं सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आम बात है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण तकनीकी उपाय से नहीं बल्कि जीवनशैली में बदलाव लाकर ही किया जा सकता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारत में मत, मतांतर, बोली और भाषांतर होते हुए भी सभी को साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति और प्रकृति है। प्रकृति का संरक्षण और संपूर्ण पृथ्वी के जैविक एवं अजैविक तत्वों को परिवार का अंग मानना भारत की विलक्षणता है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और संस्कार को अपनाकर ही पर्यावरण संरक्षण संभव है। दुनिया को शांति एवं सुरक्षा, सद्भावना एवं पर्यावरण संरक्षण की गारंटी केवल भारत ही दे सकता है।

प्रोफेसर एस सी राय

## पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक – प्रो0 राय

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई । उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण आज पर्यावरण असंतुलन बढ़ गया है। प्रोफेसर राय ने आज के समय में पंचतत्व छिति, जल, पावक, गगन, समीरा के संतुलन पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

डॉ रामजन्म मौर्य

प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे

# मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

05 जून, 2020


## विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय बरेली के निर्माणाधीन भवन में क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 आर.बी. सिंह तथा सभी कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया।

*क्षेत्रीय कार्यालय बरेली के निर्माणाधीन भवन में*

*वृक्षारोपण करते हुए*

*क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 आर.बी. सिंह*

*तथा कर्मचारीगण।*

# क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या

विश्व पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या में क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी ने तथा सभी कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया।

*क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या में वृक्षारोपण करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी तथा कर्मचारीगण।*

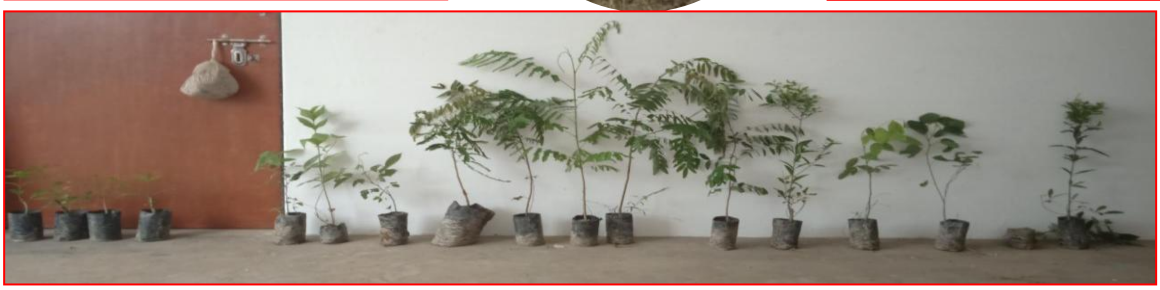

COVERAGE INDIA
खबर पल - पल की



# पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक

3 hours ago   Coverage India

**कुलदीप शुक्ला, कवरेज इण्डिया न्यूज़ डेस्क प्रयागराज**

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को "भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई । उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण आज पर्यावरण असंतुलन बढ़ गया है। प्रोफेसर राय ने आज के समय में पंचतत्व छिति, जल, पावक, गगन, समीरा के संतुलन पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

राष्ट्रीय वेबीनार की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

06 Jun 2020

आनंदी मेल



# विश्व पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

द्वारा **Surya Mani Dubey** -June 05, 2020 10:08 PM
Like 3

- पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक

प्रयागराज,विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को "भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई । उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण आज पर्यावरण असंतुलन बढ़ गया है। प्रोफेसर राय ने आज के समय में पंचतत्व छिति, जल, पावक, गगन, समीरा के संतुलन पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई।
राष्ट्रीय वेबीनार की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

UP PLUS

For advertisement Please Contact Us: UP PLUS

# Environmental protection due to changes in lifestyle – Professor Singh

Prayagraj.On the occasion of World Environment Day, under the aegis of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, a national webinar on the topic "Indian way of life and environmental protection" was organized on Friday.

Presiding over the occasion, Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Professor Kameshwar Nath Singh said that today the international conference on environment, development, peace and security is common in front of the whole world. He said that environmental protection can be done not by technical measures but by making changes in lifestyle. Professor Singh said that in India, there is a tendency and nature to take everyone along, irrespective of opinion, opinion, dialect and language. Conservation of nature and considering the biological and abiotic elements of the entire earth as part of the family is India's uniqueness. He said that environmental protection is possible only by adopting India's culture and culture. Only India can guarantee the world peace and security, goodwill and environmental protection.

On the occasion, Professor SC Rai of Delhi University stated the need for public participation for environmental protection. He said that special protection of Banyan, Neem, Peepal, the tree giving the most oxygen is needed today. He said that due to increasing urbanization, the environment imbalance has increased today. Professor Rai today said the need to pay attention to the balance of Panchatatva Chiti, Jal, Pawak, Gagan, Sameera.At the outset, the guests were welcomed by Dr. Ramjan Maurya and the subject enforcement was done by Professor Prem Prakash Dubey, Director of the Department of Agricultural Sciences. On this occasion Professor AR Siddiqui of Allahabad University, Professor Arun Kumar Singh of Kashi Hindu University and Professor NK Rana of Gorakhpur University expressed important views.

पूरे दिन रिमझिम, पंखे में भी सिहरन पेज 03 | भारत और चीन के बीच वार्ता आज पेज 10

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

05 • प्रयागराज • शनिवार • 06 जून 2020 हिन्दुस्तान

आज का दिन 1674 में शिवाजी का रायगढ़ के किले में राज्याभिषेक और उन्हें छत्रपति की उपाधि प्रदान की गई।

प्रयागराज

**पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक :** मुक्त विवि में राष्ट्रीय वेबीनार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एससी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है।

अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने की। स्वागत डॉ. रामजन्म मौर्य ने किया। विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने विचार व्यक्त किए। संयोजन डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने किया।

राजकीय पीजी कॉलेज सैदाबाद में ग्लोबल इनवायर्मेंट की ओर से अंतरराष्ट्रीय वेबीनार आयोजित किया गया। दो सत्र में हुए आयोजन में देश विदेश के एक हजार लोगों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी तकनीकी व चिकित्सा अरुणाचल

अयोध्या, लखनऊ एवं बरेली से प्रकाशित

जनमोर्चा

अपना फैजाबाद
सुबह का आगाज... ताजा खबरों के साथ
गोण्डा, बहराइच
सुल्तानपुर, महराजगंज
जनमोर्चा

## पर्यावरण दिवस पर बांटे पौधे, जगह–जगह पौधरोपण

वृक्षारोपण करते नेयुके के युवा व राजर्षि टण्डन विवि के क्षेत्रीय निदेशक अयोध्या

बी.एन. एस. गर्ल्स डिग्री कालेज और उत्तर प्रदेश **राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय** के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के 17 पौधों का रोपण किया गया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक लाल जी सिंह, दुर्वेश सिंह, अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम, कृष्ण कुमार सिंह, अवध विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष डॉ राजेश सिंह, डॉ.गोपाल नंदन श्रीवास्तव, पवन उपाध्याय, संजय सिंह उपस्थित रहे। प्रबंधक ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि हम लोगों के बचपन के समय पेड़.पौधों की भरमार रहती थी लेकिन नगरों के विस्तार की तेजी से वृक्षों का कटाव हुआ है, जिससे कई प्रकार की पर्यावरणीय समस्याएं सामने आयी है। हमे पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण करना होगा। अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ. शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कहा कि हम सबको को सभी महत्वपूर्ण अवसर पर पौध रोपण अवश्य करना चाहिए।

**नेहरू युवा केन्द्र अयोध्या द्वारा** विश्व पर्यावरण दिवस पर जनपद के सभी विकास खण्डों में लगभग 70 से अधिक जगह पर वृक्षारोपण किया गया है। पर्यावरण है तो जीवन है और इसके लिए धरती पर हरियाली आवश्यक है, तभी जीवन की रक्षा की जा सकती है। ये बातें श्रीराम बल्लभ कुंज के महाराज

# जनसंदेश टाइम्स

## प्रयागराज

# पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक : राय

पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताते प्रो.के.एन. सिंह

**नैनी।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को 'भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एससी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय वेबीनार की अध्यक्षता राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य व विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। इस दौरान मीडिया प्रभारी डॉः प्रभात चंद्र मिश्र मौजूद रहे हैं।

---

# दैनिक जागरण

## पर्यावरण के प्रहरी

# वेबिनार में पर्यावरण संरक्षण की नसीहत

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। दिल्ली विवि के प्रोफेसर एससी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई। अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने की।

---

# लोकमित्र

| शनिवार | 6 जून-2020

## न्यूज डायरी

# मुविवि में पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबिनार आज

प्रयागराज। ÷कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता÷ विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शनिवार 6 जून को दोपहर 12ः00 बजे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा किया जा रहा है। वैश्विक महामारी के दौर में उत्पन्न संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्तमान में मीडिया के नैतिक दायित्व और मीडिया की जिम्मेदारियों पर पत्रकारिता क्षेत्र के विशिष्ट विद्वान अपने विचार व्यक्त करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह वेबिनार का उद्घाटन करेंगे। मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने होंगे तथा विशिष्ट अतिथि टीवी चैनल की प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा होंगी। मुख्य वक्ता पूर्व राज्यसभा सदस्य तथा पांचजन्य के पूर्व संपादक श्री तरुण विजय होंगे। आयोजन सचिव डॉ साधना श्रीवास्तव तथा वेबीनार संयोजक डॉ सतीश चंद्र जैसल ने बताया कि अभी तक 1200 प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।

---

# स्वतंत्र भारत

लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित · प्रकाशन का 73वां वर्ष

लखनऊ, शनिवार, 6 जून 2020 ई.

epaper: swatantrabharat.net

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुविवि में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

# पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई । उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण आज पर्यावरण असंतुलन बढ़ गया है। प्रोफेसर राय ने आज के समय में पंचतत्व छिति, जल, पावक, गगन, समीरा के संतुलन पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय वेबीनार की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डा. रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इविवि के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. अरुण कुमार सिंह आदि ने विचार व्यक्त किए।

## मुविवि में पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबिनार आज

प्रयागराज। कोविड-१९ महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शनिवार ६ जून को दोपहर १२.०० बजे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा किया गया है। वैश्विक महामारी के दौर में उत्पन्न संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्तमान में मीडिया के नैतिक दायित्व और मीडिया की जिम्मेदारियों पर पत्रकारिता क्षेत्र के विशिष्ट विद्वान अपने विचार व्यक्त करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह वेबिनार का उद्घाटन करेंगे। मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने होंगे तथा विशिष्ट अतिथि टीवी चौनल की प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा होंगी। मुख्य वक्ता पूर्व राज्यसभा सदस्य तथा पांचजन्य के पूर्व संपादक तरुण विजय होंगे। आयोजन सचिव डा.साधना श्रीवास्तव तथा वेबीनार संयोजक डा. सतीश चंद्र जैसल ने बताया कि अभी तक १२०० प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।

PHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatft
हर बात
आपके साथ
अंक : 137 फतेहपुर, शनिवार, 06 जून, 2020, पृष्ठ : 8

## विश्व पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

हर बात संवाददाता

प्रयागराज।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को 'भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि आज संपूर्ण विश्व के सामने पर्यावरण, विकास, शांति एवं सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आम बात है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण तकनीकी उपाय से नहीं बल्कि जीवनशैली में बदलाव लाकर ही किया जा सकता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारत में मत, मतांतर, बोली और भाषांतर होते हुए भी सभी को साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति और प्रकृति है। प्रकृति का संरक्षण और संपूर्ण पृथ्वी के जैविक एवं अजैविक तत्वों को परिवार का अंग मानना भारत की विलक्षणता है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और संस्कार को अपनाकर ही पर्यावरण संरक्षण संभव है। दुनिया को शांति एवं सुरक्षा, सद्भावना एवं पर्यावरण संरक्षण की गारंटी केवल भारत ही दे सकता है।

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण आज पर्यावरण असंतुलन बढ़ गया है। प्रोफेसर राय ने आज के समय में पंचतत्व छिति, जल, पावक, गगन, समीरा के संतुलन पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई।प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, शनिवार, 06 जून 2020 विक्रम संवत 2076 प्रात: संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

## पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक -प्रो0 राय

### विश्व पर्यावरण दिवस पर मुक्त विवि में राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित

प्रयागराज।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई ।

उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण आज पर्यावरण असंतुलन बढ़ गया है। प्रोफेसर राय ने आज के समय में पंचतत्व छिति, जल, पावक, गगन, समीरा के संतुलन पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय वेबीनार की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

R.N.I. UPHIN/2012/52437 जुनून है सच लिखने का डाक पंजीयन सख्या:- एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15/-17
वर्ष : 06 अंक : 246
प्रयागराज, शनिवार,
6, जून, 2020
पृष्ठ - 8
मूल्य : 1 रुपये
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी व मैनपुरी से प्रसारित

## पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक

संवाददाता/प्रयागराज, ।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई । उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण आज पर्यावरण असंतुलन बढ़ गया है। प्रोफेसर राय ने आज के समय में पंचतत्व छिति, जल, पावक, गगन, समीरा के संतुलन पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई ।राष्ट्रीय वेबीनार की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी जरूरी

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान मे शुक्रवार को भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई । उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण आज पर्यावरण असंतुलन बढ़ गया है। प्रोफेसर राय ने आज के समय मे पंचतत्व छिति, जल, पावक, गगन, समीरा के संतुलन पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय वेबीनार की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने की। प्रारंभ मे अतिथियो का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

## क्षेत्रीय कार्यालय में असाइनमेंट जमा करने का विकल्प दिया

### राजर्षि टंडन विवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि ने अपने छात्रों को सीधे क्षेत्रीय कार्यालय में असाइनमेंट जमा करने का विकल्प भी खोल दिया है। कोरोना संक्रमण के चलते अगर स्टडी सेंटर बंद है तो छात्र इस सुविधा का फायदा उठा सकते हैं। विवि की क्षेत्रीय समन्वयक नीरांजलि सिन्हा ने बताया कि छात्रों को 15 जून तक असाइमेंट जमा करने हैं। छात्र डाक से भी असाइमेंट जमा कर सकते हैं।

**नए सत्र के लिए आवेदन शुरू:** विवि में नए सत्र (2020-21) के लिए प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसमें स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा, प्रमाण-पत्र व जागरूकता कार्यक्रमों तथा कोविड 19 आदि पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी अध्ययन केंद्रों व 12 क्षेत्रीय केन्द्रों प्रयागराज, लखनऊ, अयोध्या, झांसी, आजमगढ़ तथा गाजियाबाद आदि में प्रारम्भ की गई है। क्षेत्रीय समन्वयक ने बताया कि प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

my city lucknow.amarujala.com
लखनऊ ▪ शनिवार, 06.06.2020
अमर उजाला 05

## राजर्षि टंडन विवि में दाखिले को आवेदन शुरू

*लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में शैक्षिक सत्र जुलाई 2020 -21 की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसमें स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी. डिप्लोमा, प्रमाण-पत्र एवं जागरूकता कार्यक्रमों के साथ ही कोविड 19 पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश दिए जाएंगे। सभी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा प्रणाली पर आधारित हैं। इनमें दाखिले के बाद नियमित क्लास के बजाय साप्ताहिक काउंसलिंग होती है। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. नीराजंलि ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। सत्र जुलाई- 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी अध्ययन केंद्रों एवं 12 क्षेत्रीय केन्द्रों प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, बरेली, कानपुर, गोरखपुर, आगरा, अयोध्या, मेरठ, झांसी, आजमगढ़ तथा गाजियाबाद में एक साथ शुरू है। प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर ऑनलाइन एडमिशन लिंक पर जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।*

R.N.I. UPHIN/2012/52437
जुनून है सच लिखने का
डाक पंजीयन सख्या:- एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15/-17
वर्ष : 06 अंक : 246
प्रयागराज, शनिवार,
6, जून, 2020
पृष्ठ – 8
मूल्य : 1 रुपये
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, लखनऊ एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी व मैनपुरी से प्रसारित

# मुविवि में पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबिनार आज

संवाददाता/प्रयागराज, ।कोविड –19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकताष विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शनिवार 6 जून को दोपहर 12रू00 बजे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा किया जा रहा है। वैश्विक महामारी के दौर में उत्पन्न संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्तमान में मीडिया के नैतिक दायित्व और मीडिया की जिम्मेदारियों पर पत्रकारिता क्षेत्र के विशिष्ट विद्वान अपने विचार व्यक्त करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह वेबिनार का उद्घाटन करेंगे। मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने होंगे तथा विशिष्ट अतिथि टीवी चौनल की प्रख्यात एंकर नवजोत रंध ाावा होंगी। मुख्य वक्ता पूर्व राज्यसभा सदस्य तथा पांचजन्य के पूर्व संपादक श्री तरुण विजय होंगे। आयोजन सचिव डॉ साधना श्रीवास्तव तथा वेबीनार संयोजक डॉ सतीश चंद्र जैसल ने बताया कि अभी तक 1200 प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।

प्रकाशन का 73वां वर्ष
स्वतंत्र भारत
LUCKNOW CITY |शनिवार |6 जून-2020

# मुविवि में पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबिनार आज

प्रयागराज। कोविड-१९ महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शनिवार ६ जून को दोपहर १२.०० बजे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा किया गया है। वैश्विक महामारी के दौर में उत्पन्न संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्तमान में मीडिया के नैतिक दायित्व और मीडिया की जिम्मेदारियों पर पत्रकारिता क्षेत्र के विशिष्ट विद्वान अपने विचार व्यक्त करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह वेबिनार का उद्घाटन करेंगे। मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने होंगे तथा विशिष्ट अतिथि टीवी चौनल की प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा होंगी। मुख्य वक्ता पूर्व राज्यसभा सदस्य तथा पांचजन्य के पूर्व संपादक तरुण विजय होंगे। आयोजन सचिव डा.साधना श्रीवास्तव तथा वेबीनार संयोजक डा. सतीश चंद्र जैसल ने बताया कि अभी तक १२०० प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।

अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# मुविवि में पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबिनार आज

प्रयागराज। कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शनिवार 6 जून को दोपहर 12 बजे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। वैश्विक महामारी के दौर में उत्पन्न संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्तमान में मीडिया के नैतिक दायित्व और मीडिया की जिम्मेदारियों पर पत्रकारिता क्षेत्र के विशिष्ट विद्वान अपने विचार व्यक्त करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह वेबिनार का उद्घाटन करेंगे। मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने होंगे तथा विशिष्ट अतिथि टीवी चैनल की प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा होंगी। मुख्य वक्ता पूर्व राज्यसभा सदस्य तथा पांचजन्य के पूर्व संपादक तरुण विजय होंगे। आयोजन सचिव डॉ साधना श्रीवास्तव तथा वेबीनार संयोजक डॉ सतीश चंद्र जैसल ने बताया कि अभी तक 1200 प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in
Email: thewomenexpress@gmail.com
Women Express tv
• वर्ष 8 • अंक 97 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली शनिवार 6 जून 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-1

# जीवन शैली में बदलाव से ही पर्यावरण संरक्षणः प्रोफेसर सिंह

**(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)**

**प्रयागराज।** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि आज संपूर्ण विश्व के सामने पर्यावरण, विकास, शांति एवं सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन आम बात है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण तकनीकी उपाय से नहीं बल्कि जीवनशैली में बदलाव लाकर ही किया जा सकता है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भारत में मत, मतांतर, बोली और भाषांतर होते हुए भी सभी को साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति और प्रकृति है। प्रकृति का संरक्षण और संपूर्ण पृथ्वी के जैविक एवं अजैविक तत्वों को परिवार का अंग मानना भारत की विलक्षणता है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और संस्कार को अपनाकर ही पर्यावरण संरक्षण संभव है। दुनिया को शांति एवं सुरक्षा, सद्भावना एवं पर्यावरण संरक्षण की गारंटी केवल भारत ही दे सकता है।

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण आज पर्यावरण असंतुलन बढ़ गया है। प्रोफेसर राय ने आज के समय में पंचतत्व छिति, जल, पावक, गगन, समीरा के संतुलन पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

प्रयागराज, शनिवार, 6 जून, 2020

# जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

फूटा कोरोना बम, पांच और आए नए मरीज- 11

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

कागजों पर हरियाली, सूख गये पौधे, चर गई बकरी- 12

Portal -jansandeshtimes.page

E-paper-jansandeshtimes.net



## कोरोना संकट, 'चीन-अमेरिका शीतयुद्ध'

सुनील गिरि

**प्रयागराज।** उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलसचिव डॉः अरुण कुमार गुप्ता ने जनसंदेश टाइम्स के संवाददाता सुनील गिरि से एक खास बातचीत के दौरान बताया कि प्रथम विश्व-युद्ध के बाद विश्व में शान्ति स्थापित करने के उद्देश्य से 'राष्ट्र-संघ' (लीग आफ नेशन्स) की स्थापना की गई। जिसके अंतर्गत राष्ट्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी, सामूहिक सुरक्षा प्रणाली के तहत 'राष्ट्र-संघ' को सौंपी गयी। परन्तु जब जापान और इटली ने क्रमशः मचुरिया और एबीसिनिया पर आक्रमण किया तो 'राष्ट्र-संघ' मूक दर्शक बना रहा। फ्रांस, ब्रिटेन और रूस अपने निहित स्वार्थों एवं राष्ट्र-हितों को देखते हुए उदासीन बने रहे। इस घटना ने जर्मनी को दुस्साहसी बना दिया और उसके वर्साय-सन्धि और 'राष्ट्र-संघ' के प्रावधानों की अवहेलना करते हुए, जो आक्रामक नीति अपनायी, उसका परिणाम द्वितीय विश्व-युद्ध के रूप में तब्दील हो गया।

ऐतिहासिक घटनाओं की कभी भी हू-बहू पुनरावृत्ति नहीं होती, लेकिन नवीन घटनाक्रमों में हम उनकी छवि देख सकते हैं और तद्नुसार सबक सीख सकते हैं कि जब अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभाती तो इससे 'अन्तर्राष्ट्रीय संकट' का जन्म होता है। कोविड-19 संकट के सन्दर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू.एच.ओ.) की भूमिका पर ऐसे ही प्रश्न उठ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन, 'संयुक्त राष्ट्र-संघ' का एक सहायक अभिकरण है। जिसका उद्देश्य पूरे विश्व को स्वास्थ्य सेवाओं एवं तत्सम्बधी समस्याओं की निगरानी एवं निवारण करना है। यह दुर्भाग्य का विषय है कि कोविड-19 संकट के सन्दर्भ में इसकी भूमिका संदेह के घेरे में है। विभिन्न देशों की आशंकाएं और तत्सम्बन्धी तथ्य यह इशारा कर रहें है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन के दबाव में आकर अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाया। सूत्रों के मुताबिक चीन में पहला कोरोना

डॉ. अरूण कुमार गुप्ता

संक्रमण का केस 17 नवम्बर 2019 को मिला और 22 जनवरी 2020 तक संक्रमितों की संख्या 500 हो गयी थी और 17 लोगों की मौत वुहान में कोरोना वायरस के चपेट में आने से हो चुकी थी।

23 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर जनरल डॉ. टेड्रास एडोनास गेब्रएसस ने जिनेवा में एक प्रेस क्रान्फेस में बोलते हुए कहा कि 'इस समय इसके कोई प्रमाण नहीं है कि चीन के बाहर यह मानव से मानव में फैल रहा है। उन्होंने वुहान में 'कोरोना संक्रमण' को ''वैश्विक आपात स्थिति'' मानने से इंकार कर दिया। जबकि इसी समय चीन ने संक्रमण की स्थिति देखते हुए वुहान में लॉक-डाउन की घोषणा कर दी थी। वहीं 30 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की आपात कालीन समिति की संस्तुति में डॉ. टेड्रास ने कहा कि 'कोरोना संक्रमण' चिंता का विषय है, लेकिन इससे निपटने के लिए कोई रणनीति या दिशा निर्देश जारी नहीं किए।

चीन ने जनवरी 2020 के अन्तिम सप्ताह में लॉकडाउन की घोषणा की और अप्रैल के प्रथम सप्ताह में संक्रमण में काबू पाते हुए लॉकडाउन उठा लिया। इसके बाद चीन में जन-जीवन सामान्य हो गया और सुरक्षा साधनों का प्रयोग करते हुए चीन ने आर्थिक गतिविधियां प्रारम्भ कर दी। वहीं अमेरिका एवं यूरोप समेत पूरे विश्व में कोविड-19 का कहर आज भी जारी है। पूरे विश्व में लगभग 63 लाख लोग संक्रमित है और लगभग 3.77 लाख लोगों की जान जा चुकी है। इससे सबसे ज्यादा अमेरिका में 18.60 लाख लोग प्रभावित हैं, जिससे लगभग एक लाख लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में भी लॉकडाउन-4 के बाद थोड़ा ढील देने पर संक्रमण की गति बढ़ी है। कोरोना संकट से प्रभावित सभी देशों का आर्थिक ढांचा चरमरा गया है, वहीं चीन ने इस संक्रमण से कमोबेश काबू पाकर अपनी आर्थिक गतिविधियां तेज कर दी है। इससे नाराज होकर विश्व के कई देशों ने चीन के विरूद्ध एक मोर्चा खोल दिया है तथा ढीले ढाले रूप में अमेरिका इस मोर्चे का नेतृत्व कर रहा है। इससे अमेरिका और चीन के बीच एक नये शीत युद्ध की शुरूआत हो गयी है।

### आर्थिक अनुदान पर रोक

अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए इस संगठन को दिये जाने वाले आर्थिक अनुदान पर रोक लगा दी है और संगठन पर चीन के प्रति तुष्टीकरण का आरोप भी लगाया। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह कोरोना वायरस चीन का 'जैविक हथियार' है, जिसे उसने अमेरिका समेत पूरे विश्व के विरूद्ध प्रयोग किया है। ट्रंप ने धमकी दी कि वह न केवल चीन से सम्बंध तो तोडेंगे बल्कि उससे आर्थिक हरजाना भी वसूलेंगे। चीन ने इन आरोपों का खण्डन करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन कोविड-19 से लड़ने में अपनी असफलता को छुपाने के लिए निराधार आरोप लगा रहा है। वास्तव में दोनों महाशक्तियों के सम्बंध कोविड-19 संकट के पूर्व से ही खराब चल रहे हैं। सितम्बर 2019 में अमरीकी सचिव क्रिस्टोफर फोर्ड ने कहा था कि चीन, अमेरिका के लिए ''सुरक्षा चुनौती'' पैदा कर रहा है। इस पर चीन ने प्रतिक्रिया व्यक्त करने हुए कहा था कि अमेरिका शीत-युद्ध की मानसिकता से कार्य कर रहा है।

### भारत में कई कंपनी करेंगे पूंजी निवेश

कोविड-19 चीन नयी आर्थिक शक्ति के रूप में अमेरिका को चुनौती दे रहा है। अतः अमेरिका कोविड-19 संकट को मुद्दा बनाकर, यूरोपीय, भारत समेत कई देशों का साथ लेकर चीन के विरूद्ध आर्थिक घेराबंदी करना चाह रहा है, ताकि चीन में स्थापित विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां सस्ते श्रम का मोह छोड़कर चीन से बाहर निकले। कई कम्पनियों ने तो चीन में निवेश छोड़कर भारत में पूंजी निवेश की इच्छा जाहिर की है। इससे चीन तिलमिला हुआ है।

### चीन के प्रति विश्व में गुस्सा

कोविड-19 संकट इन देशों के अलावा विश्व के कई देशों में चीन के प्रति गुस्सा बढ़ा है। अतः संभव है कि तृतीय विश्व के देश भविष्य में अपनी राष्ट्रीय नीति में परिवर्तन करके चीन के उत्पादों का कम प्रयोग करें। इससें चीन के आर्थिक हितों को नुकसान पहुँच सकता है।

### 'ताइवान को चीन की सम्प्रभुता से मुक्त किया जाय'

चीन के विरूद्ध विश्व जनमत का लाभ उठाते हुए चीन द्वारा शासित ताइवान और हांगकांग ने चीन से ज्यादा स्वतंत्राता की मांग की है। ताइवान की दूसरी बार निर्वाचित राष्ट्रपति साइ-इंग्ग वेन ने कहा कि 'अब समय आ गया है कि ताइवान को चीन की सम्प्रभुता से मुक्त किया जाय।' यद्यपि चीनी विदेश मंत्रालय ने ताइवान के इस दावे का जोरदार खण्डन करते हुए कहा कि चीन का एकीकरण एक एतिहासिक अनिवार्यता है। इधर हांगकांग में लोकतान्त्रिक आन्दोलन को कुचलने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ''राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम'' लागू कर दिया है। जुलाई 1997 में ब्रिटेन ने इस समझौते के तहत हांगकांग को चीन को सौपा था कि चीन ''एक राष्ट्र दो प्रणाली'' के सिद्धान्त का पालन करेगा और लगभग 50 वर्षो तक इसमें कोई परिवर्तन नही करेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम इस समझौता का खुला उल्लंघन है। इससे ब्रिटेन, अमेरिका समेत पश्चिमी देशों की नाराजगी चीन के प्रति बढ़ सकती है।

---

## एक नजर में

### संस्कृत महाविद्यालय के पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुरू

**इलिया ( चंदौली ) :** बरहुआ स्थित मृत्युंजय पांडेय संस्कृत महाविद्यालय में संचालित अध्ययन केंद्र उत्तर प्रदेश राजर्षि, टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) प्रयागराज की बीए, एमए सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया शुरू है। प्रबंधक चंद्रशेखर पांडेय ने कहा इस बार विश्वविद्यालय ने कोविड-19 व सीएए, जागरूकता पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश शुरू किए हैं। छात्र पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर महाविद्यालय आकर अपना प्रवेश करा सकते हैं। (जासं)

---

**अमृत विचार**

कोरोना उत्तराखंड देश विदेश कारोबार खेल साहित्य इतिहास मनोरंजन लाइफस्टाइल धर्म-संस्कृति

### बरेली: डिस्टेंस एजुकेशन से होगी सोशल डिस्टेंसिंग

By Amrit Vichar - June 5, 2020

**बरेली, अमृत विचार।** कोरोना वायरस के चलते पूरे देश में लॉकडाउन के कारण शैक्षणिक कार्य फिलहाल पूरी तरह बंद है जिसका सीधा असर शिक्षा व्यवस्था पर पड़ा है। कई जगह ऑनलाइन पढ़ाई कराई जा रही है लेकिन लॉकडाउन ने दूरस्थ शिक्षा के मौकों को प्रबल किया है।

इस पूरी परिस्थिति पर राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्याल प्रयागराज के क्षेत्रीय समन्वयक डॉक्टर आर.बी. सिंह का कहना है कि विश्वविद्यालय मे दाखिले शुरू हो चुके है। कुछ समय पहले यूजीसी ने एक कमेटी बैठाई थी जिसमे ये प्रस्ताव दिया गया था कि कोई भी छात्र एक साथ दो डिग्री हासिल कर सकता है, हालांकि अभी इस कमेटी की अंतिम रिपोर्ट नहीं आई है लेकिन लॉक डाउन के कारण अगर रेगुलर कोर्सेज के छात्रों की पढ़ाई पर असर पड़ा है तो वो चाहें तो उनके आगे डिस्टेंस एजुकेशन एक बेहतर विकल्प हो सकता है, लिहाजा छात्र चाहें तो दाखिला ले सकते हैं।

अचानक लगे लॉकडाउन की वजह से रूकी हुई परीक्षाओं के बारे मे उनका कहना है कि यह एक चुनौतीपूर्ण काम है जैसे-जैसे लॉकडाउन खुलेगा वैसे-वैसे परीक्षाओं को कराना और दूसरी प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाना बेहद जरूरी है। बरेली सेंटर पर अधिन्यास जमा करने के बारे मे उन्होंने कहा कि छात्रों को कोरियर के जरिए अधिन्यास जमा करने की सुविधा दी गई है, या फिर छात्र सेंटर पर भी अधिन्यास जमा कर सकते हैं।

यूनिवर्सिटी में शैक्षणिक कार्य शुरू होने पर उन्होंने कहा कि उनके रीजन में अभी तक तकरीबन 200 अधिन्यास जमा हो चुके हैं। शिक्षक ऑनलाइन क्लासेज भी ले रहे हैं। नए कोर्सेज के सवाल पर डॉक्टर आर.बी.सिंह ने कहा कि योगा के सर्टिफिकेट कोर्स में छात्र अच्छी खासी संख्या में प्रवेश ले रहे हैं। छात्रों को आने वाली दिक्कतों को दूर किया जा रहा है। छात्रों तक डाक के जरिए किताबें समय से पहुंच रही हैं, व्यवस्था में पहले से ज्यादा सुधार किया गया है।

---

## राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश शुरू

इलिया (जीएसटी न्यूज)। मृत्युंजय पांडेय संस्कृत महाविद्यालय बरहुआ में संचालित अध्ययन केंद्र उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के बीए, एमए सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रबंधक चंद्रशेखर पांडेय ने बताया कि इस बार से विश्वविद्यालय ने कोविड 19 व सीएए में जगरुकता पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश शुरू हो गया है। छात्र पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर महाविद्यालय आकर अपना प्रवेश करा सकते हैं। बताया कि स्नातक व परास्नातक द्वितीय व तृतीय वर्ष में भी प्रवेश की प्रक्रिया शुरू है। छात्र 15 जून तक एसाइनमेंट कापी जमा कर सकते हैं।

---

## ऑनलाइन प्रवेश आरंभ किया

**नोएडा।** उत्तरप्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय ने सभी 1088 अध्ययन केन्द्रों में सत्र जुलाई 2020 21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू की है। विश्वविद्यालय के नोएडा क्षेत्र की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि नोएडा क्षेत्र के सभी 25 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश आरंभ हो चुके हैं।

www.anandimail.in

# आनंदी मेल

| शनिवार | 6 जून-2020

## पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक

### विश्व पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

प्रयागराज,विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को ष्भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षणष् विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस सी राय ने पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता बताई । उन्होंने कहा कि सर्वाधिक आक्सीजन देने वाले पेड़ बरगद, नीम, पीपल की आज विशेष संरक्षण देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते हुए शहरीकरण के कारण आज पर्यावरण असंतुलन बढ़ गया है। प्रोफेसर राय ने आज के समय में पंचतत्व छिति, जल, पावक, गगन, समीरा के संतुलन पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय वेबीनार की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

दैनिक जागरण

inext

## यूपीआरटीयू में ऑनलाइन एडमिशन का आगाज

prayagraj@inext.co.in

**यूनिवर्सिटी के कुलपति ने ऑनलाइन प्रवेश की शुरुआत की**

**PRAYAGRAJ (5 June):** राजर्षि टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश की शुरुआत की. प्रो. सिंह ने प्रवेश के लिए यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर एडमिशन पोर्टल को सेशन जुलाई 2020-21 को लांच किया. कोविड 19 की महामारी को देखते हुए प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केन्द्रों प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, आजमगढ़, लखनऊ, बरेली तथा नोएडा केन्द्र पर ऑन लाइन प्रवेश प्रक्रिया एक साथ शुरू की.

### 105 केन्द्रों पर मनपसंद कार्यक्रम में कर सकते हैं आवेदन

प्रवेश पोर्टल लांच करने के मौके पर कुलपति ने बताया कि भले ही प्रदेश में फैले 1088 केन्द्रों पर आज से प्रवेश शुरू हो गया है. लेकिन प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी घर बैठे 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. एमसीए, एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्यक्रम पहले ही जारी किया जा चुका है. बीएड एवं बीएड विशिष्ट शिक्षा की प्रवेश परीक्षा 12 जून को प्रस्तावित है. इसके साथ ही अन्य कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है.

आज

website : www.ajhindidaily.com www.ajhindidaily.in

योगी ने जन्मदिनपर किया पौधरोपण

## मुविवि में पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबिनार आज

कोविड -१९ महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन शनिवार को दोपहर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा किया जा रहा है। वैश्विक महामारी के दौर में उत्पन्न संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्तमान में मीडिया के नैतिक दायित्व और मीडिया की जिम्मेदारियों पर पत्रकारिता क्षेत्र के विशिष्ट विद्वान अपने विचार व्यक्त करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह वेबिनार का उद्घाटन करेंगे। मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने होंगे तथा विशिष्ट अतिथि टीवी चैनल की प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा होंगी। मुख्य वक्ता पूर्व राज्यसभा सदस्य तथा पांचजन्य के पूर्व संपादक श्री तरुण विजय होंगे। आयोजन सचिव डॉ साधना श्रीवास्तव तथा वेबिनार संयोजक डॉ सतीश चंद्र जैसल ने बताया कि अभी तक १२०० प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।

दैनिक जागरण

inext

### CITY BRIEFS

#### राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ता रखेंगे विचार

**PRAYAGRAJ:** कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषय पर यूपीआरटीयू में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन 6 जून को किया जाएगा. इस मौके पर वैश्विक महामारी के दौर में उत्पन्न संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्तमान में मीडिया के नैतिक दायित्व और मीडिया की जिम्मेदारियों पर एक्सपर्ट्स अपने विचार रखेंगे. कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह वेबिनार का उद्घाटन करेंगे. चीफ गेस्ट माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने होंगे. विशिष्ट अतिथि टीवी चैनल की प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा होंगी. मुख्य वक्ता पूर्व राज्यसभा सदस्य तथा पांचजन्य के पूर्व संपादक श्री तरुण विजय होंगे.

**Aag Gorakhpur**

Page 1 ▾ 06-Jun-2020

روزنامہ آگ

اخبار آپ کا

URDU DAILY AAG GORAKHPUR www.dailyaag.com

Gorakhpur 06 June, 2020 Saturday, Pages (8) Price Rs. 3.00, Issue (03) Volume (11)

## 'کووڈ-19 وبا کے دوران میڈیا کی ذمہ داری' پر ویبینار آج

پریاگ راج (نامہ نگار)۔ کووڈ-19 وبا کے دوران میڈیا کی ذمہ داری موضوع پر قومی ویبینار کا انعقاد سنیچر ۶ جون کو دوپہر ۱۲ بجے سے اتر پردیش راج رشی ٹنڈن یونیورسٹی پریاگ راج میں کیا جا رہا ہے۔ عالمی وبا کے دور میں پیدا مصیبت کی سنجیدگی کو دیکھتے ہوئے موجودہ وقت میں میڈیا کے اخلاقی فرائض اور میڈیا کی ذمہ داریوں پر صحافتی میدان کے باوقار عالم اپنے خیالات کا اظہار کریں گے۔

یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر کامیشور ناتھ سنگھ ویبینار کا افتتاح کریں گے۔ مہمان خصوصی ماکھن لال چترویدی قومی صحافت یونیورسٹی بھوپال کے سابق وائس چانسلر جگدیش اپاسنے ہوں گے اور مہمان ذی وقار ٹی وی چینل کی مشہور اینکر نوجیت رندھاوا ہوں گی۔ اہم مقرر سابق رکن راجیہ سبھا اور پانچ جنیہ کے سابق مدیر ترن وجے ہوں گے۔ پروگرام کے سکریٹری ڈاکٹر سادھنا شریواستو اور ویبینار کے کنوینر ڈاکٹر ستیش چندر جیسل نے بتایا کہ ابھی تک ۱۲۰۰ شرکت کنندگان نے اپنا رجسٹریشن کرایا ہے۔

# मुक्त चिंतन

## उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

*हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां*

06 जून, 2020


# मुविवि में कोविड–19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

मा0 कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी

## लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में दिनांक 06 जून, 2020 को **"कोविड–19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता"** विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय वेबिनार के मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ0 जगदीश उपासने जी तथा विशिष्ट अतिथि टीवी चैनल की प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा जी रही। मुख्य वक्ता पूर्व राज्य सभा सदस्य तथा पांचजन्य के पूर्व संपादक डॉ0 तरूण विजय जी रहे। राष्ट्रीय वेबिनार का उद्घाटन एवं अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के मा0 कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी ने की।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉक्टर दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉक्टर अनिल पांडे, डॉक्टर नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉक्टर योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

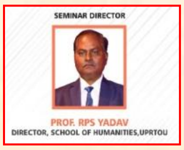

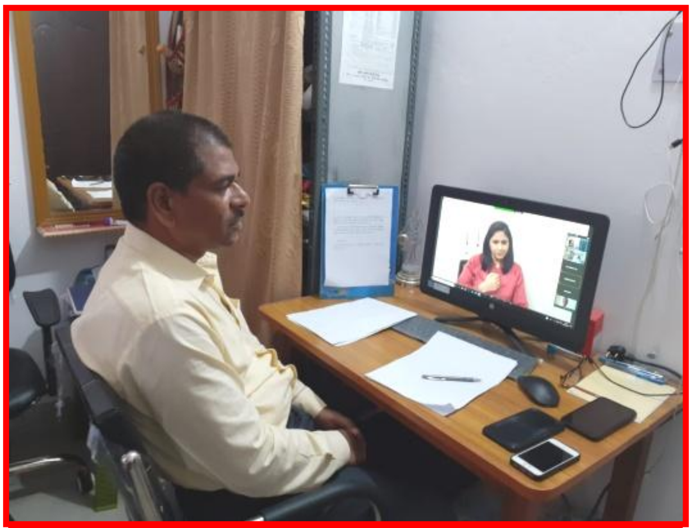

अतिथियों का स्वागत तथा संचालन करते हुए डॉ सतीश चंद्र जैसल

विषय प्रवर्तन करती हुई डॉ साधना श्रीवास्तव

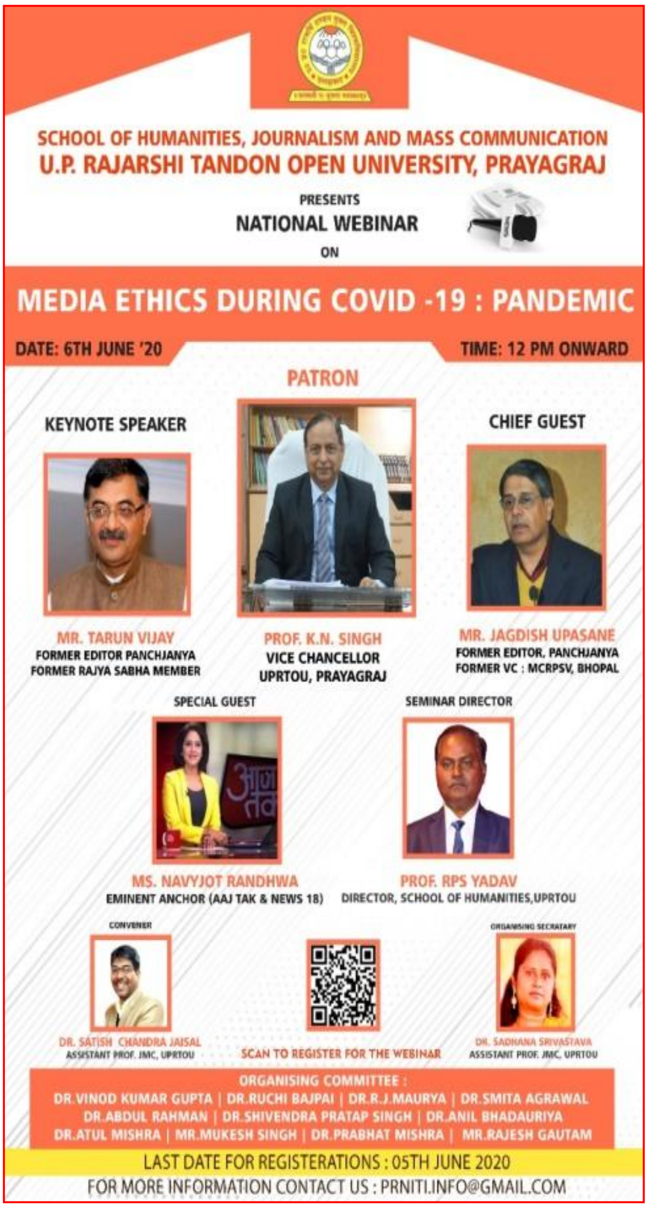

*अपने विचार व्यक्त करते हुए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह*

## लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता" विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

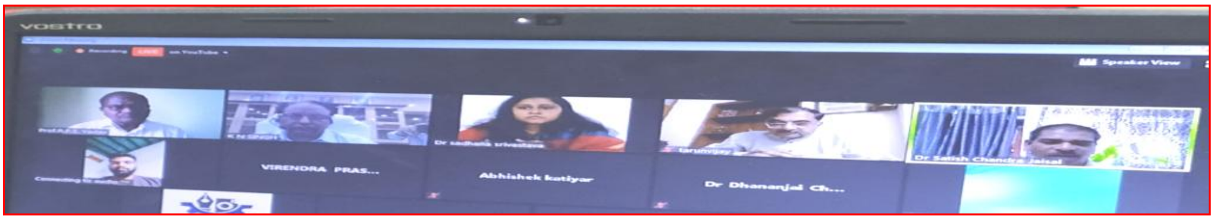

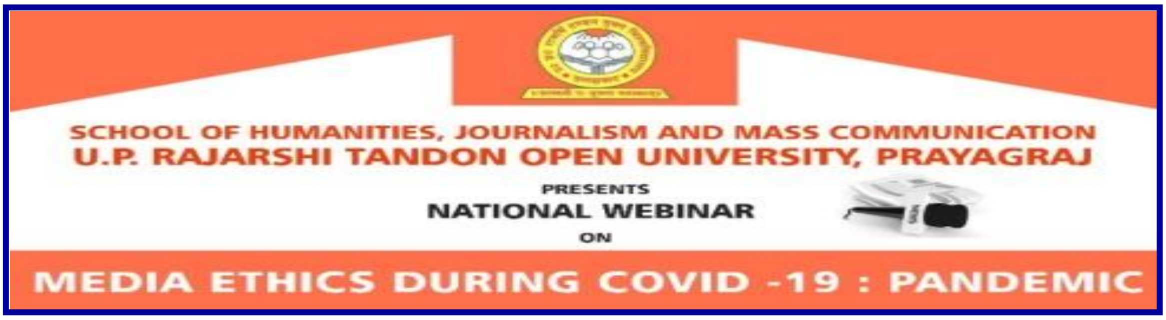

*अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति डॉ0 जगदीश उपासने*

## भारतीय हितों का संरक्षण मीडिया का नैतिक दायित्व – जगदीश उपासने

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति डॉ0 जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज़ और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।

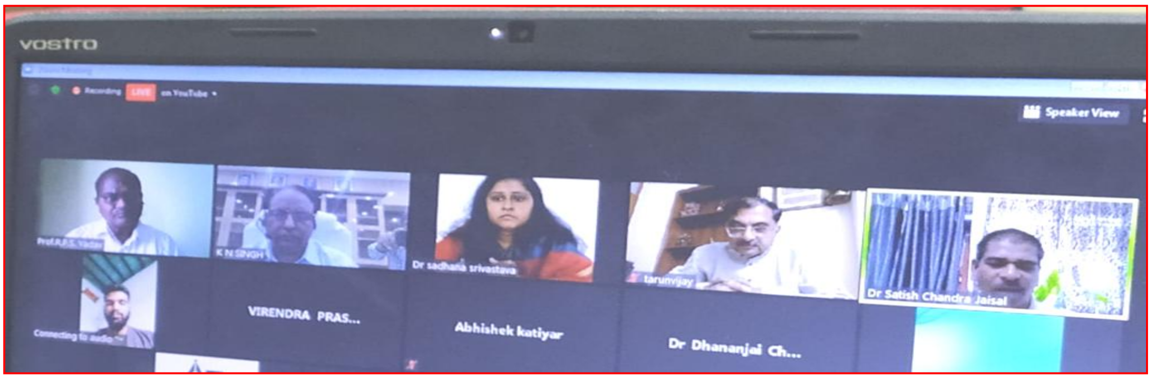

SCHOOL OF HUMANITIES, JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION
U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ

PRESENTS

NATIONAL WEBINAR

ON

## MEDIA ETHICS DURING COVID -19 : PANDEMIC

*अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय*

### सही तथ्यों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य– तरुण विजय

नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा।

श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

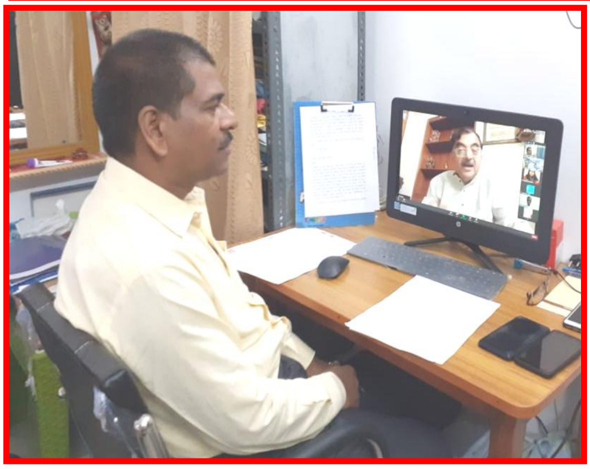

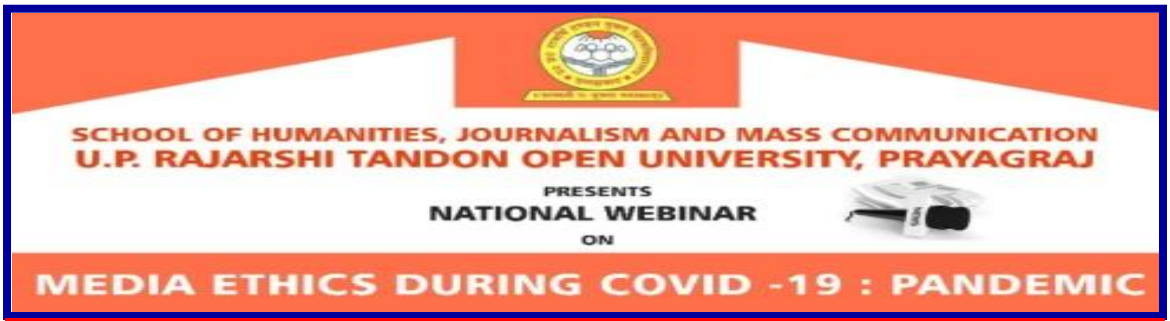

*अपने विचार व्यक्त करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा*

## शब्दों के चयन एवं भाषा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता– नवजोत

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।

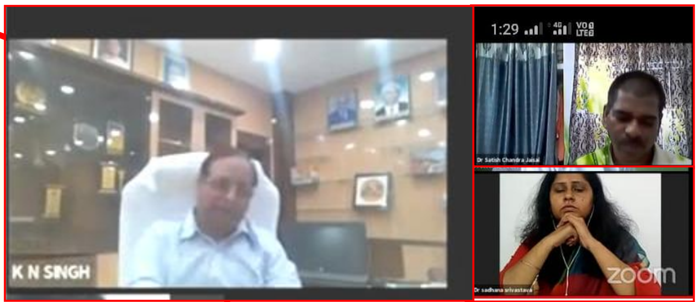


धन्यवाद ज्ञापन करते हुए मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव

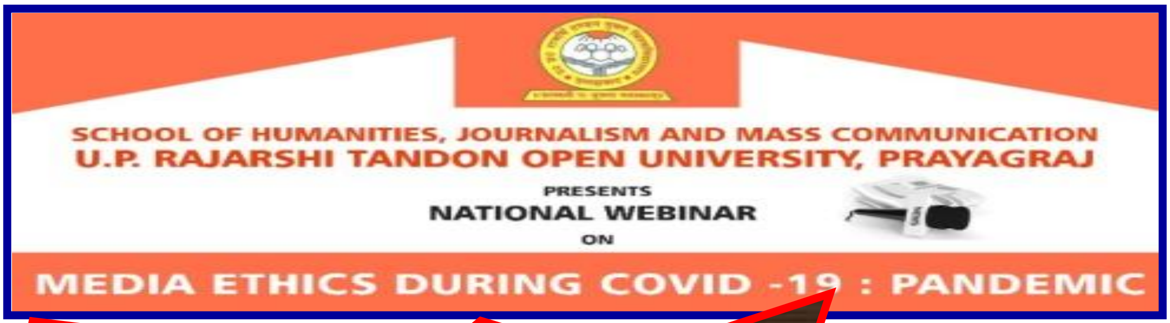


# कार्यक्रम की कुछ अन्य झलकियां

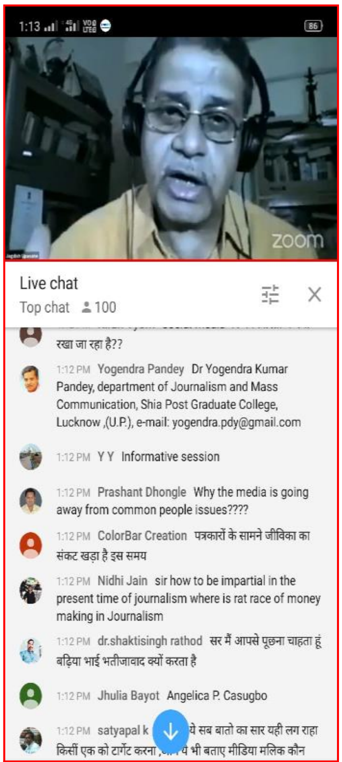


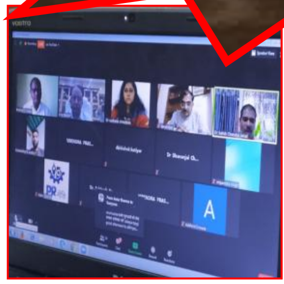

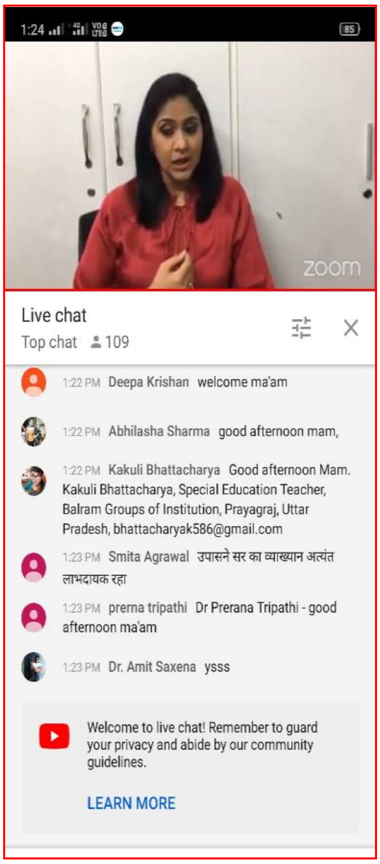

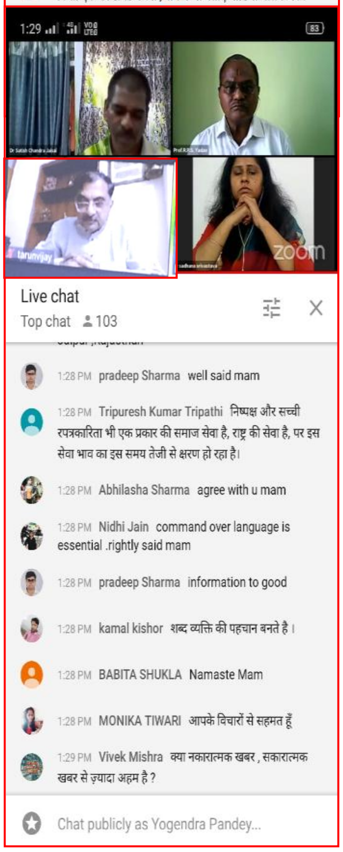


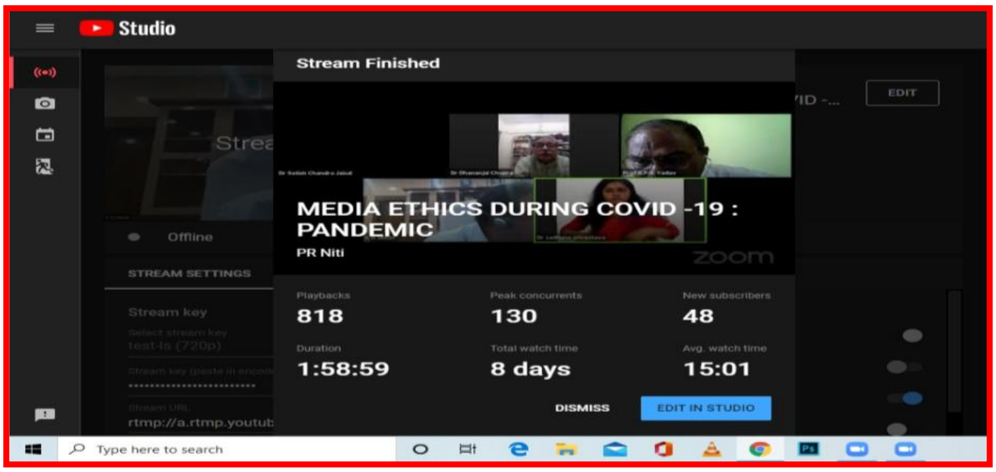

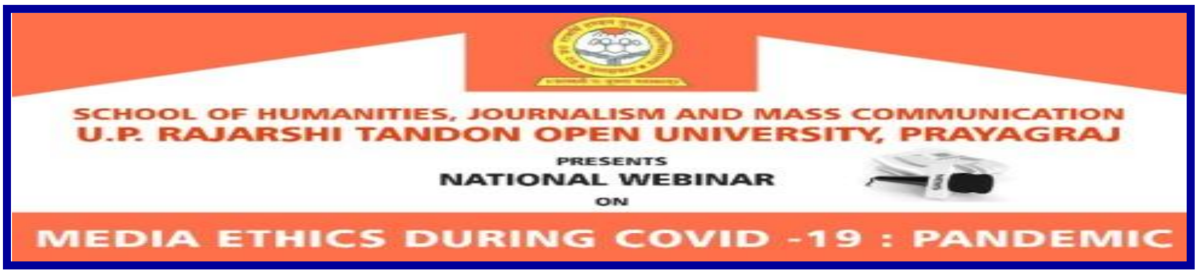


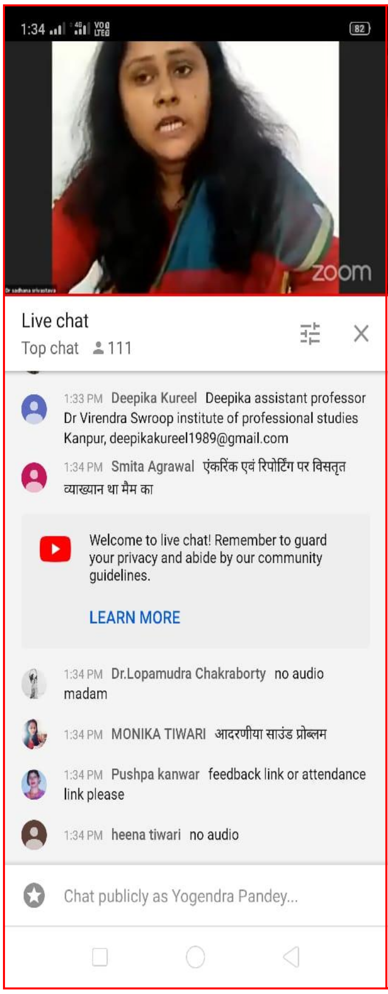


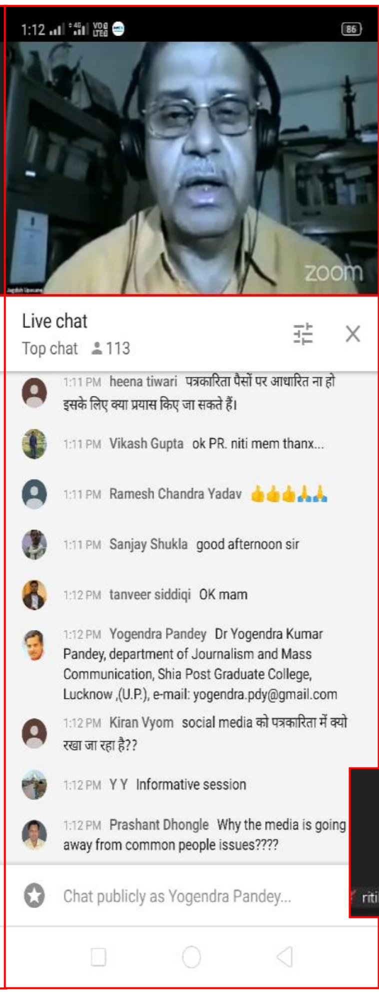

*कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह*

COVERAGE INDIA
खबर पल - पल की



# मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

1 min read

1 hour ago  Coverage India

**कुलदीप शुक्ला, कवरेज इण्डिया न्यूज़ डेस्क प्रयागराज।**

पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता" विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज़ और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।

नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा।

श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया।

वेबीनार में डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

Vol. 12
Issue 331
Daily
pages - 8
Rs. 1.00
Morning
Edition
Prayagraj

PRAYAGRAJ SUNDAY, 7 JUNE 2020 WEBSITE : www.jeevanexpress.in RNI NO.- UPENG/2008/25430

JEEVAN EXPRESS

WORLD EDITORIAL SPORT

# National webinar organized on journalism in Open University

***STAFF REPORTER***

PRAYAGRAJ : The objective of journalism is to spread information and awareness in the society as well as to develop the spirit of Lokmangal. Only the spirit of Lokmangal can protect the morality of media. Journalism has been a means of public interest and awareness since time immemorial, the tenacity and truth of the media.

The above quote was expressed by the Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Professor Kameshwar Nath Singh in a national webinar on "Ethics of Media during Covid-19 Pandemic" organized by the Open University. Expressing concern over the bitterness and mistrust being spread in the society mainly by social media, Prof Singh said that this situation is definitely fatal to the society and the country. He said that this can be resolved only with the spirit of Lokmangal, which is necessary for the media in today's era. Prof Singh praised the role of journalists in the Corona era, advising that they should pay attention to the factual correctness of the news and avoid sensational headlines. He said that during the freedom movement, the journalism profession started from the mission has also moved ahead.

Chief Guest Makhanlal Chaturvedi National Journalism University, former Vice Chancellor Shri Jagdish Upasane expressed his views in the webinar and said that media work is not just to give information but to awaken and inspire the society. Preservation of values ??and promotion of the interests of India is the moral responsibility of the media. He said that at present lies, fake news and misleading news coming on social media is a matter of concern. Society and country cannot be put in jeopardy in the name of freedom of expression. Media has been discharging responsibilities and duties towards the society from the beginning.

Earlier, in the era of independence, during the plague epidemic and emergency crisis, the media performed its responsibility well. The media has seen many ups and downs. The role of vigilant young journalists is important in the period the media is going through at present.

Former editor of Panchjanya, the keynote speaker at the National Webinar, and Mr. Tarun Vijay, Rajya Sabha MP said that for the safety, security and interest of India, Indianness and Indian people it is necessary that the media do not disseminate unilateral news. He interpreted journalism as the religion of the pen and the iniquity of the pen. He said that journalism run by Indian mind and Indian money is the religion of pen whereas he called journalism run by foreign mind and foreign money. Shri Vijay said that it is the work of media to save communal harmony and society from breaking up. The defense of Indian constitution and law is the religion of media. Exposing the right and good things is the main function of the media. Young journalists have to avoid extremism and have balanced journalism. Distinguished guest noted anchor Navjot Randhawa posed the challenges of electronic media. He said that journalists should pay special attention to the selection of language and words for communicating the news. He gave useful suggestions about the technique of reporting in times of Corona crisis. Earlier, guests were welcomed and handled by Dr. Satish Chandra Jaisal and Dr. Sadhana Srivastava, the subject enforcement. Dr. Dhananjay Chopra, Dr. Digvijay Singh Rathore, Dr. Sunil Kumar, Dr. Neeraj Sachan, Dr. Anil Pandey, Dr. Nalini Singh, Prashant Kumar, Meraj and Dr. Yogendra Pandey etc. participated in the webinar. In this successful webinar of journalism, nearly 12 hundred participants were connected online. The vote of thanks was given by Professor RPS Yadav, Director, Humanities Education Branch.

आज

website : www.ajhindidaily.com 100 www.ajhindidaily.in

प्रयागराज, रविवार ७ जून, २०२०

# लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता–प्रो. सिंह

पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर है। प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। यह विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वरनाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोविड -१९ महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता' विषयक राष्ट्रीय वेबिनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। उन्होंने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए।

मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे है। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है। नेशनल वेबिनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्यायित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डा. सतीशचंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डा. साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबिनार में डा. धनंजय चोपड़ा, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. सुनील कुमार, डा. नीरज सचान, डा. अनिल पांडये, डा. नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डा. योगेंद्र पांडेय आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब १२ सौ प्रतिभागी आनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रो. आरपीएस यादव ने किया।

UP PLUS

For advertisement Please Contact Us: UP PLUS

Breaking News State News

# Media ethics from the spirit of Lokmangal-Professor Singh

Prayagraj. the objective of journalism is to spread information and awareness in the society as well as to develop the spirit of Lokmangal. Only the spirit of Lokmangal can protect the morality of media. Journalism has been a means of public interest and awareness since time immemorial, the tenacity and truth of the media.

The above quote was expressed by the Vice Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Professor Kameshwar Nath Singh in a national webinar on "Ethics of Media during Kovid-19 Pandemic" organized by the Open University. Expressing concern over the bitterness and mistrust being spread in the society mainly by social media, Prof Singh said that this situation is definitely fatal to the society and the country. He said that this can be resolved only with the spirit of Lokmangal, which is necessary for the media in today's era. Prof Singh praised the role of journalists in the Corona era, advising that they should pay attention to the factual correctness of the news and avoid sensational headlines. He said that during the freedom movement, the journalism profession started from the mission has also moved ahead.

Chief Guest Makhanlal Chaturvedi National Journalism University, former Vice Chancellor Shri Jagdish Upasane expressed his views in the webinar and said that media work is not just to give information but to awaken and inspire the society. Preservation of values and promotion of the interests of India is the moral responsibility of the media. He said that at present lies, fake news and misleading news coming on social media is a matter of concern. Society and country cannot be put in jeopardy in the name of freedom of expression. Media has been discharging responsibilities and duties towards the society from the beginning.

Earlier, in the era of independence, during the plague epidemic and emergency crisis, the media performed its responsibility well. The media has seen many ups and downs. The role of vigilant young journalists is important in the period the media is going through at present.

Former editor of Panchjanya, the keynote speaker at the National Webinar, and Mr. Tarun Vijay, Rajya Sabha MP said that for the safety, security and interest of India, Indianness and Indian people it is necessary that the media do not disseminate unilateral news. He interpreted journalism as the religion of the pen and the iniquity of the pen. He said that journalism run by Indian mind and Indian money is the religion of pen whereas he called journalism run by foreign mind and foreign money.

Shri Vijay said that it is the work of media to save communal harmony and society from breaking up. The defense of Indian constitution and law is the religion of media. Exposing the right and good things is the main function of the media. Young journalists have to avoid extremism and have balanced journalism.

Distinguished guest noted anchor Navjot Randhawa posed the challenges of electronic media. He said that journalists should pay special attention to the selection of language and words for communicating the news. He gave useful suggestions about the technique of reporting in times of Corona crisis.

Earlier, guests were welcomed and handled by Dr. Satish Chandra Jaisal and Dr. Sadhana Srivastava, the subject enforcement.

Dr. Dhananjay Chopra, Dr. Digvijay Singh Rathore, Dr. Sunil Kumar, Dr. Neeraj Sachan, Dr. Anil Pandey, Dr. Nalini Singh, Prashant Kumar, Meraj and Dr. Yogendra Pandey etc. participated in the webinar. In this successful webinar of journalism, around 1200 participants were connected online. The vote of thanks was given by Professor RPS Yadav, Director, Humanities Education Branch.

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष 11, वर्ष 9, अंक 50, पृष्ठ 12, मूल्य 3.00

प्रयागराज, रविवार, 7 जून, 2020

# जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

वन विभाग की टीम ने छापेमारी कर बरामद किया लकड़ियों का जखीरा- 11

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए आराधना को तैयार हो रहे मंदिर- 14



## मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

संबोधित करते कुलपति

**नैनी ।** पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ₹कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता₹ विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। वहीं मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है। वहीं मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक व राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें न प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या किया। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत व संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल और विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडेय, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज व डॉ योगेंद्र पांडेय मौजूद रहे। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

## Aag Gorakhpur

Page 1 ▾ 07-Jun-2020

روزنامہ آگ

اخبار آپ کا

URDU DAILY AAG GORAKHPUR www.dailyaag.com

Gorakhpur 07 June, 2020 Sunday, Pages (8+4) Price Rs. 3.00, Issue (04) Volume (11)

R.N.I.No.UPURD/2010/35463

ماحولیاتی آلودگی

ماحولیاتی آلودگی

## عوامی جذبات سے ہی میڈیا کے اخلاقیات کا تحفظ ممکن: پروفیسر سنگھ

پریاگ راج (نامہ نگار)۔ صحافت کا مقصد سماج میں خبریں اور بیداری پھیلانے کے ساتھ ساتھ عوامی جذبات کی ترقی کرنا ہے۔ عوامی جذبات ہی میڈیا کے اخلاقیات کا تحفظ کرسکتی ہے۔ میڈیا کی مضبوطی اور سچائی سماج کیلئے فائدہ مند ہے۔ زمانہ قدیم سے ہی صحافت عوامی بھلائی اور بیداری کا ذریعہ رہی ہے۔ مذکورہ خیالات اترپردیش راج رشی ٹنڈن یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر کامیشور ناتھ سنگھ نے یونیورسٹی کے ذریعہ منعقد 'کووڈ-19 وبا کے دوران میڈیا کی اخلاقیات' موضوع پر قومی ویبینار میں ظاہر کئے۔ پروفیسر سنگھ نے خاص طور سے سوشل میڈیا کے ذریعہ سماج میں پھیلائی جا رہی کڑواہٹ اور عدم اطمینان پر تشویش کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ یہ حالت یقینی طور پر سماج کی بھلائی اور ملک کی بھلائی کیلئے مضر ہے۔ انہوں نے کہا کہ اس کا حل عوامی جذبات سے ہی کیا جاسکتا ہے جو آج کے دور میں میڈیا کیلئے ضروری ہے۔

پروفیسر سنگھ نے کورونا کے دور میں صحافیوں کے کردار کی تعریف کرتے ہوئے کہا کہ انہیں خبروں کی سچائی پر توجہ دینا چاہئے اور سنسنی خیز ہیڈلائن سے بچنا چاہئے۔ انہوں نے کہا کہ جنگ آزادی کے دوران مشن سے شروع ہوئی صحافت پروفیشن سے بھی آگے بڑھ چکی ہے۔ مہمان خصوصی ماکھن لال چترویدی قومی صحافت یونیورسٹی بھوپال کے سابق وائس چانسلر جگدیش اپاسنے نے ویبینار میں اپنے خیالات کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ میڈیا کا کام صرف خبریں دینا نہیں ہے بلکہ سماج کو جگانا اور راغب کرنا ہے۔ اقتدار کا تحفظ اور ملک کے مفاد کو بڑھانا میں میڈیا کا اخلاقی فریضہ ہے۔ انہوں نے کہا کہ موجودہ وقت میں جھوٹ، غلط خبر اور سوشل میڈیا پر آرہی گمراہ کن خبریں باعث تشویش ہیں۔

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

DAVP से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

# सदभावना का प्रतीक

वर्ष -10, अंक 35 बस्ती, रविवार 7 जून 2020, पृष्ठ - 8, मूल्य - 1.50 R.N.I. No. : UPHI

## मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

# लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह

**सदभावना का प्रतीक समाचार प्रतापगढ।**

6 जून 2020 को पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता" विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा।

विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।उक्त जानकारी जारी विज्ञप्ति में डॉ प्रभात चंद्र मित्र मीडिया प्रभारी ने दी है।

ई ए

हिन्दी दैनिक

# इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार ...

वर्ष : 11 अंक : 67, प्रयागराज, रविवार 07 जून 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

कोरोना | देश में मरीजों की संख्या 236657 | मृतकों की संख्या 6642 | ठीक हुये मरीज 114073



# भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व : जगदीश उपासने

**प्रयागराज (हि.स.)।** मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।

यह बातें मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने शनिवार को मुक्त विवि द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी के दौरान 'मीडिया की नैतिकता' विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है। इससे पूर्व भी आजादी के दौर में प्लेग महामारी के समय तथा आपातकाल के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।

**भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म: तरूण विजय**

मुख्य वक्ता पांचजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्यायित किया। कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन

द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

**लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता : कुलपति**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। यही भावना ही मीडिया के नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उन्होंने सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज तथा देश हित के लिए घातक है। इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। उन्होंने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफकरते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा।

कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ. सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ. साधना श्रीवास्तव ने किया। वेबीनार में डॉ.धनंजय चोपड़ा, डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ.सुनील कुमार, डॉ.नीरज सचान, डॉ.अनिल पांडे, डॉ.नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ.योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया।

# अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 05:12 बजे
सूर्यास्त : 06:56 बजे

वर्ष : 42 | अंक : 161 | प्रयागराज, रविवार 07 जून, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये | जोकोविच ने स्वास्थ्य


## लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता : प्रो. सिंह

### मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार

**(काशी प्रसाद जायसवाल)**

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है। मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट मे नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है। इससे पूर्व भी आजादी के दौर मे, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे है। वर्तमान मे मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमे सजग युवा पत्रकारो की भूमिका अहम है।

नेशनल वेबीनार मे मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरे ना प्रसारित करे। उन्होने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्यायित किया। उन्होने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारो को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होने कहा कि खबरो के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दो के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे मे उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियो का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार मे डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार मे करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

---


# वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

अंक 98 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली सोमवार 8 जून 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रुपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19


## लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकताः कुलपति

### मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

**(विनोद मिश्रा/वूमेन एक्सप्रेस)**

**प्रयागराज।** पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथसाथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित «कोविड 19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता» विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है। मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व

कुलपति जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतारचढ़ाव देखे है। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।

नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें न प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे।

रविवारीय

लखनऊ
रविवार, 7 जून 2020 ई.
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष 15
सं. 2077 वि.

epaper: swatantrabharat.net

# स्वतंत्र भारत

प्रकाशन का 73वां वर्ष

लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष 73 अंक 288 नगर संस्करण पृष्ठ 16 मूल्य 3.00 रुपये

## मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

# लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता:प्रो. सिंह

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उक्त बातें आज यहां उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कोविड-१९ महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता' विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए।

प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।

मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है।

नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पां्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्यायित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डा.सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डा.साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डा. ६ ानंजय चोपड़ा, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा.सुनील कुमार, डा.नीरज सचान, डा.अनिल पांडे, डा. नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डा. योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब १२ सौ प्रतिभागी आनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

1991-2019
29 वां
रजत जयंती वर्ष
प्रयागराज, वर्ष 29
अंक 271 रविवार
07 जून, 2020
पृष्ठ 12 ₹4.00

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र
# स्वतंत्र चेतना
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

www.swatantrachetnanews.com
गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

सुनील ग्रोवर के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं कपिल शर्मा
कोरोना काल के बाद अब वर्चुअल राजनीति होगी: रविशंकर प्रसाद

## लोक मंगल की भावना की मीडिया की नैतिकता–प्रो. सिंह

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोक मंगल की भावना का विकास करना है। लोक मंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही। यह बात राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विवि द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता विषयक राष्ट्रीय बेबिनार का शुभारंभ करते हुए कही।

प्रो. सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाये जा रहे कटुता अंध विश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति समाज के लिए घातक है। इसका समाधान लोक मंगल की भावना से किया जा सकता है जो आज की

### मुक्त विवि में पत्रकारिता पर हुआ राष्ट्रीय बेबिनार का आयोजन

दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रो. सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारो की भूमिका की सराहना करते हुए खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनी खेद हेडलाइन से बचना चाहिए और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोसेशन से आगे बढ़ चली। इस अवसर पर मानखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के कुलपति ने कहा कि मीडिया का काम सूचना देना नहीं बल्कि समाज को जगाने एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संरक्षण मीडिया का नैतिक दायित्व है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। इस अवसर पर सांसद तरुण विजय, नवजोत रनधावा, डा. सतीश जैसल, डा. साधना श्रीवास्तव, धनंजय चोपड़ा, सुनील कुमार, डा. नीरज सचान, डा. नंदिनी सिंह, डा. योगेन्द्र पाण्डेय ने अपने विचार रखे। बेबिनार में लगभग 1200 प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे।

---

# लोकमित्र

प्रतापगढ़ | रविवार | 7 जून-2020

## लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता- प्रोफेसर सिंह

### मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्टीय वेबीनार का आयोजन

लोकमित्र ब्युरो,

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ-साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती हैं। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है।उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित -कोविड -19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकता- विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है।मुख्य अतिथि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज़ और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है। इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है।नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का धर्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अधर्म कहा। श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रानिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के सप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए।इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डॉ धनंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

# दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, सोमवार , 08 मई 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

दैनिक कर्मठ


# लोकमंगल की भावना से ही मीडिया की नैतिकता-कुलपति

## ● मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ पत्रकारिता पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

प्रयागराज। पत्रकारिता का उद्देश्य समाज मे सूचना एवं जागरूकता फैलाने के साथ–साथ लोकमंगल की भावना का विकास करना है। लोकमंगल की भावना ही मीडिया की नैतिकता की रक्षा कर सकती है। मीडिया की दृढ़ता और सत्यता समाज के लिए हितकर प्राचीन काल से ही पत्रकारिता जनहित और जागरूकता का साधन रही है। उक्त उदगार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ष्कोविड –19 महामारी के दौरान मीडिया की नैतिकताष् विषयक राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह ने मुख्य रूप से सोशल मीडिया द्वारा समाज में फैलाए जा रहे कटुता एवं अविश्वास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति निश्चित तौर पर समाज हित तथा देश हित के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि इसका समाधान लोकमंगल की भावना से ही किया जा सकता है, जो आज के दौर में मीडिया के लिए आवश्यक है। प्रोफेसर सिंह ने कोरोना काल में पत्रकारों की भूमिका की तारीफ करते हुए नसीहत दी कि उन्हें खबरों की तथ्यात्मक शुद्धता पर ध्यान देना चाहिए और सनसनीखेज हेडलाइन से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मिशन से शुरू हुई पत्रकारिता प्रोफेशन से भी आगे बढ़ चली है। मुख्य अतिथि माखनलाल

चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल के पूर्व कुलपति श्री जगदीश उपासने ने वेबीनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया का काम सिर्फ सूचना देना नहीं है बल्कि समाज को जागृत एवं प्रेरित करना है। मूल्यों का संरक्षण एवं भारत के हितों का संवर्धन मीडिया का नैतिक दायित्व है।उन्होंने कहा कि वर्तमान में झूठ, फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर आ रही भ्रामक खबरें चिंता का विषय है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज और देश को संकट में नहीं डाला जा सकता। समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निर्वहन मीडिया प्रारंभ से करती आई है। इससे पूर्व भी आजादी के दौर में, प्लेग की महामारी के समय तथा आपातकाल के संकट के समय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मीडिया ने अनेक उतार–चढ़ाव देखे हैं। वर्तमान में मीडिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें सजग युवा पत्रकारों की भूमिका अहम है। नेशनल वेबीनार में मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तथा राज्यसभा सांसद श्री तरुण विजय ने कहा कि भारत, भारतीयता और भारतीय जन की रक्षा, सुरक्षा और हित के लिए आवश्यक है कि मीडिया एक पक्षीय खबरें ना प्रसारित करें। उन्होंने पत्रकारिता को कलम का ध र्म एवं कलम के अधर्म के रूप में व्याख्या यित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय मन एवं भारतीय धन के द्वारा संचालित होने वाली पत्रकारिता कलम का धर्म है जबकि विदेशी मन एवं विदेशी धन द्वारा चलने वाली पत्रकारिता को उन्होंने कलम का अ र्म कहा। श्री विजय ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द एवं समाज को टूटने से बचाने का कार्य मीडिया का है। भारतीय संविधान और कानून की रक्षा ही मीडिया का धर्म है। सही और अच्छी बातों को सामने लाना मीडिया का प्रमुख कार्य है। युवा पत्रकारों को अतिवाद से बचना होगा और संतुलित पत्रकारिता करनी होगी। विशिष्ट अतिथि प्रख्यात एंकर नवजोत रंधावा ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां को सामने रखा। उन्होंने कहा कि खबरों के संप्रेषण के लिए भाषा एवं शब्दों के चयन पर पत्रकारों को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कोरोना संकट के समय रिपोर्टिंग की तकनीक के बारे में उपयोगी सुझाव दिए। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत तथा संचालन डॉ सतीश चंद्र जैसल तथा विषय प्रवर्तन डॉ साधना श्रीवास्तव ने किया ने किया। वेबीनार में डॉ ध नंजय चोपड़ा, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉक्टर सुनील कुमार, डॉ नीरज सचान, डॉ अनिल पांडे, डॉ नलिनी सिंह, प्रशांत कुमार, मेराज तथा डॉ योगेंद्र पांडे आदि ने प्रतिभाग किया। पत्रकारिता के इस सफल वेबिनार में करीब 12 सौ प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़े रहे। धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आरपीएस यादव ने किया।

इन्क़िलाबी नज़र

आवाज़ ... आम आदमी की

भला हम भगवान को खोजने कहां जा सकते है अगर उसे अपने हृदय और हर एक जीवित प्राणी में नहीं देख सकते।
- स्वामी विवेकानंद

लखनऊ, सोमवार, 8 जून 2020

वर्ष 12 अंक 277 मूल्य 2-00 रुपया पृष्ठ- 8

तापमान - अधिकतम 36.1°C (-3.5) न्यूनतम 24.3°C (-2.0) सेंसेक्स 34,287.24 (+306.54) निफ्टी 10,142.15 (+113.05) सोना 46,210 चांदी 47,410 मुद्रा - डालर 75.59 दिरहम 20.58 रियाल 20.15


## सम्पादकीय

# चीन-अमेरिका के बीच शीतयुद्ध

**23 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर जनरल डॉ. टेड्रास एडोनास गेब्रएसस ने जिनेवा में एक प्रेस क्रान्फेस में बोलते हुए कहा कि इस समय इसके कोई प्रमाण नहीं हैं कि चीन के बाहर यह मानव से मानव में फैल रहा है। उन्होनें वुहान में कोरोना संक्रमण को वैश्विक आपात स्थिति मानने से इंकार कर दिया जबकि इसी समय चीन ने संक्रमण की स्थिति देखते हुए वुहान में लॉक-डाउन की घोषणा कर दी थी।**


-डॉ. अरुण कुमार गुप्ता


प्रथम विश्व-युद्ध के बाद विश्व में शान्ति स्थापित करने के उद्देश्य से राष्ट्र-संघ' (लीग ऑफ नेशन्स) की स्थापना की गयी। जिसके अंतर्गत राष्ट्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी, सामूहिक सुरक्षा प्रणाली के तहत राष्ट्र-संघ को सौंपी गयी। परन्तु जब जापान और इटली ने क्रमशः मचुरिया और एबीसिनिया पर आक्रमण किया तो राष्ट्र-संघ मूक दर्शक बना रहा। फ्रांस , ब्रिटेन और रूस अपने निहित स्वार्थों एवं राष्ट्र-हितों को देखते हुए उदसीन बने रहे। इस घटना ने जर्मनी को दुस्साहसी बना दिया और उसके वर्साय-सन्धि और राष्ट्र-संघ के प्रावधानों की अवहेलना करते हुए, जो आक्रामक नीति अपनायी, उसका परिणाम द्वितीय विश्व-युद्ध था।

ऐतिहासिक घटनाओं की कभी भी हू-बहू पुनरावृत्ति नही होती, परन्तु नवीन घटनाक्रमों में हम उनकी छवि देख सकते हैं और तद्नुसार सबक सीख सकते हैं कि जब अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभाती तो इससे अन्तर्राष्ट्रीय संकट का जन्म होता है। कोविड-19 संकट के सन्दर्भ में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू.एच.ओ.) की भूमिका पर ऐसे ही प्रश्न उठ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन, संयुक्त राष्ट्र-संघ का एक सहायक अभिकरण है, जिसका उद्देश्य पूरे विश्व को स्वास्थ्य सेवाओं एवं तत्सम्बधी समस्याओं की निगरानी एवं निवारण करना है। यह दुर्भाग्य का विषय है कि कोविड-19 संकट के सन्दर्भ में इसकी भूमिका संदेह के घेरे में है। विभिन्न देशों की आशंकाएं और तत्सम्बन्धी तथ्य यह इशारा कर रहें है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन के दबाव में आकर अपनी जिम्मेदारी ठीक से नही निभायी। सूत्रों के अनुसार चीन में पहला कोरोना संक्रमण का केस 17 नवम्बर 2019 को मिला और 22 जनवरी 2020 तक संक्रमितों की संख्या 500 हो गयी थी और 17 लोगों की मौत वुहान में कोरोना वायरस के चपेट में आने से हो चुकी थी।

23 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर जनरल डॉ. टेड्रास एडोनास गेब्रएसस ने जिनेवा में एक प्रेस क्रान्फेस में बोलते हुए कहा कि इस समय इसके कोई प्रमाण नहीं हैं कि चीन के बाहर यह मानव से मानव में फैल रहा है। उन्होनें वुहान में कोरोना संक्रमण को वैश्विक आपात स्थिति मानने से इंकार कर दिया जबकि इसी समय चीन ने संक्रमण की स्थिति देखते हुए वुहान में लॉक-डाउन की घोषणा कर दी थी। इसके अलावा 30 जनवरी 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन की आपात कालीन समिति की संस्तुति में डॉ. टेड्रास ने कहा कि कोरोना संक्रमण चिंता का विषय है, परन्तु इससे निपटने के लिए कोई रणनीति या दिशा निर्देश जारी नही किये।

चीन ने जनवरी 2020 के अन्तिम सप्ताह में लॉकडाउन की घोषणा की और अप्रैल के प्रथम सप्ताह में संक्रमण में काबू पाते हुए लॉकडाउन उठा लिया। इसके बाद चीन में जन-जीवन सामान्य हो गया तथा सुरक्षा साधनों का प्रयोग करते हुए चीन ने आर्थिक गतिविधियां प्रारम्भ कर दी। वही अमेरिका एवं यूरोप समेत पूरे विश्व में कोविड-19 का कहर आज भी जारी है। पूरे विश्व में लगभग 63 लाख लोग संक्रमित है तथा लगभग 3.77 लाख लोगों की जान जा चुकी है। इससे सबसे ज्यादा अमेरिका में 18.60 लाख लोग प्रभावित हैं, जिससे लगभग 1 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में भी लॉकडाउन-4 के बाद थोड़ा ढील देने पर संक्रमण की गति बढ़ी है। कोरोना संकट से प्रभावित सभी देशों का आर्थिक ढाँचा चरमरा गया है, वहीं चीन ने इस संक्रमण से कमोवेश काबू पाकर अपनी आर्थिक गतिविधियां तेज कर दी है। इससे नाराज होकर विश्व के कई देशों ने चीन के विरूद्ध एक मोर्चा खोल दिया है तथा ढीले ढाले रूप में अमेरिका इस मोर्चे का नेतृत्व कर रहा है। इससे अमेरिका और चीन के बीच एक नये शीत युद्ध की शुरूआत हो गयी है।

इसी संकट में अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए इस संगठन को दिये जाने वाले आर्थिक अनुदान पर रोक लगा दी है तथा संगठन पर चीन के प्रति तुष्टीकरण का आरोप भी लगाया। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह कोरोना वायरस चीन का जैविक हथियार है, जिसे उसने अमेरिका समेत पूरे विश्व के विरूद्ध प्रयोग किया है। ट्रंप ने धमकी दी कि वह न केवल चीन से सम्बंध तो तोड़ेंगे बल्कि उससे आर्थिक हरजाना भी वसूलेंगे। चीन ने इन आरोपों का खण्डन करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन कोविड-19 से लड़ने में अपनी असफलता को छुपाने के लिए निराधार आरोप लगा रहा है। वास्तव में दोनों महाशक्तियों के सम्बंध कोविड-19 संकट के पूर्व से ही खराब चल रहे हैं। सितम्बर 2019 में अमरीकी सचिव क्रिस्टोफर फोर्ड ने कहा था कि चीन, अमेरिका के लिए सुरक्षा चुनौती पैदा कर रहा है। इस पर चीन ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि अमेरिका शीत-युद्ध की मानसिकता से कार्य कर रहा है। इस प्रकार चीन ने शीत-युद्ध जैसी स्थिति को मान्यता प्रदान कर दी है।

विश्व स्वास्थ्य समिति की 73वीं बैठक में अमेरिका, यूरोपीय देशों, आस्टेऊलिया, अफ्रीका समूह के राष्ट्रों समेत भारत के समर्थन से एक प्रारूप प्रस्ताव पेश किया गया, जिसमें कोविड-19 महामारी के सन्दर्भ में विश्व स्वास्थ्य सगंठन की निष्पक्ष और स्वतंत्र जाँच की माँग की गयी। जाँच में जिन बिन्दुओं को रखा गया उसमें चीन की भूमिका की जाँच भी निहित है। इस जाँच की दिशा, दशा और परिणाम अमेरिका और चीन के बीच शीत-युद्ध का भविष्य तय करेंगे। अमेरिका पूर्व में भी बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जूझ रहा था, कोविड-19 ने उसकी कमर तो? दी है, वहीं दूसरी ओर चीन नयी आर्थिक शक्ति के रूप में अमेरिका को चुनौती दे रहा है। अतः अमेरिका कोविड-19 संकट को मुद्दा बनाकर, यूरोपीय, भारत समेत कई देशों का साथ लेकर चीन के विरूद्ध आर्थिक घेराबंदी करना चाह रहा है, ताकि चीन में स्थापित विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां सस्ते श्रम का मोह छोड़कर चीन से बाहर निकले। चीन नें अपने सस्ते, यद्यपि कम टिकाऊ उत्पादों के जरिये पूरे विश्व एंव विशेषकर तृतीय विश्व के देशों के बाजारों में अपना आधिपत्य जमा लिया है, जिससे उन देशों में लघु, मध्यम और कुटीर उद्योगों को बहुत हानि हुई है। कोविड-19 संकट ने इन देशों का गुस्सा चीन के प्रति बढ़ा है। अतः संभव है कि तृतीय विश्व के देश भविष्य में अपनी राष्ट्रीय नीति में परिवर्तन करके चीन के उत्पादों का कम प्रयोग करें। इससें चीन के आर्थिक हितों को नुकसान पहुँच सकता है।

स्वतंत्र चेतना

## पत्रकारिता, योग सहित अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रम शुरू

**विचारधारा ब्यूरो कार्यालय**

महोबा 8 जून। वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविघालय में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविघालय प्रयागराज द्वारा संचालित अध्ययन केन्द्र में योग में एक वर्षीय डिप्लोमा, पत्रकारिता में पीजीडीजेएमसी, एमएसडब्ल्यू, एम ए योगा, एम ए शिक्षा शास्त्र, एमजे फैशन डिजाइनिंग, जीएसटी, वैदिक गणित में डिप्लोमा सहित बीए, बीएससी, बीकॉम, एमकॉम, सहित अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रारम्भ हो गये है।

महाविघालय के प्राचार्य सुशील बाबू ने जानकारी देते हुये बताया कि अभ्यर्थी उक्त रोजगार परक पाठ्यक्रमों में यूपीआरटीओयू की वेबसाइट से ऑनलाइन प्रवेश लेकर हार्ड कॉपी आवश्यक सलग्नको साथ समन्वयक डा. प्रदीप कुमार या शैलेश तिवारी के पास महाविघालय आकर या डांक से भेजकर जमा कर दे। प्राचार्य ने बताया कि उक्त पाठ्यक्रमों में नौकरी पेशा, व्यवसायी, कृषक विघार्थी आदि सभी प्रवेश ले सकते है। उन्होंने बताया कि सभी पाठ्क्रमों की परीक्षाए अध्ययन केन्द्र महोबा में ही होती है। सभी पाठ्यक्रम यूपीसी से मान्यता प्राप्त है एवं उत्तर प्रदेश सरकार की ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित है।

## योग समेत रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुरु

**महोबा।** वीरभूमि राजकीय महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा संचालित अध्ययन केंद्र में योग समेत विभिन्न रोजगार परक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुशील बाबू ने बताया कि योग में एक वर्षीय डिप्लोमा, पत्रकारिता, योगा, फैशन डिजाइनिंग, जीएसटी, वैदिक गणित में डिप्लोमा समेत बीए, बीएससी, बीकॉम, एमकॉम समेत अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। अभ्यर्थी यूपीआरटीओयू की वेबसाइट से ऑनलाइन प्रवेश लेकर आवश्यक अभिलेखों के साथ हार्ड कॉपी, समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार व शैलेश तिवारी के पास जमा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि उक्त पाठ्यक्रमों में नौकरी पेशा, व्यवसायी, कृषक, विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं। संवाद

## पत्रकारिता, योग, एमएसडब्ल्यू सहित अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रमों के प्रवेश प्रारंभ

**महोबा|** मुख्यालय के वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा संचालित अध्ययन केंद्र में योग में एक वर्षीय डिप्लोमा, पत्रकारिता में पीजीडीजेएमसी, एमएसडब्ल्यू, एम ए योगा, एम ए शिक्षाशास्त्र, एमजे, फैशन डिजाइनिंग, जीएसटी, वैदिक गणित में डिप्लोमा सहित बीए, बीएससी, बीकॉम, एमकॉम सहित अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ हो गए है।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 लेफ्टि0 सुशील बाबू ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि अभ्यर्थी उक्त रोजगार परक पाठ्यक्रमों मे यूपीआरटीओयू की वेबसाइट से ऑनलाइन प्रवेश लेकर हार्ड कॉपी आवश्यक संलग्नको के साथ समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार या शैलेश तिवारी के पास महाविद्यालय आकर जमा करा दें। उन्होंने बताया कि उक्त पाठ्यक्रमों में नौकरी पेशा, व्यवसायी, आदि सभी प्रवेश ले सकते हैं।

**खबरें संक्षेप में . . .**

## पत्रकारिता, योग, एमएसडब्ल्यू सहित अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

**ऑडिशन टाइम्स महोबा ब्यूरो महोबा।** मुख्यालय के वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा संचालित अध्ययन केंद्र में योग में एक वर्षीय डिप्लोमा, पत्रकारिता में पीजीडीजेएमसी, एमएसडब्ल्यू, एमए योगा, एम ए शिक्षाशास्त्र, एमजे, फैशन डिजाइनिंग ,जीएसटी, वैदिक गणित में डिप्लोमा सहित बीए, बीएससी, बीकॉम, एमकॉम सहित अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ हो गए है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. लेफ्टि. सुशील बाबू ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि अभ्यर्थी उक्त रोजगार परक पाठ्यक्रमों म यूपीआरटीओयू की वेबसाइट से ऑनलाइन प्रवेश लेकर हार्ड कॉपी आवश्यक संलग्नको के साथ समन्वयक डॉ प्रदीप कुमार या शैलेश तिवारी के पास महाविद्यालय आकर या डाक से भेज कर जमा करा दें। उन्होंने बताया कि उक्त पाठ्यक्रमों में नौकरी पेशा, व्यवसायी, कृषक, विद्यार्थी आदि सभी प्रवेश ले सकते हैं तथा सभी पाठ्यक्रमों में अध्ययन सामग्री सीधे विश्वविद्यालय द्वारा अभ्यर्थी के घर पर डाक द्वारा भेजी जाती हैं सभी पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं अध्ययन केंद्र महोबा में ही होती है सभी पाठ्यक्रम यूजीसी से मान्यता प्राप्त है एवं उत्तर प्रदेश सरकार की ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा संचालित है।

## आनलाइन प्रवेश शुरू

**अतर्रा।** राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सो के लिए आनलाइन प्रवेश शुरू। कामता प्रसाद शास्त्री महाविद्यालय के प्राचार्य डह इंद्र नारायण त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के योगा कोर्स, बीए, एम ए, यम यस डब्लू ,सहित आदि कोर्स के लिए कालेज में अहनलाइन प्रारंभ हो चुका है स जिन छात्रों को प्रवेश हेतु आवेदन करना हो,वह घर बैठे अहनलाइन माध्यम से कहलेज की वेबसाइट से आवेदन कर सकते हैं।

## योग, पत्रकारिता एवं एमएसडब्लू सहित अनेक रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

**महोबा।** शहर के वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा संचालित अध्ययन केंद्र में योग में एक वर्षीय डिप्लोमा पत्रकारिता में पीडीडीजेएमसी, एमएसडब्लू, एमएयोगा, एमए शिक्षा शास्त्र, एमजे, फैशन डिजाइनिंग, जीएसटी, वैदिक गणित में डिप्लोमा सहित बीए, बीएससी, बीकाम, एमकाम सहित अनेक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में आनलाइन प्रवेश प्रारंभ हो गए है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. लेफ्टि. सुशील बाबू ने इस आश्य की जानकारी देते हुए बताया कि अभ्यर्थी उक्त रोजगार परक पाठ्यक्रमों में यूपीआरटीओयू की वेबसाइड से आनलाइन प्रवेश लेकर हार्ड कापी आवश्यक संलग्नकों के साथ समन्वयक डा. प्रदीप कुमार या शैलेश तिवारी के पास महाविद्यालय आकर या डाक से भेज कर जमा कर सकते है।

Uttar Pradesh Agra

## राजर्षि टंडन मुक्त विवि में वीसी ने किया ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ

By **Deepak Singh Rathod** - June 8, 2020 6 0

**आगरा।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र जुलाई 2020-21 की प्रवेश प्रक्रिया दिनांक 4 जून 2020 से प्रारंभ हो गई है। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के प्रवेश अनुभाग में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारंभ किया। इसके पूर्व प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर आरपीएस यादव, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव और कुलसचिव डॉ एके गुप्ता ने कुलपति का स्वागत किया। यह जानकारी आगरा की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.in पर लॉगिन करके प्रवेश के लिए अपने पसंदीदा कार्यक्रम के पूर्ण विवरण भरकर पंजीकरण कराएं। पंजीकरण के बाद संबंधित पाठ्यक्रम की फीस ऑनलाइन ही जमा कराकर उसकी रसीद प्रिंट करा लें।

## उत्तर प्रदेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

झांसी। विश्वव्यापी महामारी कोरोना वायरस कोविड-19 के चलते हुये स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय झांसी में उत्तर प्रदेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित 105 कोर्स में प्रवेश प्रारम्भ हो गये। इन सब कोर्सो में प्रवेश पाने की अंतिम तिथि 12 जून है। यह जानकारी महाविद्यालय के समन्वयक मनीष गुप्ता द्वारा दी गयी। इन कोर्स के सम्बन्ध में महाविद्यालय के बीएड विभागाध्यक्ष प्रो. यज्ञपाल सिंह ने बताया कि प्रवेश के संबंध में महाविद्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

## राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश शुरू

**मुरादाबाद।** उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में नए शैक्षिक सत्र 2020-21 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुरु हो चुके हैं। केंद्र समन्वयक हिंदू कालेज डॉ. श्याम सिंह ने बताया कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉगिन करके प्रवेश के लिए अपना पंजरण कराएं। इसके बाद फीस भी आनलाइन ही जमा होगी। इसकी रसदी प्रिंट कराकर प्रवेश फार्म की दो प्रतियां भी प्रिंट करा लें। जमा की गई शुल्क की छाया प्रति, शैक्षिक योग्यताओं की अंकतालिकाओं और प्रमाण पत्रों की छाया प्रति और प्रवेश फार्म की एक प्रति हिंदू कालेज के अध्ययन केंद्र पर प्रत्येक रविवार को जमा की जाएगी।

**Bareilly**, Sunday,
**7 June 2020**
BAREILLY EDITION
Within Bareilly City.- 2/-
Outside Bareilly City.- 3/-
**Pages 10**

दैनिक जागरण, Bareilly, 7 June 2020 3

### एक नजर में

बरेली : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने नए सत्र के दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बरेली स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के समन्वयक डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर 7525048025 पर संपर्क कर सकते हैं। (वि)

अमर उजाला बरेली amarujala.com
बरेली | रविवार, 7 जून 2020 6

## राजर्षि टंडन में करें आवेदन

**बरेली।** उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की वेबसाइट चार जून से खोल दी गई है। क्षेत्रीय समन्यवयक डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि जुलाई सत्र से एडमिशन लेने वाले विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ब्यूरो

07/06/2020
जनसंदेश आजमगढ

## प्रवेश प्रारम्भ

**आजमगढ़।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो.कामेश्वरनाथ सिंह द्वारा विश्वविद्यालय के सत्र जुलाई 2020-21 की प्रवेश प्रक्रिया उद्घाटन के बार प्रारंभ हो गयी है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए क्षेत्रीय समन्वयक डा.श्याम दत्त दूबे ने बताया कि नए सत्र से बीए, बीएससी, एमए, एमएससी, एमकाम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसए, वेब टेक्नोलाजी, डेयरी उद्योग, कोविड-19 आदि कार्यक्रमों में आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गयी है।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

12 जून, 2020


# योजना बोर्ड की 35वीं आवश्यक बैठक

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की योजना बोर्ड की 35वीं आवश्यक बैठक (ऑन लाइन) दिनांक 12 जून, 2020 को मध्याह्न 12:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में प्रो0 योगेन्द्र सिंह, पूर्व कुलपति, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, प्रो0 एस.के. सिंह, पूर्व कुलपति, म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल, श्री नील रत्न सिंह, एग्वेट फूड एण्ड फीड्स, गोरखपुर, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज प्रतिभाग किये।

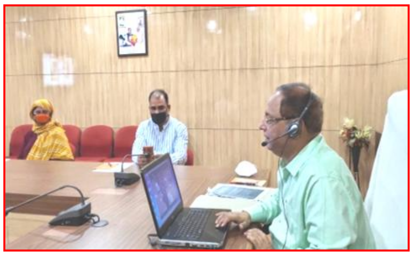

*योजना बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति जी एवं उपस्थित मा0सदस्यगण।*

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
13 जून, 2020

# विशेष प्रवेश अभियान दिवस

आज दिनांक 13/06/2020 को क्षेत्रीय कार्यालय आगरा की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा सिंह ने विशेष प्रवेश अभियान दिवस पर एक वेबिनार का आयोजन किया जिसमे कई अध्ययन केंद्र शामिल हुए ,और प्रवेश से जुड़े अपने प्रयासों के बारे मे अवगत कराया तथा अपने सुझाव भी दिए और यह भी बताया की  Covid19 महामारी के बावजूद अच्छे प्रवेश होने का बात कही।

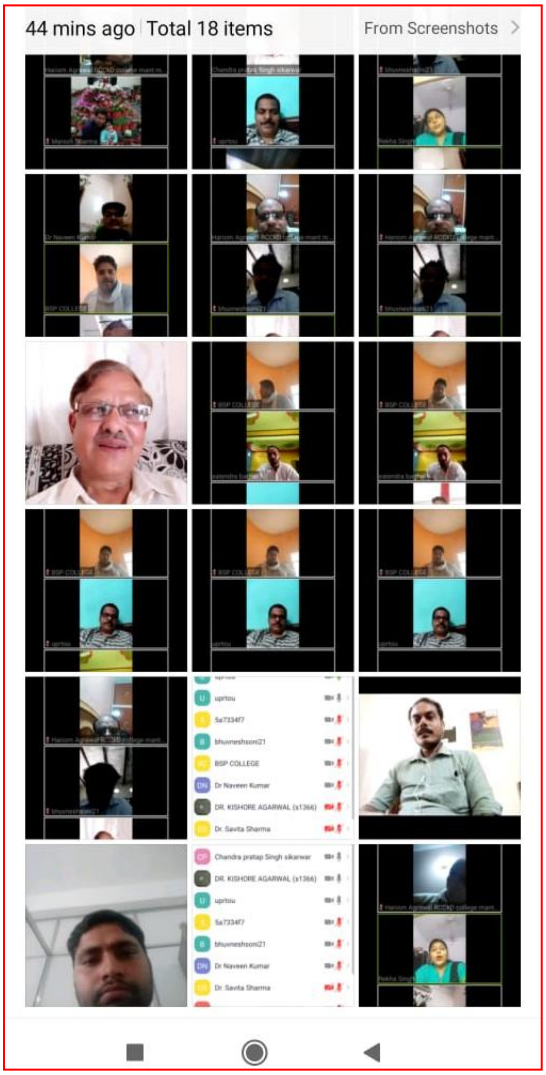

14 जून, 2020

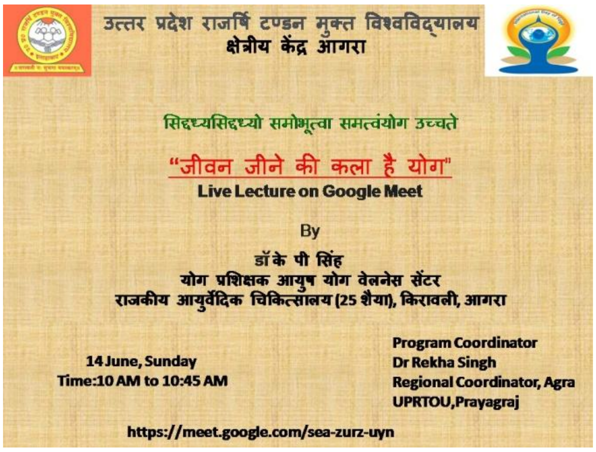


अन्तराष्ट्रिय योग दिवस को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र आगरा की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा सिंह ने वेबिनार का आयोजन किया जिसमे योग चिकित्सक आयुष वेलनस सेंटर आगरा के डॉ के पी सिंह ने जीवन जीने की कला है योग- कार्यक्रम के तहत बहुत ही महत्वपूर्ण बातें बताई।जिसमें करोना महामारी मे अपनी इम्युनिटी को योग के माध्यम से कैसे बनाये रखें, योग को किस तरह अपनी जीवनशैली बनाए।

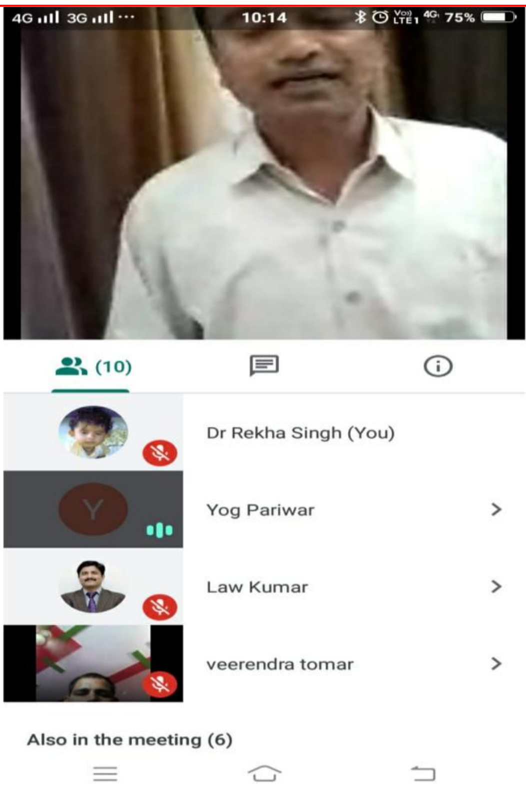


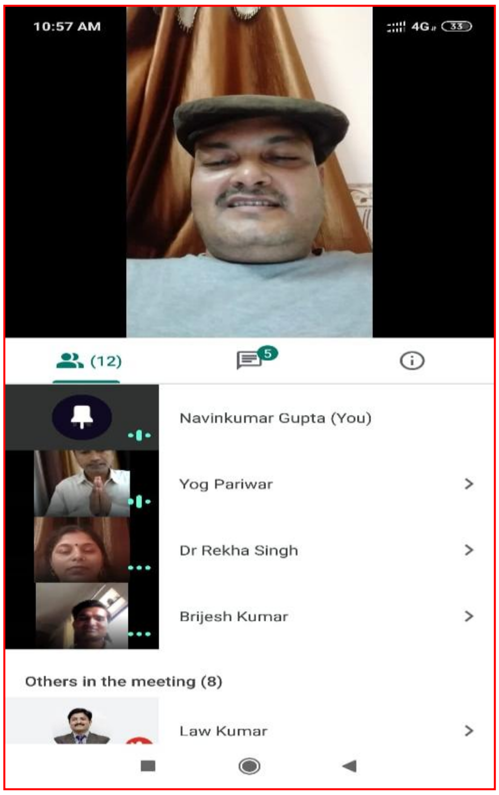


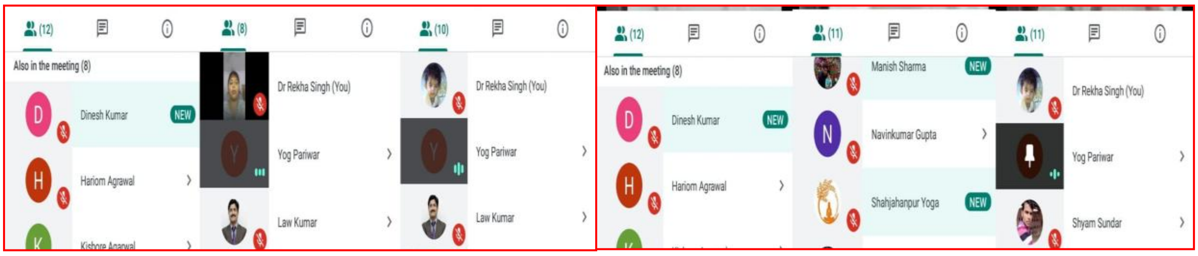

दूरस्थ शिक्षा में बनाये अपना भविष्य बच्चे -डां आरबी सिंह

उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन विश्व विद्यालय के बरेली मंडल के कोर्डिनेटर डां आरबी सिंह ने आज बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं के छात्र छात्राओं के साथ गूगल मीट के माध्यम से लाइव सेंशन किया जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी विशेष जानकारी बच्चों की दी साथ ही शिक्षा से जुड़े हुए तमाम अनुभव बच्चों के साथ शेयर किये
डां आरबी सिंह बरेली कालेज के पूर्व प्राचार्य भी रहे हैं तो उससे संबंधित भी बच्चों ने कइ प्रश्नो के जबाव दिये कोविड 19 से लोगों को जागरूक करने के लिए बहुत जल्द विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम लाने वाला है जो बच्चों को बहुत उपयोगी सिद्ध होगा
उन्होंने पीएचडी ,योगा ,बीएड, विशिष्ट बीटीसी,बीसीए,बीसीए, जैसे विशेष पाठ्यक्रमो की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि जो लोग कई बरषो से पढ़ाई छोड़ चुके हैं वो लोग फिर दुबारा एडमिशन लेकर अपना भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं
कार्यक्रम संयोजक गजेन्द्र गंगवार ने सबका हदय से आभार व्यक्त किया
कार्यक्रम संचालन षटवदन शंखधार बदायूं ने किया।
कार्यक्रम में 200 लोगों ने इस सेंशन को सुना और अपने प्रश्न पूछे जिनमें पुष्पेन्द्र कुमार,सबा साबिर, शिवानी पांडे,अनदलीप जहरा ,मीसम इरशाद, रेहाना इरशाद, अर्चना शर्मा, मुनीश कुमार,रजत गुप्ता, राजवीर सिंह तरंग,समीक्षा यादव,कंचन सक्सेना , प्रीती गंगवार,काजल राठौर , नेहा सागर ,किरन यादव,रूपलता आदि लोगों ने अपने शिक्षा से जुड़े सवाल पूछे और उत्तर भी मिले

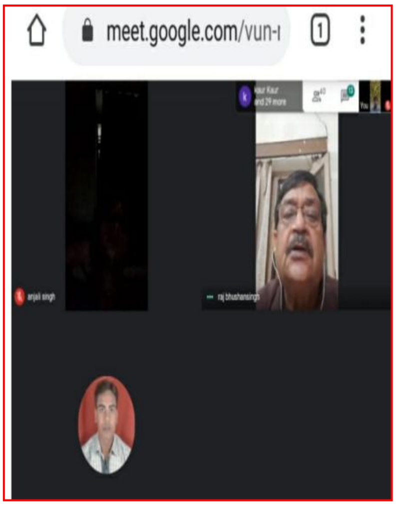

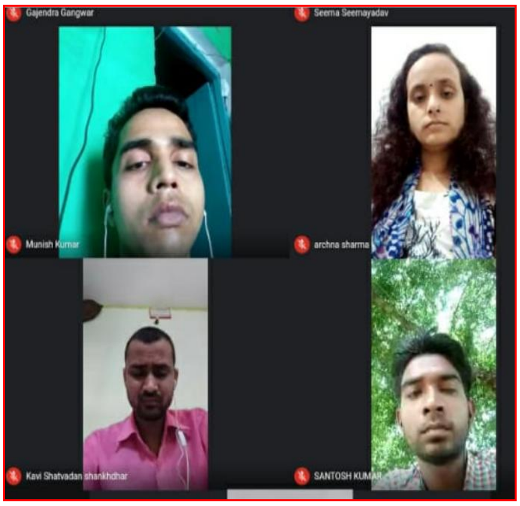


# दूरस्थ शिक्षा में बच्चे बनायें अपना भविष्य :डा.आरबी सिंह

**अमर प्रभात ब्यूरो**

**बदायूं।** उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन विश्व विद्यालय के बरेली मंडल के कोआर्डिनेटर डा. आरबी सिंह ने आज बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं के छात्र-छात्राओं के साथ गूगल मीट के माध्यम से लाइव सेंशन किया जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी विशेष जानकारी बच्चों की दी। साथ ही शिक्षा से जुड़े हुए तमाम अनुभव बच्चों के साथ शेयर किये।

डा. आरबी सिंह ने बताया कि कोविड 19 से लोगों को जागरूक करने के लिए बहुत जल्द विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम लाने वाला है जो बच्चों को बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने पीएचडी,योग, बीएड, विशिष्ट बीटीसी,बीसीए,बीसीए जैसे विशेष पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि जो लोग कई वर्षों से पढ़ाई छोड़ चुके हैं वो लोग फिर दुबारा एडमिशन लेकर अपना भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक गजेन्द्र गंगवार ने आभार व्यक्त किया। संचालन षटवदन शंखधार बदायूं ने किया। कार्यक्रम में पुष्पेन्द्र कुमार,सबा साबिर, शिवानी पांडे,अनदलीप जहरा,मीसम इरशाद, रेहाना इरशाद, अर्चना शर्मा, मुनीश कुमार,रजत गुप्ता, राजवीर सिंह तरंग,समीक्षा यादव,कंचन सक्सेना, प्रीती गंगवार,काजल राठौर, नेहा सागर,किरन यादव,रूपलता आदि ने शिक्षा से जुड़े सवाल पूछे।

# दूरस्थ शिक्षा में बनाये अपना भविष्य बच्चे -डॉ. आरबी सिंह

पवन शंखधार

**बदायूँ (रायमोर्चा)।** उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन विश्व विद्यालय के बरेली मंडल के कोर्डिनेटर डां आरबी सिंह ने आज बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं के छात्र छात्राओं के साथ गूगल मीट के माध्यम से लाइव सेंशन किया जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी विशेष जानकारी बच्चों की दी साथ ही शिक्षा से जुड़े हुए तमाम अनुभव बच्चों के साथ शेयर किये। डां आरबी सिंह बरेली कालेज के पूर्व प्राचार्य भी रहे हैं तो उससे संबंधित भी बच्चों ने कइ प्रश्नो के जबाव दिये कोविड 19 से लोगों को जागरूक करने के लिए बहुत जल्द विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम लाने वाला है जो बच्चों को

बहुत उपयोगी सिद्ध होगा उन्होंने पीएचडी ,योगा ,बीएड, विशिष्ट बीटीसी,बीसीए,बीसीए, जैसे विशेष पाठ्यक्रमो की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि जो लोग कई बरषो से पढाई छोड चुके हैं वो लोग फिर दुबारा एडमिशन लेकर अपना भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक गजेन्द्र गंगवार ने सबका हदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संचालन षटवदन शंखधार बदायूं ने किया। कार्यक्रम में 200 लोगों ने इस सेंशन को सुना और अपने प्रश्न पूछे जिनमें पुष्पेन्द्र कुमार,सबा साबिर, शिवानी पांडे,अनदलीप जहरा ,मीसम इरशाद, रेहाना इरशाद, अर्चना शर्मा, मुनीश कुमार,रजत गुप्ता, राजवीर सिंह तरंग,समीक्षा यादव,कंचन सक्सेना , प्रीती गंगवार,काजल राठौर , नेहा सागर ,किरन यादव,रूपलता आदि लोगों ने अपने शिक्षा से जुडे सवाल पूछे और उन्होंने प्रश्न के उत्तर दिये।

# राजर्षि टंडन विवि में प्रवेश को शुरू हुई आवेदन प्रक्रिया

**आगरा।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र जुलाई 2020-21 में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। कोरोना वैश्विक महामारी के कारण प्रदेश के आगरा सहित सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रारंभ हुई है। विवि से छात्र घर बैठे लगभग अपनी पसंद के कार्यक्रम में पढ़ाई कर सकेंगे। विवि सौ से अधिक कार्यक्रमों को संचालित कर रहा है। प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा सिंह के अनुसार प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे अपने मनपसंद पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन है। विवि से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड-19 सहित सौ से अधिक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। आवेदन के बाद छात्र प्रवेश फॉर्म और शुल्क जमा करने की प्रति को क्षेत्रीय केन्द्र आरबीएस कॉलेज या फिर जीएसए कॉलेज, फतेहाबाद रोड पर जमा करा सकते हैं।

# दूरस्थ शिक्षा में बनाये अपना भविष्य बच्चे -डां आरबी सिंह

बदायूँ (अमर स्तम्भ)। उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन विश्व विद्यालय के बरेली मंडल के कोर्डिनेटर डां आरबी सिंह ने आज बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं के छात्र छात्राओं के साथ गूगल मीट के माध्यम से लाइव सेंशन किया जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी विशेष जानकारी बच्चों की दी साथ ही शिक्षा से जुड़े हुए तमाम अनुभव बच्चों के साथ शेयर किये
डां आरबी सिंह बरेली कालेज के पूर्व प्राचार्य भी रहे हैं तो

उससे संबंधित भी बच्चों ने कइ प्रश्नो के जबाव दिये कोविड 19 से लोगों को जागरूक करने के लिए बहुत जल्द विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम लाने वाला है जो बच्चों को बहुत उपयोगी सिद्ध होगा
उन्होंने पीएचडी, योगा, बीएड, विशिष्ट बीटीसी,बीसीए,बीसीए, जैसे विशेष पाठ्यक्रमो की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि जो लोग कई बरषो से पढ़ाई छोड़ चुके हैं वो लोग फिर दुबारा एडमिशन लेकर अपना भविष्य सुनिश्चित कर सकते हैं
कार्यक्रम संयोजक गजेन्द्र गंगवार ने सबका हदय से आभार व्यक्त किया, कार्यक्रम संचालन षटवदन शंखधार बदायूं ने किया, कार्यक्रम में 200 लोगों ने इस सेंशन को सुना और अपने प्रश्न पूछे जिनमें पुष्पेन्द्र कुमार,सबा साबिर, शिवानी पांडे, अनदलीप जहरा, मीसम इरशाद, रेहाना इरशाद, अर्चना शर्मा, मुनीश कुमार, रजत गुप्ता, राजवीर सिंह तरंग,समीक्षा यादव,कंचन सक्सेना, प्रीती गंगवार,काजल राठौर , नेहा सागर, किरन यादव, रूपलता आदि लोगों ने अपने शिक्षा से जुड़े सवाल पूछे और उन्होंने प्रश्न के उत्तर दिये।

अयोध्या, फैजाबाद एवं बरेली से प्रकाशित
# जनमोर्चा
अयोध्या | रविवार | 14 जून, 2020

## राजर्षि टंडन मुक्त वि.वि. में ऑनलाइन प्रवेश शुरू

» एमबीए, एमसीए में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होगा दाखिला, अंतिम तिथि 28 जुलाई

फैजाबाद (अयोध्या)।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के जुलाई सत्र 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है।

वि.वि. के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ. शशिभूषण राम त्रिपाठी ने बताया कि विश्वविद्यालय में 105 पाठ्यक्रम संचालित हैं जिसमें बी.ए, एम.ए., बीएससी, एमएससी, बीकॉम, एमकाम, एमबीए, बीसीए, मसीए, पीजीडीसीए, लाइब्रेरी सांइस, पत्रकारिता, योग में डिप्लोमा एवं एमए कृषि, डेरी, डायटेटिक्स एवं न्यूट्रीशन, फ्रूट्स एवं वेजिटेबल आदि में डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स में ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। विश्वविद्यालय ने इस सत्र से कोविड 19 में जागरूकता कार्यक्रम भी प्रारंभ किया है। प्रवेश घर से ही स्मार्ट फोन या लैपटॉप का उपयोग कर www.uprtou.ac.in पर ऑनलाइन फीस एवं फार्म सबमिट कर सकते हैं।

श्री त्रिपाठी ने बताया कि विश्वविद्यालय आपके घर पर ही डाक के माध्यम से अध्ययन सामग्री पहुंचाता है और आनलाइन वीडियो लेकर काउंसिलिंग की भी सुविधा उपलब्ध कराता है। ऐसे में आपको घर से बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी।

एमबीए और एमसीए में दाखिला प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। इसका प्रवेश फार्म भरा जा रहा है, जिसकी अंतिम तिथि 28 जुलाई है। प्रवेश प्रक्रिया में किसी भी समस्या के लिए विश्वविद्यालय के अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र जनौरा बाईपास परिक्रमा मार्ग से सम्पर्क किया जा सकता है।

लखनऊ, बरेली व मुरादाबाद से प्रकाशित
# अमृत विचार
वर्ष 30, अंक 175, पृष्ठ 12, मूल्य : 3 रुपये
एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, मंगलवार, 16 जून 2020
www.amritvichar.com

पहल | स्नातकोत्तर में डिग्री प्राप्त अभ्यर्थी यूजीसी नेट पास करने के बाद कॉलेजों व महाविद्यालयों में बन सकेंगे योग शिक्षक

## योग शिक्षा के लिए यूपीआरटीओयू ने उठाया बड़ा कदम

अमृत विचार लखनऊ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं को योग में डिप्लोमा के साथ स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूर्ण करके योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां योग में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करके डिग्री कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह ने कहा कि अभ्यास वर्ग के साथ-साथ बौद्धिक सत्रों के आयोजन में योग के माध्यम से जीवन जीने के विभिन्न आयामों की शिक्षा दी जा रही है। विश्वविद्यालय की ओर से शुरू किए गए योग में दो वर्षीय एमए कार्यक्रम के अंतर्गत योग के आधारभूत तत्व, हठयोग के सिद्धांत, योग क्रियात्मक, आहार एवं पोषण, मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान, पतंजलि योग सूत्र,

प्रो. कामेश्वरनाथ सिंह, कुलपति

योग चिकित्सा, श्रीमद्भागवत गीता एवं उपनिषद आदि का अध्ययन कराया जा रहा है। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि अब तक जिन कार्यक्रमों को अत्यधिक लोकप्रियता मिली उसमें योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योग) तथा योग में डिप्लोमा (डिप्लोमा इन योग) कार्यक्रम लोकप्रिय रहे हैं। विवि ने योग में प्रमाण पत्र कार्यक्रम की शुरुआत सत्र 2003-2004 से महज तीन केंद्रों से की थी। आज संपूर्ण प्रदेश में राजर्षि टंडन मुक्त विवि योग की शिक्षा देने वाले संस्थानों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

### अधिकतम चार वर्ष में कर सकते हैं एमए योग

80 क्रेडिट के इस कार्यक्रम को पूर्ण करने की न्यूनतम अवधि 2 वर्ष तथा अधिकतम अवधि 4 वर्ष है। एमए योग में प्रवेश की न्यूनतम अर्हता स्नातक होना अनिवार्य है। इसके साथ ही स्नातक मे एक विषय के रूप में योग को मान्यता दी गई है। विश्वविद्यालय ने योग मे विभिन्न प्रकृति के शैक्षिक कार्यक्रमो को इसीलिए प्रारंभ किया है कि विभिन्न आयु वर्ग के लोग इनको पूर्ण करके न केवल योग को दैनंदिन का हिस्सा बना सकते हैं बल्कि इसका लाभ समाज को भी दे सकते हैं।

### बढ़ गयी असाइनमेंट्स जमा करने की तिथि

लखनऊ। यूपीआरटीओयू ने असाइनमेंट्स जमा करने की तिथि बढ़ा दी है। अब छात्र 30 जून तक असाइनमेंट्स जमा कर सकेंगे। ऐसा तीसरी बार हुआ जब तिथि बढ़ायी गयी है। औपचारिक आदेश मंगलवार को वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय की ओर से सोमवार को आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया। वहीं दूसरी ओर से छात्रों की ये शिकायत थी कि लॉकडाउन के कारण उनको दुकानों से असाइनमेंट्स वाली कॉपी नहीं मिल सकी।

### प्राचीन काल से है योग की महत्ता

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल कहते हैं योग की महत्ता प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति मे विद्यमान रही है। योग विधा को आगे बढ़ाने में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अच्छा योगदान कर रहा है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय है जिसका कार्यक्षेत्र पूरा उत्तर प्रदेश है। मुक्त विश्वविद्यालय पूरे उत्तर प्रदेश में फैले हुए अध्ययन केंद्रों के माध्यम से योग शिक्षा के प्रचार-प्रसार द्वारा उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने में सहयोग कर रहा है।

प्रयागराज, मंगलवार, 16 जून, 2020
# जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

## मुक्त विवि के योग कार्यक्रम की प्रदेश में अग्रणी भूमिका

राष्ट्र के विकास का सपना योग से करें साकार

जनसंदेश न्यूज

प्रयागराज। योग दिवस की तैयारी में जुटा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहां से हजारों छात्र-छात्राएं योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूर्ण करके योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। पिछले सत्र से योग में एमए प्रारंभ होने के उपरांत छात्र-छात्राओं में गजब का उत्साह है। योग में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करके डिग्री कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर राष्ट्र के विकास का सपना साकार कर सकते हैं।

योग की शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिए मुक्त विवि ने विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया है। योग राष्ट्र के विकास में सहायक है। राष्ट्र के विकास का सपना युवा वर्ग को देखना चाहिए। हमें समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना है। योग साधना से योग साधकों के व्यक्तित्व, व्यवहार, भावनात्मक स्थायित्व तथा आत्मविश्वास में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने योग शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अभ्यास वर्ग का कार्यक्रम प्रारंभ कराया, जो काफी लोकप्रिय हो रहा है। अभ्यास वर्ग के साथ-साथ बौद्धिक सत्रों के आयोजन में प्रो. सिंह योग के माध्यम से जीवन जीने के विभिन्न आयामों की शिक्षा दे रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए योग में दो वर्षीय एमए कार्यक्रम के अंतर्गत योग के आधारभूत तत्व, हठयोग के सिद्धांत, योग क्रियात्मक, आहार एवं पोषण,

मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान, पतंजलि योग सूत्र, योग चिकित्सा, श्रीमद्भागवत गीता एवं उपनिषद आदि का अध्ययन कराया जा रहा है। 80 क्रेडिट के इस कार्यक्रम को पूर्ण करने की न्यूनतम अवधि दो वर्ष तथा अधिकतम चार वर्ष है। एमए योग में प्रवेश की न्यूनतम अर्हता स्नातक होना अनिवार्य है। इसके साथ ही स्नातक में एक विषय के रूप में योग को मान्यता दी गई है।

एक तरफ जहां योग से संतुलित व्यक्तित्व प्राप्त होता है, वहीं शारीरिक और मानसिक आनंद की अनुभूति प्राप्त होती है। अभ्यास वर्ग हेतु केंद्र तथा तिथियों का निर्धारण क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक द्वारा प्रभारी क्षेत्रीय निदेशकों की सहमति से किया जाता है। आज व्यवस्थाएं पहले की अपेक्षा काफी सुधरी है। कोई कार्य इतना कठिन नहीं है कि उसका समाधान संभव न हो। परम कल्याण का मार्ग योग को माना जा रहा है। योग में कैरियर बनाने के लिए एक अच्छा वक्ता होना बहुत जरूरी है जिससे प्रभावशाली ढंग से अपनी बातों को जनसमुदाय तक पहुंचाया जा सके। योग टीचर बनने के लिए योग के अष्टांगिक मार्ग के बारे में विस्तृत जानकारी अत्यंत आवश्यक है।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल कहते हैं योग की महत्ता प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में विद्यमान रही है। योग विधा को आगे बढ़ाने में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि अच्छा योगदान कर रहा है। यह प्रदेश का एकमात्र मुक्त विवि है जिसका कार्यक्षेत्र पूरा उत्तर प्रदेश है। योग आज बेहतर कैरियर ऑप्शन बन गया है। योग में कैरियर बनाने वालों को अच्छी सैलरी मिल रही है। प्राइवेट क्षेत्र में योग इंस्ट्रक्टर की संख्या बढ़ती जा रही है। मुक्त विवि इसके लिए सही प्रशिक्षण एवं लगातार प्रैक्टिस करने का अवसर प्रदान कर रहा है। प्रैक्टिस के अभाव में केवल किताबी ज्ञान से इस विधा में सफलता नहीं पाई जा सकती। आज बहुत से योग संस्थान खुल गए हैं, जहां प्रशिक्षित योग शिक्षकों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। बहुत से अस्पतालों में योग प्रशिक्षक रखे जा रहे हैं, जो बीमारी से ध्यान हटाने के लिए संगीतमय प्रस्तुति के साथ मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने का कार्य कर रहे हैं।

मुक्त विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र बताते हैं कि अभी तक जिन कार्यक्रमों को अत्यधिक लोकप्रियता मिली उसमें योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा) तथा योग में डिप्लोमा (डिप्लोमा इन योगा) कार्यक्रम सर्वाधिक लोकप्रिय रहे हैं। विश्वविद्यालय ने योग में प्रमाण पत्र कार्यक्रम (सर्टिफिकेट कोर्स इन योग) की शुरूआत सत्र 2003-2004 से महज तीन केंद्रों से की थी। आज संपूर्ण प्रदेश में मुक्त विवि योग की शिक्षा देने वाले संस्थानों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक एवं योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षणार्थी योग की विभिन्न कलाओं में पारंगत हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल में योग की विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करती डॉक्यूमेंट्री छात्रों में काफी लोकप्रिय हो रही है।

हिन्दी दैनिक

# इलाहाबाद एक्सप्रेस

सच का आधार ...

वर्ष : 11 अंक : 76, प्रयागराज, मंगलवार 16 जून 2020, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया



# मुक्त विवि के योग कार्यक्रम की प्रदेश में अग्रणी भूमिका

## राष्ट्र के विकास का सपना योग से करें साकार

**प्रयागराज।** योग दिवस की तैयारी में जुटा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहां से हजारों छात्र-छात्राएं योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूर्ण करके योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। पिछले सत्र से योग में एमए प्रारंभ होने के उपरांत छात्र-छात्राओं में गजब का उत्साह है। योग में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करके डिग्री कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर राष्ट्र के विकास का सपना साकार कर सकते है।

योग की शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिए मुक्त विवि ने विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया है। योग राष्ट्र के विकास में सहायक है। राष्ट्र के विकास का सपना युवा वर्ग को देखना चाहिए। हमें समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना है। योग साधना से योग साधकों के व्यक्तित्व, व्यवहार, भावनात्मक स्थायित्व तथा आत्मविश्वास में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने योग शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अभ्यास वर्ग का कार्यक्रम प्रारंभ कराया, जो काफी लोकप्रिय हो रहा है। अभ्यास वर्ग के साथ-साथ बौद्धिक सत्रों के आयोजन में प्रो. सिंह योग के माध्यम से जीवन जीने के विभिन्न आयामों की शिक्षा दे रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए योग में दो वर्षीय एमए कार्यक्रम के अंतर्गत योग के आधारभूत तत्व, हठयोग के सिद्धांत, योग क्रियात्मक, आहार एवं पोषण, मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान, पतंजलि योग सूत्र, योग चिकित्सा, श्रीमद्भागवत गीता एवं उपनिषद आदि का अध्ययन कराया जा रहा है। 80 क्रेडिट के इस कार्यक्रम को पूर्ण करने की न्यूनतम अवधि दो वर्ष तथा अधिकतम चार वर्ष है। एमए योग में प्रवेश की न्यूनतम अर्हता स्नातक होना अनिवार्य है। इसके साथ ही स्नातक में एक विषय के रूप में योग को मान्यता दी गई है।

एक तरफ जहां योग से संतुलित व्यक्तित्व प्राप्त होता है, वहीं शारीरिक और मानसिक आनंद की अनुभूति प्राप्त होती है। अभ्यास वर्ग हेतु केंद्र तथा तिथियों का निर्धारण क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक द्वारा प्रभारी क्षेत्रीय निदेशकों की सहमति से किया जाता है। आज व्यवस्थाएं पहले की अपेक्षा काफी सुधरी है। कोई कार्य इतना कठिन नहीं है कि उसका समाधान संभव न हो। परम कल्याण का मार्ग योग को माना जा रहा है। योग में कैरियर बनाने के लिए एक अच्छा वक्ता होना बहुत जरूरी है जिससे प्रभावशाली ढंग से अपनी बातों को जनसमुदाय तक पहुंचाया जा सके। योग टीचर बनने के लिए योग के अष्टांगिक मार्ग के बारे में विस्तृत जानकारी अत्यंत आवश्यक है।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल कहते है योग की महत्ता प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में विद्यमान रही है। योग विधा को आगे बढ़ाने में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि अच्छा योगदान कर रहा है। यह प्रदेश का एकमात्र मुक्त विवि है जिसका कार्यक्षेत्र पूरा उत्तर प्रदेश है। योग आज बेहतर कैरियर ऑप्शन बन गया है। योग में कैरियर बनाने वालों को अच्छी सैलरी मिल रही है। प्राइवेट क्षेत्र में योग इंस्ट्रक्टर की संख्या बढ़ती जा रही है। मुक्त विवि इसके लिए सही प्रशिक्षण एवं लगातार प्रैक्टिस करने का अवसर प्रदान कर रहा है। प्रैक्टिस के अभाव में केवल किताबी ज्ञान से इस विधा में सफलता नहीं पाई जा सकती। आज बहुत से योग संस्थान खुल गए हैं, जहां प्रशिक्षित योग शिक्षकों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। बहुत से अस्पतालों में योग प्रशिक्षक रखे जा रहे हैं, जो बीमारी से ध्यान हटाने के लिए संगीतमय प्रस्तुति के साथ मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने का कार्य कर रहे हैं।

मुक्त विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र बताते हैं कि अभी तक जिन कार्यक्रमों को अत्यधिक लोकप्रियता मिली उसमें योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा) तथा योग में डिप्लोमा (डिप्लोमा इन योगा) कार्यक्रम सर्वाधिक लोकप्रिय रहे हैं। विश्वविद्यालय ने योग में प्रमाण पत्र कार्यक्रम (सर्टिफिकेट कोर्स इन योग) की शुरुआत सत्र 2003-2004 से महज तीन केंद्रों से की थी।

आज संपूर्ण प्रदेश में मुक्त विवि योग की शिक्षा देने वाले संस्थानों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक एवं योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षणार्थी योग की विभिन्न कलाओं में पारंगत हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल में योग की विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करती डॉक्यूमेंट्री छात्रों में काफी लोकप्रिय हो रही है।

www.sahajsatta | facebook.com/sahajsatta.allahabad

# सहजसत्ता

सत्य की सत्ता को समर्पित

वर्ष 12 अंक 361
पृष्ठ-8
प्रयागराज
मंगलवार, 16 जून 2020
मूल्य 1.00 रुपये मात्र

## मुक्त विवि के योग कार्यक्रम की प्रदेश में अग्रणी भूमिका

प्रयागराज, 15 जून (हि.स.)। योग दिवस की तैयारी में जुटा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहां से हजारों छात्र-छात्राएं योग में डिप्लोमा तथा सनतकोत्तर डिप्लोमा पूर्ण करके योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। पिछले सत्र से योग में एमए प्रारंभ होने के उपरांत छात्र-छात्राओं में गजब का उत्साह है। योग में सनतकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करके डिग्री कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर राष्ट्र के विकास का सपना साकार कर सकते हैं।

योग की शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिए मुक्त विवि ने विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया है। योग राष्ट्र के विकास में सहायक है। राष्ट्र के विकास का सपना युवा वर्ग को देखना चाहिए। हमें समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना है। योग साधना से योग साधकों के व्यक्तित्व, व्यवहार, भावनात्मक स्थायित्व तथा आत्मविश्वास में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने योग शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अभ्यास वर्ग का कार्यक्रम प्रारंभ कराया, जो काफी लोकप्रिय हो रहा है। अभ्यास वर्ग के साथ-साथ बौद्धिक सत्रों के आयोजन में प्रो. सिंह योग के माध्यम से जीवन जीने के विभिन्न आयामों की शिक्षा दे रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए योग में दो वर्षीय एमए कार्यक्रम के अंतर्गत योग के आधारभूत तत्व, हठयोग के सिद्धांत, योग क्रियात्मक, आहार एवं पोषण, मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान, पतंजलि योग सूत्र, योग चिकित्सा, श्रीमद्भागवत गीता एवं उपनिषद आदि का अध्ययन कराया जा रहा है। 80 क्रेडिट के इस कार्यक्रम को पूर्ण करने की न्यूनतम अवधि दो वर्ष तथा अधिकतम चार वर्ष है। एमए योगा में प्रवेश की न्यूनतम अह्ता सनतक होना अनिवार्य है। इसके साथ ही सनतक में एक विषय के रूप में योग को मान्यता दी गई है। एक तरफ जहां योग से संतुलित व्यक्तित्व प्राप्त होता है, वहीं शारीरिक और मानसिक आनंद की अनुभूति प्राप्त होती है। अभ्यास वर्ग हेतु केंद्र तथा तिथियों का निर्धारण क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक द्वारा प्रभारी क्षेत्रीय निदेशकों की सहमति से किया जाता है। आज व्यवस्थाएं पहले की अपेक्षा काफी सुधरी है। कोई कार्य इतना कठिन नहीं है कि उसका समाधान संभव न हो। परम कल्याण का मार्ग योग को माना जा रहा है।

---

# आज

प्रयागराज, मंगलवार १६ जून, २०२० सौर आषाढ़ २, आषाढ़ कृष्ण १०, सं. २०७७ वि.।

## मुक्त विवि के योग कार्यक्रम की प्रदेश में अग्रणी भूमिका

योग दिवस की तैयारी में जुटा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहां से हजारों छात्र-छात्राएं योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूर्ण करके योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। पिछले सत्र से योग में एमए प्रारंभ होने के उपरांत छात्र-छात्राओं में गजब का उत्साह है। योग में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करके डिग्री कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर राष्ट्र के विकास का सपना साकार कर सकते हैं। योग की शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिए मुक्त विवि ने विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया है। योग राष्ट्र के विकास में सहायक है। राष्ट्र के विकास का सपना युवा वर्ग को देखना चाहिए। हमें समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना है। योग साधना से योग साधकों के व्यक्तित्व, व्यवहार, भावनात्मक स्थायित्व तथा आत्मविश्वास में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने योग शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अभ्यास वर्ग का कार्यक्रम प्रारंभ कराया, जो काफी लोकप्रिय हो रहा है। [illegible] साथ-साथ बौद्धिक सत्रों के आयोजन में प्रो. सिंह योग के माध्यम से जीवन जीने के विभिन्न आयामों की शिक्षा दे रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए योग में दो वर्षीय एमए कार्यक्रम के अंतर्गत योग के आधारभूत तत्व, हठयोग के सिद्धांत, योग क्रियात्मक, आहार एवं पोषण, मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान, पतंजलि योग सूत्र, योग चिकित्सा, श्रीमद्भागवत गीता एवं उपनिषद आदि का अध्ययन कराया जा रहा है। ८० क्रेडिट के इस कार्यक्रम को पूर्ण करने की न्यूनतम अवधि दो वर्ष तथा अधिकतम चार वर्ष है। एमए योग में प्रवेश की न्यूनतम अर्हता स्नातक होना अनिवार्य है। इसके साथ ही स्नातक में एक विषय के रूप में योग को मान्यता दी गई है। मुक्त विवि [illegible] प्रशिक्षण एवं लगातार प्रैक्टिस करने का अवसर प्रदान कर रहा है। प्रैक्टिस के अभाव में केवल किताबी ज्ञान से इस विधा में सफलता नहीं पाई जा सकती। आज बहुत से योग संस्थान खुल गए हैं, जहां प्रशिक्षित योग शिक्षकों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। बहुत से अस्पतालों में योग प्रशिक्षक रखे जा रहे हैं, जो बीमारी से ध्यान हटाने के लिए संगीतमय प्रस्तुति के साथ मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने का कार्य कर रहे हैं। मुक्त विवि के योग प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र बताते हैं कि अभी तक जिन कार्यक्रमों को अत्यधिक लोकप्रियता मिली उसमें योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योग) तथा योग में डिप्लोमा (डिप्लोमा इन योग) कार्यक्रम सर्वाधिक लोकप्रिय रहे हैं। विश्वविद्यालय ने योग में प्रमाण पत्र कार्यक्रम (सर्टिफिकेट कोर्स इन योग) की शुरुआत सत्र २००३-२००४ से मात्र तीन केंद्रों से की थी। आज संपूर्ण प्रदेश में मुक्त विवि योग की शिक्षा देने वाले संस्थानों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक एवं योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षणार्थी योग की विभिन्न कलाओं में पारंगत हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल में योग की विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करती डाक्यूमेंट्री छात्रों में काफी लोकप्रिय हो रही है।

---

## घर बैठे पढ़ाई करने की सुविधा, ऑनलाइन प्रवेश शुरू

**● उप्र राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रारंभ ● प्रदेश के दूरस्थ शिक्षा के विवि में सौ से अधिक कोर्स में डिग्री और डिप्लोमा**

**मथुरा (छोटी सी बात)।** उप्र राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष जुलाई 2020-21 के शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। दूरस्थ शिक्षा के उत्तर प्रदेश के एक मात्र विवि में इस समय सौ से अधिक कोर्स में डिग्री व डिप्लोमा के साथ ही बीए, बीकाम, बीएससी, एमए, एमकाम व एमएससी घर पर रह कर की जा सकती है। साथ ही पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय, सूचना विज्ञान, योग, वेब टेक्नोलॉजी पंचायती राज, अंतोदय, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस आदि के भी कोर्स उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय से संबद्ध डीपी एजूकेशनल इंस्टीट्यूट चौमुंहा में प्रवेश शुरू हो गए हैं। उप्र राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की आगरा क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा सिंह ने गत दिवस विवि के आगरा परिक्षेत्र के सभी अनुबंधित शिक्षण संस्थाओं के प्रभारियों के साथ बैठक की। प्रवेश प्रक्रिया के बारे में निर्देश दिए। डा. रेखा सिंह ने बताया कि इस विवि से उन अभ्यर्थियों को सहूलियत मिल रही है जो किसी न किसी काम में जुटे हैं लेकिन पढ़ाई पूरी न कर पाने का उन्हे मलाल है। ऐसे लोग प्रवेश लें। उन्हे विवि से पाठय सामग्री समय समय पर मिलती है। समय से परीक्षाएं हो रही हैं व परिणाम आ रहे हैं।बैठक में डी पी एजूकेशनल इंस्टीट्यूट चौमुंहा के प्राचार्य डा. नवीन कुमार ने बताया कि ऑनलाइन प्रवेश लेने के बाद कोई भी छात्र किसी भी आयु में घर बैठे दूरस्थ शिक्षा के जरिए अपनी पसंद का पाठ्यक्रम पूरा कर डिग्री या डिप्लोमा हासिल कर सकता है। ये यूपी सरकार का एक मात्र दूरस्थ शिक्षा का विश्वविद्यालय है। इसमें 100 से अधिक पाठ्यक्रम में रुचि व अपनी स्कि ल के हिसाब से प्रवेश लिया जा रहा है। इस मुक्त विवि से उत्तीर्ण अभ्यर्थी हर वर्ष सरकारी नौकरी पा रहे हैं। प्राचार्य डा. नवीन कुमार ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी यूपीआरटीओयू. एन पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

---

## उ.प्र. राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रारंभ

**प्रदेश के दूरस्थ शिक्षा के विवि में सौ से अधिक कोर्स में डिग्री और डिप्लोमा, घर बैठे पढ़ाई करने की सुविधा**

मथुरा, (राजपथ मथुरा ब्यूरो)। उप्र राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष जुलाई 2020-21 के शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। दूरस्थ शिक्षा के उत्तर प्रदेश के एक मात्र विवि में इस समय सौ से अधिक कोर्स में डिग्री व डिप्लोमा के साथ ही बीए, बीकाम, बीएससी, एमए, एमकाम व एमएससी घर पर रह कर की जा सकती है। साथ ही पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय, सूचना विज्ञान, योग, वेब टेक्नोलॉजी पंचायती राज, अंतोदय, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस आदि के भी कोर्स उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय से संबद्ध डी पी एजूकेशनल इंस्टीट्यूट चौमुंहा में प्रवेश शुरू हो गए हैं। उप्र राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की आगरा क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा सिंह ने गत दिवस विवि के आगरा परिक्षेत्र के सभी अनुबंधित शिक्षण संस्थाओं के प्रभारियों के साथ बैठक की। डा. रेखा सिंह ने बताया कि इस विवि से उन अभ्यर्थियों को सहूलियत मिल रही है जो किसी न किसी काम में जुटे हैं लेकिन पढ़ाई पूरी न कर पाने का उन्हे मलाल है। ऐसे लोग प्रवेश लें। बैठक में डी पी एजूकेशनल इंस्टीट्यूट चौमुंहा के प्राचार्य डा. नवीन कुमार ने बताया कि आन लाइन प्रवेश लेने के बाद कोई भी छात्र किसी भी आयु में घर बैठे दूरस्थ शिक्षा के जरिए अपनी पसंद का पाठ्यक्रम पूरा कर डिग्री या डिप्लोमा हासिल कर सकता है। ये यूपी सरकार का एक मात्र दूरस्थ शिक्षा का विश्वविद्यालय है। प्राचार्य डा. नवीन कुमार ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी यूपीआरटीओयू एन पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश शुल्क केंद्र पर जमा कराया जा सकता है।

---

## जुलाई सत्र 2020 के लिए ऑनलाइन प्रवेश आरंभ

**नोएडा | संवाददाता**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र जुलाई 2020-21 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुरु हो गई है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक छात्र विभिन्न कोर्सों में दाखिला ले सकते है।

विश्वविद्यालय के नोएडा क्षेत्र की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ कविता त्यागी ने बताया कि प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के लिए नोएडा क्षेत्र के सभी 25 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश शुरू हो चुके हैं। दिल्ली एनसीआर नोएडा गाजियाबाद से लेकर हापुड़ , बुलन्दशहर, अलीगढ़ तक पांच जिले नोएडा क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं। प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी घर बैठे अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं ।

डॉ. कविता त्यागी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईटी सेल को और प्रभावी बनाया जा रहा है।

---

## उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रारंभ

### एमए योग व एम एमएससी बायोकेमिस्ट्री में प्रवेश प्रारम्भ

**एनपीटी ब्यूरो**

**बागपत।** मां अम्बा बालिका डिग्री कालिज, ग्वालीखेडा, बागपत के प्राचार्य डॉ राजीव गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित दूरस्थ शिक्षा के कोर्स बीए बीएससी एमए एमएससी, के लिए सत्र 2020 21 के प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। उन्होने बताया कि दूरस्थ शिक्षा के द्वारा 100 से अधिक कोर्स उपलब्ध है जिनमें एमए योग, एमए गृहविज्ञान, एमएससी बायोकेमिस्ट्री, स्टेटिक्स, न्यूट्रिशियन, डिप्लोमा इन योग, फैशन डिजाइनिंग, पत्रकारिता आदि के डिप्लोमो से विद्यार्थी अपने जीवन में उन्नति के रास्ते चुन सकते है। साथ ही लोकडाउन के चलते विद्यार्थी को कालिज आने की भी जरूरत नहीं है आनलाइन फार्म भरे, ओर जो भी समस्या हो ओनलाइन निराकरण किया जायेगा। पुस्तकें भी डाकदूवारा घर पर ही उपलब्ध होगी।।

---

## राजर्षि टंडन मुक्त विवि में भी अब प्रवेश का मौका

**नवाबगंज | हिन्दुस्तान संवाद**

नंदिनी नगर महाविद्यालय के अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. शत्रुधन सिंह ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के जुलाई सत्र की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। बताया विश्वविद्यालय द्वारा 105 पाठ्यक्रम संचालित है। जिसमें बीएससी, बीकॉम, एमबीए, डीसीए, एमसीए, पीजीडीसीए, लाइब्रेरी साइंस, पत्रकारिता, योगा में डिप्लोमा, कृषि डेयरी, डायटिशियन , न्यूट्रीशन, फ्रूट एंड वेजिटेबल डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में ऑनलाइन प्रवेश ले सकते हैं।

डॉ. शत्रुधन सिंह

इस सत्र से कोविड-19 में जागरूकता कार्यक्रम भी शुरू किया है। उन्होंने बताया प्रवेश फॉर्म विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर ऑनलाइन भरा जा सकता है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के घर पर पाठ्य सामग्री डाक द्वारा पहुंचाई जाती है। ऑनलाइन वीडियो क्लास के द्वारा काउंसलिंग की जाती है।

एमबीए और बीसीए में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। इसका परीक्षा फॉर्म भरा जा रहा है। जिसके अंतिम तिथि 28 जुलाई है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

# शैक्षिक तकनीकी के नवीन आयामों पर किया मंथन

प्रयागराज | निज संवाददाता

प्रो. केएन सिंह, कुलपति यूपीआरटीयू

इविवि के शिक्षा शास्त्र विभाग में शुक्रवार को शिक्षा एवं शोध में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी की भूमिका विषय पर वेबिनार हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. धनंजय यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। उद्घाटन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने किया।

इविवि के पूर्व कार्यवाहक कुलपति एवं पूर्व डीन आर्ट्स प्रो. पीके साहू ने विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। अमृतसर के गुरुनानक देव विश्वविद्यालय के प्रो. अमित कौट्स विचार व्यक्त किए। मदुरई कामराज मुक्त विवि के प्रो. ए मुथुमनिक्कम ने शैक्षिक तकनीकी के नवीन आयाम पर विस्तार से चर्चा किया। प्रो. यादव ने बताया कि यह विभाग के व्याख्यान का दूसरा सीरिज था। आगे भी इसी प्रकार के वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सरोज यादव, डॉ. प्रशांत ने किया। आयोजन समिति में डॉ. आकांक्षा सिंह एवं डॉ. रुचि दुबे शामिल रहीं। मंजुल द्विवेदी ने तकनीकी सहयोग दिया। समापन भाषण प्रो. पीके साहू एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सरोज यादव ने किया। प्रो. केएस मिश्र, प्रो. ऊषा मिश्रा के मार्ग दर्शन में वेबिनार का आयोज किया गया।

# घर एवं परिवार के साथ थीम पर योग दिवस मनाएगा मुक्त विश्वविद्यालय

**प्रयागराज।** मुक्त विश्वविद्यालय इस बार योग घर पर और परिवार के साथ थीम पर योग दिवस मनाएगा।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम एक संदेश साझा करती है कि कोविड-19 के दौरान लोगों को परिवार के साथ घर पर रहना चाहिए और योग करना चाहिए। मुविवि के योग परामर्शदाता एंड योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह 20, 21 एवं 22 जून को प्रातः 6:30 से 7:30 तक जूम लाइव के माध्यम से योग सत्र का आयोजन करेंगे। विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से 21 जून 2020 को पूर्वाहन 11 बजे गूगल एप पर अपर मुख्य सचिव, होमगार्ड विभाग, अनिल कुमार का योग और आनंद विषय पर व्याख्यान होगा।

लखनऊ, बरेली व मुरादाबाद से प्रकाशित
अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
लखनऊ, शनिवार, 20 जून 2020

# योग दिवस की तैयारी में जुटा मुक्त विश्वविद्यालय

अमृत विचार लखनऊ

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए कुछ खास तैयारियां कर रहा है। विश्वविद्यालय इस बार 'योग घर पर और परिवार के साथ योग' की थीम पर योग दिवस मनाएगा जिसमें न केवल विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी जुड़ेंगे वरन योग के विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित शिक्षार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम एक संदेश साझा करती है कि कोविड-19 के दौरान लोगों को परिवार के साथ घर पर रहना चाहिए और नियमित रूप से योग करना चाहिए।

मुक्त विवि के योग परामर्शदाता एंड योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह 20 21 एवं 22 जून प्रातः 6:30 से 7:30 तक सरकारी प्रोटोकॉल को फॉलो करते हुए जूम लाइव के माध्यम से योग सत्र का आयोजन करेंगे। इसी क्रम में विवि के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से 21 जून 2020 को पूर्वाहन 11 बजे गूगल मैप पर अनिल कुमार, अपर मुख्य सचिव, होमगार्ड विभाग, उत्तर प्रदेश शासन का 'योग और आनंद' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया है।विवि के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं परामर्शदाताओं से अपील की है कि कोरोना वायरस की महामारी के प्रसार से बचाव को दृष्टिगत रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 को पूर्वाहन में अपने निवास स्थान पर ही योगाभ्यास करें।

स्वतंत्र भारत
ई-पेपरः- swatantrabharat.net
लखनऊ: शनिवार, 20 जून 2020

# घर पर परिवार के साथ योग की तैयारी में जुटा मुक्त विश्वविद्यालय

## अपर मुख्य सचिव होमगार्ड्स देंगे योग पर व्याख्यान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारी कर ली है। मुक्त विश्वविद्यालय इस बार 'योग घर पर और परिवार के साथ योग' की थीम पर योग दिवस मनाएगा जिसमें न केवल विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी जुड़ेंगे वरन योग के विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित शिक्षार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम एक संदेश साझा करती है कि कोविड-१९ के दौरान लोगों को परिवार के साथ घर पर रहना चाहिए और नियमित रूप से योग करना चाहिए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि किसी भी शारीरिक व मानसिक समस्याओं से निकलने में योग सबसे अच्छी चिकित्सा में से एक हो सकता है। मुक्त विश्वविद्यालय के योग परामर्शदाता एंड योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह २० २१ एवं २२ जून २० को प्रातः ६.३० से ७.३० तक सरकारी प्रोटोकॉल को फालो करते हुए जूम लाइव के माध्यम से योग सत्र का आयोजन करेंगे। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से २१ जून २०२० को पूर्वाहन ११ बजे गूगल मैप पर अनिल कुमार, अपर मुख्य सचिव, होमगार्ड विभाग, उत्तर प्रदेश शासन का 'योग और आनंद' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह होंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा.अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं परामर्शदाताओं से अपील की है कि कोरोना वायरस की महामारी के प्रसार से बचाव को दृष्टिगत रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर २१ जून २० को पूर्वाहन में अपने निवास स्थान पर ही सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए योगाभ्यास करें।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, शनिवार, 20 जून 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

# घर पर परिवार के साथ योग की तैयारी में जुटा मुक्तविश्वविद्यालय,अपर मुख्य सचिव होमगार्ड्स देंगे योग पर व्याख्यान

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारी कर ली है। मुक्त विश्वविद्यालय इस बार "योग घर पर और परिवार के साथ योग" की थीम पर योग दिवस मनाएगा जिसमें न केवल विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी जुड़ेंगे वरन योग के विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित शिक्षार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम एक संदेश साझा करती है कि कोविड-19 के दौरान लोगों को परिवार के साथ घर पर रहना चाहिए और नियमित रूप से योग करना चाहिए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि किसी भी शारीरिक व मानसिक समस्याओं से निकलने में योग सबसे अच्छी चिकित्सा में से एक हो सकता है।

मुक्त विश्वविद्यालय के योग परामर्शदाता एंड योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह 20 21 एवं 22 जून 2020 को प्रातः 6:30 से 7:30 तक सरकारी प्रोटोकॉल को फॉलो करते हुए जूम लाइव के माध्यम से योग सत्र का आयोजन करेंगे।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से 21 जून 2020 को पूर्वाहन 11 बजे गूगल मैप पर श्री अनिल कुमार, अपर मुख्य सचिव, होमगार्ड विभाग, उत्तर प्रदेश शासन का "योग और आनंद" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह होंगे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं परामर्शदाताओं से अपील की है कि कोरोना वायरस की महामारी के प्रसार से बचाव को दृष्टिगत रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2020 को पूर्वाहन में अपने निवास स्थान पर ही सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए योगाभ्यास करें एवं उससे संबंधित वीडियो एवं फोटो विश्वविद्यालय के ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराएं।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहां से हजारों छात्र-छात्राएं योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूर्ण करके योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। पिछले सत्र से योग में एम ए प्रारंभ होने के उपरांत छात्र-छात्राओं में गजब का उत्साह है। योग में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करके डिग्री कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

योग की शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया है। योग राष्ट्र के विकास में सहायक है। राष्ट्र के विकास का सपना युवा वर्ग को देखना चाहिए। योग के माध्यम से युवा वर्ग यह सपना देख सकता है। हमें समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना है। योग साधना से योग साधकों के व्यक्तित्व, व्यवहार, भावनात्मक स्थायित्व तथा आत्मविश्वास में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने योग शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अभ्यास वर्ग का कार्यक्रम प्रारंभ कराया, जो कि काफी लोकप्रिय हो रहा है। अभ्यास वर्ग के साथ-साथ बौद्धिक सत्रों के आयोजन में प्रोफेसर सिंह योग के माध्यम से जीवन जीने

के विभिन्न आयामों की शिक्षा दे रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए योग में दो वर्षीय एम ए कार्यक्रम के अंतर्गत योग के आधारभूत तत्व, हठयोग के सिद्धांत, योग क्रियात्मक, आहार एवं पोषण, मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान, पतंजलि योग सूत्र, योग चिकित्सा, श्रीमद्भागवत गीता एवं उपनिषद आदि का अध्ययन कराया जा रहा है।

80 क्रेडिट के इस कार्यक्रम को पूर्ण करने की न्यूनतम अवधि 2 वर्ष तथा अधिकतम अवधि 4 वर्ष है। एम ए योगा में प्रवेश की न्यूनतम अर्हता स्नातक होना अनिवार्य है।

इसके साथ ही स्नातक में एक विषय के रूप में योग को मान्यता दी गई है। विश्वविद्यालय ने योग में विभिन्न प्रकृति के शैक्षिक कार्यक्रमों को इसीलिए प्रारंभ किया है कि विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि एवं विभिन्न आयु वर्ग के लोग इनको पूर्ण करके न केवल योग को अपने दैनंदिन का हिस्सा बना सकते हैं। बल्कि इसका लाभ समाज को भी दे सकते हैं।

एक तरफ जहां योग से संतुलित व्यक्तित्व प्राप्त होता है वहीं शारीरिक और मानसिक आनंद की अनुभूति प्राप्त होती है। अभ्यास वर्ग में सम्मिलित होने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को वांछित योगानुकूल दरी चादर आदि की व्यवस्था स्वयं के स्तर से करनी होती है तथा केंद्र पर निर्धारित समय पर उपस्थित होना रहता है। संबंधित विद्यार्थी अभ्यास वर्ग कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट से समय सारणी का अवलोकन करके करते हैं। अभ्यास वर्ग हेतु केंद्र तथा तिथियों का निर्धारण क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक द्वारा प्रभारी क्षेत्रीय निदेशकों की सहमति से किया जाता है।

आज व्यवस्थाएं पहले की अपेक्षा काफी सुधरी है। कोई कार्य इतना कठिन नहीं है कि उसका समाधान संभव न हो। परम कल्याण का मार्ग योग को माना जा रहा है।

योग में कैरियर बनाने के लिए एक अच्छा वक्ता होना बहुत जरूरी है जिससे प्रभावशाली ढंग से अपनी बातों को जनसमुदाय तक पहुंचाया जा सके। योग टीचर बनने के लिए योग के अष्टांगिक मार्ग के बारे में विस्तृत जानकारी अत्यंत आवश्यक है।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल कहते हैं योग की महत्ता प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में विद्यमान रही है। योग विद्या को आगे बढ़ाने में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अच्छा योगदान कर रहा है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय है जिसका कार्यक्षेत्र पूरा उत्तर प्रदेश है। मुक्त विश्वविद्यालय पूरे उत्तर प्रदेश में फैले हुए अध्ययन केंद्रों के माध्यम से योग शिक्षा के प्रचार-प्रसार द्वारा उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने में सहयोग कर रहा है। योग आज बेहतर कैरियर ऑप्शन बन गया है। योग में कैरियर बनाने वालों को अच्छी सैलरी मिल रही है। प्राइवेट क्षेत्र में योग इंस्ट्रक्टर की संख्या बढ़ती जा रही है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इसके लिए सही प्रशिक्षण एवं लगातार प्रैक्टिस करने का अवसर प्रदान कर रहा है। प्रैक्टिस के अभाव में केवल किताबी ज्ञान से इस विधा में सफलता नहीं पाई जा सकती। आज बहुत से योग संस्थान खुल गए हैं, जहां प्रशिक्षित योग शिक्षकों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। बहुत से अस्पतालों में योग प्रशिक्षक रखे जा रहे हैं, जो बीमारी से ध्यान हटाने के लिए संगीतमय प्रस्तुति के साथ मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने का कार्य कर रहे हैं। अनेक स्थानों पर योग प्रशिक्षकों की पहुंच बढ़ रही है। हाउसिंग सोसाइटी के साथ ही स्कूल एवं जिम में योग प्रशिक्षक अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र बताते हैं कि अभी तक जिन कार्यक्रमों को अत्यधिक लोकप्रियता मिली उसमें योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा) तथा योग में डिप्लोमा (डिप्लोमा इन योगा) कार्यक्रम सर्वाधिक लोकप्रिय रहे हैं। विश्वविद्यालय ने योग में प्रमाण पत्र कार्यक्रम (सर्टिफिकेट कोर्स इन योग) की शुरुआत सत्र 2003-2004 से महज तीन केंद्रों से की थी। आज संपूर्ण प्रदेश में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग की शिक्षा देने वाले संस्थानों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक एवं योग परामर्शदाता श्री अमित कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षणार्थी योग की विभिन्न कलाओं में पारंगत हो रहे हैं। विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल में योग की विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करती डॉक्यूमेंट्री छात्रों में काफी लोकप्रिय हो रही है।

# अमृत प्रभात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 42 | अंक : 184 | प्रयागराज, शनिवार 20 जून, 2020 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये


## घर पर परिवार के साथ योग की तैयारी में जुटा मुक्त विश्वविद्यालय

### अपर मुख्य सचिव होमगाड्र्स देंगे योग पर व्याख्यान

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारी कर ली है। मुक्त विश्वविद्यालय इस बार योग घर पर और परिवार के साथ योग की थीम पर योग दिवस मनाएगा जिसमें न केवल विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी जुड़ेंगे वरन योग के विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित शिक्षार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम एक संदेश साझा करती है कि कोविड-19 के दौरान लोगों को परिवार के साथ घर पर रहना चाहिए और नियमित रूप से योग करना चाहिए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि किसी भी शारीरिक व मानसिक समस्याओं से निकलने में योग सबसे अच्छी चिकित्सा में से एक हो सकता है। मुक्त विश्वविद्यालय के योग परामर्शदाता एंड योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह 20 21 एवं 22 जून को प्रातः 6:30 से 7:30 तक सरकारी प्रोटोकॉल को फॉलो करते हुए जूम लाइव के माध्यम से योग सत्र का आयोजन करेंगे। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से 21 जून को पूर्वाहन 11 बजे गूगल मैप पर अनिल कुमार, अपर मुख्य सचिव, होमगार्ड विभाग, उत्तर प्रदेश शासन का योग और आनंदश विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह होंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं परामर्शदाताओं से अपील की है कि कोरोना वायरस की महामारी के प्रसार से बचाव को दृष्टिगत रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2020 को पूर्वाहन में अपने निवास स्थान पर ही सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए योगाभ्यास करें एवं उससे संबंधित वीडियो एवं फोटो विश्वविद्यालय के ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराएं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहां से हजारों छात्र-छात्राएं योग में डिप्लोमा तथा सनतकोत्तर डिप्लोमा पूर्ण करके योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे है। पिछले सत्र से योग में एम ए प्रारंभ होने के उपरांत छात्र-छात्राओं में गजब का उत्साह है। योग में सनतकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करके डिग्री कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते है। स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल कहते है योग की महत्ता प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में विद्यमान रही है। योग विधा को आगे बढ़ाने में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अच्छा योगदान कर रहा है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय है जिसका कार्यक्षेत्र पूरा उत्तर प्रदेश है। मुक्त विश्वविद्यालय पूरे उत्तर प्रदेश मे फैले हुए अध्ययन केंद्रों के माध्यम से योग शिक्षा के प्रचार-प्रसार द्वारा उच्च शिक्षा के सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने में सहयोग कर रहा है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र बताते है कि अभी तक जिन कार्यक्रमों को अत्यधिक लोकप्रियता मिली उसमे योग मे सनतकोत्तर डिप्लोमा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा) तथा योग में डिप्लोमा (डिप्लोमा इन योगा) कार्यक्रम सर्वाधिक लोकप्रिय रहे है। विश्वविद्यालय ने योग मे प्रमाण पत्र कार्यक्रम (सर्टिफिकेट कोर्स इन योग) की शुरुआत सत्र 2003-2004 से महज तीन केंद्रो से की थी। आज संपूर्ण प्रदेश मे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग की शिक्षा देने वाले संस्थानों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक एवं योग परामर्शदाता श्री अमित कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षणार्थी योग की विभिन्न कलाओं मे पारंगत हो रहे है। विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल मे योग की विभिन्न आयामो को प्रदर्शित करती डॉक्यूमेंट्री छात्रो मे काफी लोकप्रिय हो रही है।

---


www.sahajsatta.in | facebook.com/sahajsatta.allahabad

# सहजसत्ता
सत्य की सत्ता को समर्पित


## घर पर परिवार के साथ योग की तैयारी में जुटा मुक्त विवि

प्रयागराज, 19 जून (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारी कर ली है। इस बार मुक्त विवि 'योग घर पर और परिवार के साथ योग' की थीम पर योग दिवस मनाएगा। जिसमें न केवल विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी जुड़ेंगे वरन योग के विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित शिक्षार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम एक संदेश साझा करती है कि कोविड-19 के दौरान लोगों को परिवार के साथ घर पर रहना चाहिए और नियमित रूप से योग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी शारीरिक व मानसिक समस्याओं से निकलने में योग सबसे अच्छी चिकित्सा में से एक हो सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, अधिकारियों, प्राध्यापकों एवं परामर्शदाताओं से अपील की है कि कोरोना महामारी के प्रसार से बचाव को दृष्टिगत रखते हुए अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अपने निवास पर ही सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए योगाभ्यास करें एवं उससे सम्बंधित वीडियो एवं फोटो विश्वविद्यालय के ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराएं।

---

## उ.प्र. राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रारंभ

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**बागपत।** मां अम्बा बालिका डिग्री कालिज के प्राचार्य डा. राजीव गुप्ता ने बताया कि उ.प्र. राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा संचा. लित दूरस्थ शिक्षा के कोर्स बीए बीएससी एमए एमएससी, के लिए सत्र 2020-21 के प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। दूरस्थ शिक्षा के द्वारा 100 से अधिक कोर्स उपलब्ध है जिनमें एमए योग, एमए गृहविज्ञान, एमएससी बायोकेमिस्ट्री, स्टेटिक्स, न्यूट्रिशियन, डिप्लोमा इन योग, फैशन डिजाइनिंग, पत्रकारिता आदि के डिप्लोमो से विद्यार्थी अपने जीवन में उन्नति के रास्ते चुन सकते है। साथ ही लॉकडाउन के चलते विद्यार्थी को कालिज आने की भी जरूरत नहीं है। आनलाइन फार्म भरे, ओर जो भी समस्या हो ऑनलाइन निराकरण किया जायेगा। पुस्तकें भी डाक द्वारा घर पर ही उपलब्ध कराई जाएगी।

---

## उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र जुलाई 2020–21 के लिए प्रवेश प्रारम्भ - डा० पूनम गर्ग

मेरठ संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजश्री टडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में जुलाई 2020–21 के शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रारम्भ हो गये हैं। दूरस्थ शिक्षा के उत्तर प्रदेश के एकमात्र विश्वविद्यालय में इस बार सौ से अधिक कोर्स में डिग्री एव डिप्लोमा के साथ बीए, बीकाम, बीएससी, एमए, एमएससी भी घर पर रहकर ही की जा सकती है, साथ ही पत्रकारितां,जनसचार पुस्तकालय सूचना विज्ञान, योग, वेब टेक्नोलॉजी, पंचयती राज, अंतोदय, जैविक खेती, बागवानी, फैशन डिजाईनिग फोरेंसिक साईंस आदि के कोर्स भी उपलब्ध हैं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टडन मुक्त विश्वविद्यालय की मेरठ क्षेत्रीय समन्वयक डा० पूनम गर्ग ने बताया कि मेरठा परिक्षेत्र के सभी अनुबंधित अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य व समन्वयकों को दूरभाष, व्हाटसप ग्रुप के माध्यम से सूचना दी जा चुकी है, और सभी केन्द्रों से निरन्तर सम्पर्क जारी है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय के कोर्सो का वो सभी विद्यार्थी लाभ पा रहे है जो दूरदराज होने के कारण शिक्षा से वचित रह जाते है, अब वो कही भी रहकर शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में सचालित सभी पाठ्यक्रमों की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर ऑनलाईन उपलब्ध रहती है, जिसके तहत विद्यार्थी पाठ्यक्रम से लेकर पुस्तके तक वही प्राप्त कर सकता है जहॉं पर वह कार्यरत है। ,

डा० पूनम गर्ग ने बताया कि विद्यार्थी क्षेत्रीय कार्यालय से भी निर्धारित मोबाईल नम्बरो पर कोई भी सूचना प्राप्त कर सकते है, जिसको जहॉं भी समस्या उत्पन्न होती है, उसका निराकरण आनलाईन अथवा दूरभाष द्वारा कराया जायेगा।

---


हिन्दी दैनिक R.N.I. NoUPHIN/2015/60403

# शिव इण्डिया टाइम्स
नजरिया तरक्की का

वर्ष : 06 | अंक : 169 | अमेठी , शनिवार 20 जून 2020 | प्रात: कालीन | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपया


## घर पर परिवार के साथ योग की तैयारी में जुटा मुक्तविश्वविद्यालय

### अपर मुख्य सचिव होमगाईस देंगे योग पर व्याख्यान

ब्यूरो प्रतापगढ़,प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ जनपद जिले के उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारी कर ली है। मुक्त विश्वविद्यालय

इस बार श्योग घर पर और परिवार के साथ योगश की थीम पर योग दिवस मनाएगा जिसमें न केवल विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी जुड़ेंगे वरन योग के विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित शिक्षार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम एक संदेश साझा करती है कि कोविड–19 के दौरान लोगों को परिवार के साथ घर पर रहना चाहिए और नियमित रूप से योग करना चाहिए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि किसी भी शारीरिक व मानसिक समस्याओं से निकलने में योग सबसे अच्छी चिकित्सा में से एक हो सकता है। मुक्त विश्वविद्यालय के योग परामर्शदाता एंड योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह 20 21 एवं 22 जून 2020 को प्रातः 6रू30 से 7रू30 तक सरकारी प्रोटोकॉल को फॉलो करते हुए जूम लाइव के माध्यम से योग सत्र का आयोजन करेंगे। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से 21 जून 2020 को पूर्वाहन 11 बजे गूगल मैप पर श्री अनिल कुमार, अपर मुख्य सचिव, होमगार्ड विभाग, उत्तर प्रदेश शासन का श्योग और आनंद विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के एन सिंह होंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सभी निदेशकों, अधिकारियों, प्राव्यापकों एवं परामर्शदाताओं से अपील की है कि कोरोना वायरस की महामारी के प्रसार से बचाव को दृष्टिगत रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2020 को पूर्वाहन में अपने निवास स्थान पर ही सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए योगाभ्यास करें एवं उससे संबंधित वीडियो एवं फोटो विश्वविद्यालय के ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराएं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यहां से हजारों छात्र–छात्राएं योग में डिप्लोमा तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूर्ण करके योग में शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। पिछले सत्र से योग में एम ए प्रारंभ होने के उपरांत छात्र–छात्राओं में गजब का उत्साह है। योग में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करके डिग्री कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। योग की शिक्षा को व्यावहारिक आयाम देने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने विगत सत्र से अभ्यास वर्ग शुरू किया है। योग राष्ट्र के विकास में सहायक है। राष्ट्र के विकास का सपना युवा वर्ग को देखना चाहिए। योग के माध्यम से युवा वर्ग यह सपना देख सकता है। हमें समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना है। योग साधना से योग साधकों के व्यक्तित्व, व्यवहार, भावनात्मक स्थायित्व तथा आत्मविश्वास में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने योग शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अभ्यास वर्ग का कार्यक्रम प्रारंभ कराया, जो कि काफी लोकप्रिय हो रहा है। अभ्यास वर्ग के साथ–साथ बौद्धिक सत्रों के आयोजन में प्रोफेसर सिंह योग के माध्यम से जीवन जीने के विभिन्न आयामों की शिक्षा दे रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए योग में दो वर्षीय एम ए कार्यक्रम के अंतर्गत योग के आधारभूत तत्व, हठयोग के सिद्धांत, योग क्रियात्मक, आहार एवं पोषण, मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान, पतंजलि योग सूत्र, योग चिकित्सा, श्रीमद्भागवत गीता एवं उपनिषद आदि का अध्ययन कराया जा रहा है।

80 क्रेडिट के इस कार्यक्रम को पूर्ण करने की न्यूनतम अवधि 2 वर्ष तथा अधिकतम अवधि 4 वर्ष है। एम ए योगा में प्रवेश की न्यूनतम अर्हता स्नातक होना अनिवार्य है। इसके साथ ही स्नातक में एक विषय के रूप में योग को मान्यता दी गई है। विश्वविद्यालय ने योग में विभिन्न प्रकृति के शैक्षिक कार्यक्रमों को इसीलिए प्रारंभ किया है कि विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि एवं विभिन्न आयु वर्ग के लोग इनको पूर्ण करके न केवल योग को अपने दैनंदिन का हिस्सा बना सकते हैं। बल्कि इसका लाभ समाज को भी दे सकते हैं। एक तरफ जहां योग से संतुलित व्यक्तित्व प्राप्त होता है वहीं शारीरिक और मानसिक आनंद की अनुभूति प्राप्त होती है।

# मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

*हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां*

20 जून, 2020

*स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण लेते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर कामेश्वर नाथ सिंह जी तथां साथ में अग्निशमन अधिकारी श्री लाल जी गुप्ता*

## अग्निशमन विभाग ने किया मुक्त विश्वविद्यालय में मॉक ड्रिल

### आग से बचाव को लगाया गया फायर हाइड्रेंट सिस्टम

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मुख्यालय में दिनांक 20 जून, 2020 को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया।

आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए।

कुलपति प्रोफ़ेसर कामेश्वर नाथ सिंह के कुशल निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी श्री लाल जी गुप्ता द्वारा सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके संचालन संबंधी जानकारी दी गई।

स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया तथा सभी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक श्री राम वृक्ष चंचल एवं श्री साबिर अली आदि उपस्थित रहे।

***स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण*** *लेते हुए* ***कुलपति प्रोफ़ेसर कामेश्वर नाथ सिंह*** *जी*
*तथां साथ में* ***अग्निशमन अधिकारी श्री लाल जी गुप्ता***

***अग्निशमन विभाग*** *द्वारा* ***प्रशिक्षण*** *लेते हुए विश्वविद्यालय  के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारीगण*

***अग्निशमन विभाग** द्वारा **प्रशिक्षण** लेते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारीगण*

# मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

20 जून, 2020

## सैनिकों के बलिदान पर मुक्त विश्वविद्यालय ने शोक व्यक्त किया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने भारत,-चीन सीमा पर स्थित गलवान घाटी में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के बलिदान पर गहरा शोक व्यक्त किया। विश्वविद्यालय में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए शनिवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिकों के बलिदान से विश्वविद्यालय परिवार अति मर्माहत है। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा तथा उनके शुभेच्छुओं एवं पारिवारिक जनों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

www.sahajsatta.in | facebook.com/sahajsatta.allahabad | twitter.com/sahajsattaalla1

# सहजसत्ता

सत्य की सत्ता को समर्पित

वर्ष 13 अंक 05
पृष्ठ-8
प्रयागराज
रविवार, 21 जून 2020
मूल्य 1.00 रुपये मात्र

## अग्निशमन विभाग ने किया मुक्त विवि में मॉक ड्रिल

प्रयागराज, 20 जून (हि.स)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मुख्यालय में शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया।

आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था सम्बंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी लालजी गुप्ता ने सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के सम्बंध में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उसके संचालन की जानकारी दी।

स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया तथा सभी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ. एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डॉ.अनिल सिंह भदौरिया, मीडिया प्रभारी डॉ.प्रभात चंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक राम वृक्ष चंचल एवं साबिर अली आदि उपस्थित रहे।

---

### STAR INDIA NEWS 24

**अग्निशमन विभाग ने किया मुक्त विश्वविद्यालय में मॉक ड्रिल**

**आग से बचाव को लगाया गया फायर हाइड्रेंट सिस्टम**

**प्रयागराज 20 जून स्टार इंडिया न्यूज़ 24**

**कुलदीप शुक्ला**

जउत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मुख्यालय में शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया।
आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए।
कुलपति प्रोफ़ेसर कामेश्वर नाथ सिंह के कुशल निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी श्री लाल जी गुप्ता द्वारा सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके संचालन संबंधी जानकारी दी गई। स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया तथा सभी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक श्री राम वृक्ष चंचल एवं श्री साबिर अली आदि उपस्थित रहे।

---

### STAR INDIA NEWS 24

**सैनिकों के बलिदान पर मुक्त विश्वविद्यालय ने व्यक्त किया शोक**

**प्रयागराज 20 जून स्टार इंडिया न्यूज़ 24**

**कुलदीप शुक्ला**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने भारत,-चीन सीमा पर स्थित गलवान घाटी में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के बलिदान पर गहरा शोक व्यक्त किया। विश्वविद्यालय में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए शनिवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिकों के बलिदान से विश्वविद्यालय परिवार अति मर्माहत है। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा तथा उनके शुभेच्छुओं एवं पारिवारिक जनों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

---

हिन्दी दैनिक

# इलाहाबाद एक्सप्रेस

## अग्निशमन विभाग ने किया मुक्त विवि में मॉक ड्रिल

**आग से बचाव को लगाया गया फायर हाइड्रेंट सिस्टम**

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मुख्यालय में शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया।

आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था सम्बंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी लालजी गुप्ता ने सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के सम्बंध में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उसके संचालन की जानकारी दी।

स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया तथा सभी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ. एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डॉ.अनिल सिंह भदौरिया, मीडिया प्रभारी डॉ.प्रभात चंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक राम वृक्ष चंचल एवं साबिर अली आदि उपस्थित रहे।

---

रविवारीय

# स्वतंत्र भारत

प्रकाशन का 73वां वर्ष

epaper: swatantrabharat.net | लखनऊ, कानपुर और दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष 73 | अंक 302 | नगर संस्करण* | पृष्ठ 16 | मूल्य 3.00 रुपये

## अग्निशमन विभाग ने किया मुविवि में मॉक ड्रिल

**आग से बचाव को लगाया गया फायर हाइड्रेंट सिस्टम**

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मुख्यालय में आज शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया। आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए। कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह के कुशल निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी श्री लाल जी गुप्ता द्वारा सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके संचालन संबंधी जानकारी दी गई। स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया तथा सभी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा। इस अवसर पर कुलसचिव डा.अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डा.एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डा.अनिल सिंह भदौरिया, मीडिया प्रभारी डा.प्रभात चंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक राम वृक्ष चंचल एवं साबिर अली आदि उपस्थित रहे।

---

# दैनिक जागरण

inext

NEXT CITY FOCUS

## ओपन यूनिवर्सिटी में अग्नि सुरक्षा संयंत्र का डिमांसट्रेशन

**PRAYAGRAJ (20 June):** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय मुख्यालय में शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अगनिशमन विभाग द्वारा किया गया. विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया. आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अगनिशमन यंत्र स्थापित किए गए.

कुलपति प्रोफ़ेसर कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया. अग्निशमन अधिकारी लाल जी गुप्ता द्वारा सभी व्यवस्थापित सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके संचालन संबंधी जानकारी दी गई. कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, अजय कुमार सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ एस कुमार, डॉ अनिल सिंह भदौरिया, डॉ प्रभात चंद्र मिश्रआदि उपस्थित रहे.

प्रयागराज, रविवार
21 जून, 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 18

# दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

जान के साथ जेब को भी स्वस्थ बना रहा दवा उद्योग 15 गांगुली ने विदेशी सरजमीं पर जीत के लिए प्रेरित किया 16



## योग में डिप्लोमा के बाद अब डिग्री पर 'ध्यान'

गुरुदीप त्रिपाठी, प्रयागराज

**देश-विदेश** में योग के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच अब युवा योग की पढ़ाई के लिए भी तेजी से आगे आ रहे हैं। वह योग के जरिये न सिर्फ रोग को मात देंगे बल्कि तमाम नई संभावनाएं भी तलाश रहे हैं। इसी का नतीजा है अनवरत योग में दाखिले का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। इसकी बानगी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में देखने को मिल रही है।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 21 जून को विश्व योग दिवस घोषित किया गया। इसमें सेहत के साथ ही रोजगार की संभावनाएं भी हैं। यही वजह है कि योग के लिए डिप्लोमा के बाद युवाओं का रुझान डिग्री की तरफ भी बढ़ने लगा है। मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष 2017 में जब योग को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया तो आवेदन की संख्या भी बढ़ती ही गई। विश्वविद्यालय से विशेषज्ञता हासिल करने के बाद तमाम युवाओं ने रोजगार के दरवाजे खोल लिए। पिछले वर्ष मुविवि योग में डिग्री देने वाला सूबे का पहले संस्थान का तमगा हासिल किया।

### योग दिवस पर विशेष

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योग में दाखिले की होड़
- योग में रोजगार की तमाम संभावनाओं को भी तलाश रहे युवा

योग से युवा अपनी सेहत सुधारने के साथ रोजगार के तमाम अवसर पैदा कर सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से लगातार समाज को शिक्षित और रोजगार देने का प्रयास कर रहा है। इसमें सफलता भी हासिल हो रही है।

**प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह,** कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय

### मुक्त विश्वविद्यालय में योग के पाठ्यक्रम

| कोर्स | दाखिले की संख्या |
|---|---|
| **2017-18 (जुलाई सत्र)** | |
| यूजी डिप्लोमा | 3714 |
| पीजी डिप्लोमा | 7743 |
| सर्टिफिकेट कोर्स | 839 |
| **2017-18 (जनवरी सत्र)** | |
| यूजी डिप्लोमा | 535 |
| पीजी डिप्लोमा | 1803 |
| सर्टिफिकेट कोर्स | 46 |
| **2018-19 (जुलाई सत्र)** | |
| यूजी डिप्लोमा | 6640 |
| पीजी डिप्लोमा | 21824 |
| सर्टिफिकेट कोर्स | 141 |
| **2018-19 (जनवरी सत्र)** | |
| यूजी डिप्लोमा | 835 |
| पीजी डिप्लोमा | 2980 |
| सर्टिफिकेट कोर्स | 12 |
| **2019-20** | |
| यूजी डिप्लोमा | 1654 |
| पीजी डिप्लोमा | 7571 |
| सर्टिफिकेट कोर्स | 40 |
| एमए | 1336 |

**विस्तृत खबर के लिए देखें**
https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_allahabad-city-news-hindi.html

हिन्दी दैनिक R.N.I. NoUPHIN/2015/60403

# शिव इण्डिया टाइम्स

नजरिया तरक्की का

वर्ष : 06 अंक : 170 अमेठी, रविवार 21 जून 2020 प्रातः कालीन पृष्ठ : 8 मूल्य : 2 रुपया

## अग्निशमन विभाग ने किया मुक्तविश्वविद्यालय में मॉक ड्रिल

### आग से बचाव को लगाया गया फायर हाइड्रेंट सिस्टम

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज जनपद,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मुख्यालय में शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया।

आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए।कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के कुशल निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी श्री लाल जी गुप्ता द्वारा सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके संचालन संबंधी जानकारी दी गई।

स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया तथा सभी व्यवस्थाओं को जांचा–परखा।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया,

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक श्री राम वृक्ष चंचल एवं श्री साबिर अली आदि उपस्थित रहे।

रविवासरीय

# हिन्दुस्तान

विश्व योग दिवस आज

तरक्की को चाहिए नया नजरिया



कैंपस

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मुख्यालय में शनिवार को स्थायी अग्नि सुरक्षा उपायों का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग की ओर से किया गया।

## मुक्त विवि में आग से बचाव के हुए इंतजाम

**प्रयागराज।** राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मुख्यालय में शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा उपायों का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग की ओर से किया गया। आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए। इस मौके पर सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए आग से बचाव का प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, अग्निशमन अधिकारी लाल जी गुप्ता, कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ. एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डॉ. अनिल सिंह भदौरिया, मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक राम वृक्ष चंचल एवं साबिर अली उपस्थित थे।

R.N.I. UPHIN/2012/52437
जुनून है सच लिखने का
डाक पंजीयन संख्या:- एल-2/9/पीजी/एसीओ/119/15/-17
वर्ष : 06 अंक : 261
प्रयागराज, रविवार,
21 , जून, 2020
पृष्ठ - 8
मूल्य : 1 रुपये
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक

## सैनिकों के बलिदान पर मुक्त विश्वविद्यालय ने शोक व्यक्त किया

संवाददाता / प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने भारत,-चीन सीमा पर स्थित गलवान घाटी में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के बलिदान पर गहरा शोक व्यक्त किया। विश्वविद्यालय में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए शनिवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिकों के बलिदान से विश्वविद्यालय परिवार अति मर्माहत है। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा तथा उनके शुभेच्छुओं एवं पारिवारिक जनों को इस दुरूख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

RNI No.-UPHIN/2012/44803
हिन्दी दैनिक
Email : harbaatfp@gmail.com
हरबात
आपके साथ
वर्ष : 09 अंक : 152 फतेहपुर, रविवार, 21 जून, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

## सैनिकों के बलिदान पर मुक्त विश्वविद्यालय ने शोक व्यक्त किया

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने भारत,-चीन सीमा पर स्थित गलवान घाटी में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के बलिदान पर गहरा शोक व्यक्त किया। विश्वविद्यालय में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए शनिवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिकों के बलिदान से विश्वविद्यालय परिवार अति मर्माहत है। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा तथा उनके शुभेच्छुओं एवं पारिवारिक जनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सदभावना का प्रतीक

## सैनिकों के बलिदान पर मुक्त विश्वविद्यालय ने शोक व्यक्त किया

**सदभावना का प्रतीक समाचार**

**प्रयागराज/प्रतापगढ़।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने भारत,-चीन सीमा पर स्थित गलवान घाटी में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के बलिदान पर गहरा शोक व्यक्त किया। विश्वविद्यालय में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए शनिवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिकों के बलिदान से विश्वविद्यालय परिवार अति मर्माहत है। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

आज
website : www.ajhindidaily.com www.ajhindidaily.in
प्रयागराज, रविवार 21 जून 2020

## अग्निशमन विभागने मुक्त विश्वविद्यालय में किया माक ड्रिल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मुख्यालय में शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया। आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रैंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के कुशल निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी लालजी गुप्ता द्वारा सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके संचालन संबंधी जानकारी दी गई। स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर माक ड्रिल किया तथा सभी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा। इस अवसर पर कुलसचिव डा. अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डा. एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डा. अनिल सिंह भदौरिया, मीडिया प्रभारी डा. प्रभातचंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक रामवृक्ष चंचल एवं साबिर अली आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
DAVP से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
सदभावना का प्रतीक
वर्ष -10, अंक 49 बस्ती, रविवार 21 जून 2020, पृष्ठ - 8, मूल्य - 1.50 R.N.I. No. : UPH

## अग्निशमन विभाग ने किया मुक्त विश्वविद्यालय में मॉक ड्रिल

**सदभावना का प्रतीक समाचार**

**प्रयागराज प्रतापगढ़।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मुख्यालय में शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया।

आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के कुशल निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी श्री लाल जी गुप्ता द्वारा सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके संचालन संबंधी जानकारी दी गई। स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया तथा सभी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक श्री राम वृक्ष चंचल एवं श्री साबिर अली आदि उपस्थित रहे।

RNI No.-UPHIN/2012/44803
हिन्दी दैनिक
Email : harbaatfp@gmail.com
हरबात
आपके साथ
वर्ष : 09 अंक : 152 फतेहपुर, रविवार, 21 जून, 2020, पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

## अग्निशमन विभाग ने किया मुक्त विश्वविद्यालय में मॉक ड्रिल

हर बात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मुख्यालय में शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया। आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए।कुलपति प्रोफ़ेसर कामेश्वर नाथ सिंह के कुशल निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी लाल जी गुप्ता द्वारा सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके संचालन संबंधी जानकारी दी गई। स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया तथा सभी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा।इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक राम वृक्ष चंचल एवं साबिर अली आदि उपस्थित रहे।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, सोमवार , 22 जून 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

## सैनिकों के बलिदान पर मुक्त विश्वविद्यालय ने शोक व्यक्त किया

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने भारत,–चीन सीमा पर स्थित गलवान घाटी में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के बलिदान पर गहरा शोक व्यक्त किया। विश्वविद्यालय में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए शनिवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिकों के बलिदान से विश्वविद्यालय परिवार अति मर्माहत है। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा तथा उनके शुभेच्छुओं एवं पारिवारिक जनों को इस दुरूख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
प्रयागराज, सोमवार, 22 जून 2020 विक्रम संवत 2076 प्रात: संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08

# अग्निशमन विभाग ने मुक्तविश्वविद्यालय में किया मॉक ड्रिल

## आग से बचाव को लगाया गया फायर हाइड्रेंट सिस्टम

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मुख्यालय में शनिवार को स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण अग्निशमन विभाग द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला भी स्थापित की गई और सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया। आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए। कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के कुशल निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यशाला की स्थापना एवं आग से बचाव हेतु प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी श्री लाल जी गुप्ता द्वारा सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में

विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके संचालन संबंधी जानकारी दी गई। स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया तथा सभी व्यवस्थाओं को जांचा–परखा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठ्य सामग्री प्रभारी डॉ एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डॉ अनिल सिंह भदौरिया, मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक श्री राम वृक्ष चंचल एवं श्री साबिर अली आदि उपस्थित रहे।

R.N.I. UPHIN/2012/52437
जुनून है सच लिखने का
डाक पंजीयन सख्या:- एल-2/9/एजि0/एडी0/119/15/-17
वर्ष : 06 अंक : 262
प्रयागराज, सोमवार, 22 , जून, 2020
पृष्ठ - 8
मूल्य : 1 रुपये
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक
सोमवार, 22 जून 2020 प्रयागराज

# UPRT मुक्त विश्वविद्यालय में योग का दाखिला लेकर रोजगार की संभावना तलाश रहे युवा

संवाददाता/प्रयागराज।। देश–विदेश में योग के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच अब युवा योग की पढ़ाई के लिए भी तेजी से आगे आ रहे हैं। वह योग के जरिये न सिर्फ रोग को मात देंगे बल्कि तमाम नई संभावनाएं भी तलाश रहे हैं। इसी का नतीजा है अनवरत योग में दाखिले का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। इसकी बानगी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में देखने को मिल रही है।

मुविवि ने योग में डिग्री देने वाला सूबे का पहले संस्थान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 21 जून को विश्व योग दिवस घोषित किया गया है। इसमें सेहत के साथ ही रोजगार की संभावना भी हैं। यही वजह है कि योग के लिए डिप्लोमा के बाद युवाओं का रुझान डिग्री की तरफ भी बढ़ने लगा है। मुक्त विश्वविद्यालय में वर्ष 2017 में जब योग को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया तो आवेदन की संख्या भी बढ़ती ही गई। विश्वविद्यालय से विशेषज्ञता हासिल करने के बाद तमाम युवाओं ने रोजगार के दरवाजे खोल लिए। पिछले वर्ष मुविवि योग में डिग्री देने वाला सूबे का पहले संस्थान का तमगा हासिल किया। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो कामेश्वर नाथ सिंह कहते हैं कि योग से युवा अपनी सेहत सुधारने के साथ रोजगार के तमाम अवसर पैदा कर सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से लगातार समाज को शिक्षित और रोजगार देने का प्रयास कर रहा है। इसमें सफलता भी हासिल हो रही है।

SUNDAY 21.06.2020 उत्तर प्रदेश amarujala.com
अमर उजाला
अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज
अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth amarujala.com प्रयागराज | रविवार, 21 जून 2020 8

# मुक्त विवि में लगा फायर हाईड्रेंट सिस्टम

प्रयागराज। अग्निशमन विभाग ने शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अग्नि सुरक्षा संयंत्र का निरीक्षण एवं परीक्षण किया। इस दौरान एक कार्यशाला भी हुई, जिसमें अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही आग से बचाव के कुछ फायर हाईड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम एवं अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए। इस दौरान कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

## सैनिकों को दी गई श्रद्धांजलि

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में भारत-चीन बॉर्डर पर शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान सभी ने दो मिनट के लिए मौन रखा। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिकों के बलिदान से विश्वविद्यालय परिवार अति मर्माहत है।

दैनिक जागरण
www.jagran.com
जान के साथ जेब को भी स्वस्थ बना रहा दवा उद्योग 15 गांगुली ने विदेशी सरजमीं पर जीत के लिए प्रेरित किया 16
6 दैनिक जागरण रविवार 21 जून 2020 प्रयागराज जागरण www.jagran.com

# वर्तमान में रहने से जीवन में आती है खुशहाली : अमित

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : हम वर्तमान में रहते हैं तो खुश रहते हैं। दुख का कारण भूतकाल और भविष्यकाल है। हम यह सोचकर अक्सर परेशान रहते हैं कि हमारे साथ किसने क्या किया, हमने किसके साथ क्या किया और भविष्य में क्या होगा। इससे मन अक्सर विचलित व बीमार रहता है। योगासन, प्राणायाम व ध्यान करके इस मानसिक बीमारी से मुक्ति पाई जा सकती है। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के योग शिक्षक अमित कुमार सिंह ने शनिवार को योग से संबंधित यह जानकारी दी।

योग दिवस के उपलक्ष्य में दैनिक जागरण की ओर से योग प्रशिक्षण के पांच दिवसीय आयोजन में चौथे

### फेसबुक लाइव

- उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के योग शिक्षक ने बताए योग व प्राणायाम के लाभ
- भूतकाल और भविष्य को बताया जीवन की परेशानी का सबसे बड़ा कारण

दिन शिक्षक अमित कुमार सिंह ने लोगों को योग, प्राणायाम और ध्यान करके उसके लाभ के बारे में भी बताया। कहा कि योग से शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। प्राणायाम से श्वांस पर नियंत्रण रख सकते हैं और ध्यान करके हम वर्तमान में जी सकते हैं। उन्होंने उज्जयी यानी लंबी गहरी सांस लेने का तरीका बताया। उन्होंने भुजंग आसन, पर्वत आसन, नाड़ी शोधन, कपाल भाती, भ्रामरी, भस्त्रिका सहित कई प्राणायाम बताए। ध्यान के बारे में बताया कि जो सबसे सरल है वही ध्यान है। फेसबुक लाइव सत्र में राम आशीष, केसरी नंदन वर्मा, प्राचीन बाजपेई, अरुण शुक्ला, विकास नागर, संध्या विश्वजीत परमार सहित कई अन्य लोगों ने सवाल पूछे।

अमित कुमार सिंह • जागरण

विस्तृत खबर के लिए देखें
https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_allahabad-city-news-hindi.html

### योग ने दिया मानसिक शांति और ऊर्जा का खजाना

प्रयागराज : नियमित योग करने से सेहत दुरुस्त रहती है और बीमारी कोसों दूर। यह बातें किताबी नहीं बल्कि उन्हीं की जुबानी है जिन्हें इसका लाभ मिला। बात सिविल लाइंस के लोहिया मार्ग निवासी 63 वर्षीय शीतला चौहान की करते हैं। केंद्रीय विद्यालय न्यू कैंट में सेवानिवृत्त शिक्षिका शीतला चौहान या तो बैठ नहीं पाती थीं। उन्होंने शाम को भी योग करना शुरू कर दिया। अब आसानी से बैठ जाती हैं अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं।

विश्वस्तरीय कान की मशीन

उत्तर प्रदेश
UTTAR PRADESH

## प्रयागराज: राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में फायर सेफ्टी की मॉक ड्रिल

Published on :21 Jun 2020 , 12:27 pm IST

> यूपी के प्रयागराज स्थित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में फायर सेफ्टी को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया. इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया.

**प्रयागराज:** राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मुख्यालय में आग से बचाव के लिए फायर हाइड्रेंट सिस्टम लगाया है. इसके साथ ही स्थाई अग्नि सुरक्षा संयंत्र के अधिकारियों ने विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण किया. साथ ही विश्वविद्यालय में अग्निशमन के विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई. जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए यूनिवर्सिटी के अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को फायर सेफ्टी को लेकर अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया.

### अग्निशमन संयंत्र से लैस हुआ राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय

आग से बचाव के लिए विश्वविद्यालय में फायर हाइड्रेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक स्मोक डिटेक्शन सिस्टम और अग्निशमन यंत्र स्थापित किए गए. कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देशन में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था संबंधी कार्यशाला की स्थापना और आग से बचाव के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अग्निशमन अधिकारी लाल गुप्ता ने सभी व्यवस्थापित अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके संचालन संबंधी जानकारी दी.

### मॉक ड्रिल करके लिया जायजा

स्थाई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के कार्य को स्थापित करने वाली संस्था ने अग्निशमन विभाग के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया. इसके साथ ही सभी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा. इस मौके पर कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह, पाठय सामग्री प्रभारी डॉ. एस कुमार, सम्पत्ति अधिकारी डॉ. अनिल सिंह भदौरिया, मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र, सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक राम वृक्ष चंचल और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे.

उत्तर प्रदेश
UTTAR PRADESH

## प्रयागराज: राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय आयोजित कर रहा ऑनलाइन योगा कार्यक्रम

Published on :a day ago

> उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने जूम लाइव के माध्यम से विश्व योग दिवस मनाया. इस ऑनलाइन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी और शिक्षार्थियों ने हिस्सा लिया.

**प्रयागराज:** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने इस बार 'योग घर पर और परिवार के साथ योग' की थीम पर विश्व योग दिवस मनाया. इस दौरान कई विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकित शिक्षार्थियों ने योग का लाभ उठाया.

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि इस वर्ष की थीम एक संदेश साझा करती है कि कोविड-19 के दौरान लोगों को परिवार के साथ घर पर रहना चाहिए और नियमित रूप से योग करना चाहिए. विश्वविद्यालय के योग परामर्शदाता और योग प्रशिक्षक अमित कुमार सिंह ने 21 जून को सुबह 6:30 से 7:30 बजे तक सरकारी प्रोटोकॉल को फॉलो करते हुए जूम लाइव के माध्यम से योग सत्र का आयोजन किया. इसके माध्यम से विश्वविद्यालय के छात्र, प्रोफेसर और स्टाफ ने घर बैठे योग किया. 22 जून को भी सुबह 6:30 से 7:30 बजे तक जूम लाइव के माध्यम से योग सत्र का आयोजन होगा.

### भारतीय संस्कृति में विद्यमान है योग

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी प्रभात चंद्र मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय योग शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है. यहां से हजारों छात्र-छात्राएं योग में डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूर्ण करके योग में शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं. वहीं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल कहते हैं कि योग की महत्ता प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में विद्यमान रही है. इस प्राचीन विरासत को संरक्षित करना होगा.

# मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

21 जून, 2020

## कोविड-19 के समय विश्व के लिए विलक्षण उपहार है योग-प्रोफेसर सिंह

### मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

21 वीं शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड-19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं धैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुत: योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुतः योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है। केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नहीं है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता में कहा कि योग: कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विश्व विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन में योग का प्रयोग करें। आपस में सहयोग की भावना से ही आगे बढ़ा जा सकता है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।

*योग दिवस के अवसर*

*अपने परिवार के साथ योगाभ्यास*

*करते हुए*

*माननीय कुलपति*

*प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।*

# मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

# मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2020 को
घर पर योगासन करते हुए
डॉ प्रभात चंद्र मिश्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
घर पर योगाभ्यास करते हुए
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य

# क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ, नोएडा, झॉसी, लखनऊ एवं अयोध्या

योग दिवस के अवसर पर योग करती हुई मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 पूनम गर्ग एवं कर्मचारीगण।

योग दिवस के अवसर पर अपने परिवार के साथ योग करती हुई नोएडा की क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 कविता त्यागी।

योग दिवस के अवसर पर योग करती हुई झॉसी क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी

झांसी क्षेत्रीय कैंद्र के अंतर्गत समन्वयक एवं छात्रों द्वारा घर पर ही योगाभ्यास करते हुए

योग दिवस के अवसर पर योग करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी एवं कर्मचारीगण।

योग दिवस के अवसर पर योग करती हुई लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 निराजंली सिन्हा एवं कर्मचारगण

# क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

योग दिवस के अवसर पर योग करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र बरली के समन्वयक डॉ0 आर.बी. सिंह एवं कर्मचारीगण।

Dr. Rajni Agarwal,Secretary of of Control ,Bareilly College, Bareilly is performing yoga aasan on Yoga day. She is also our university student of Awareness Program on CAA

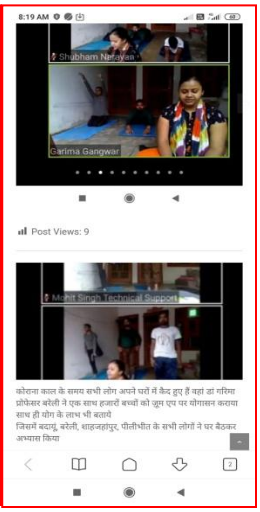


Dr.Garima Gangwar is Counselor of Yoga in Bareilly Region of UPRTOU. She conducted Webinar on Yoga from June 9 to 21 everyday on different aspects of Yoga.

कोराना काल के समय सभी लोग अपने घरों में कैद हुए हैं वहां डां गरिमा प्रोफेसर बरेली ने एक साथ हजारों बच्चों को जूम एप पर योगासन कराया साथ ही योग के लाभ भी बताये

जिसमें बदायूं, बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत के सभी लोगों ने घर बैठकर अभ्यास किया

# क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

अन्तराष्ट्रिय योग दिवस 21 जून को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की क्षेत्रीय कार्यालय आगरा की क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा सिंह ने वेबिनार का आयोजन किया जिसमे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में योग का महत्व डा०प्रियशंकर पुर्व एसो० प्रोफेसर आर्गेनॉन ऑफ मेडिसिन कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनिताल, उत्तराखंड चिकित्सा पदाधिकारी आयुष रामपुर, कैमूर, बिहार ,कार्यक्रम के तहत बहुत ही महत्वपूर्ण बातें बताई।जिसमें करोना महामारी मे अपनी इम्युनिटी को योग के माध्यम से कैसे बनाये रखें, योग को किस तरह अपनी जीवनशैली बनाए।

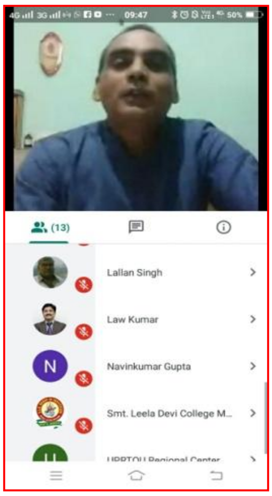

डॉ रेखा सिंह क्षेत्रीय समन्वयक क्षेत्रीय कार्यालय आगरा

# क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज

**"योग घर पर और परिवार के साथ योग"** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वाधान में योगाभ्यास का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, अध्ययन केंद्र एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

डॉ अभिषेक सिंह क्षेत्रीय समन्वयक, क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज।

अमित सिंह

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा उत्तरप्रदेश

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

7:27 am

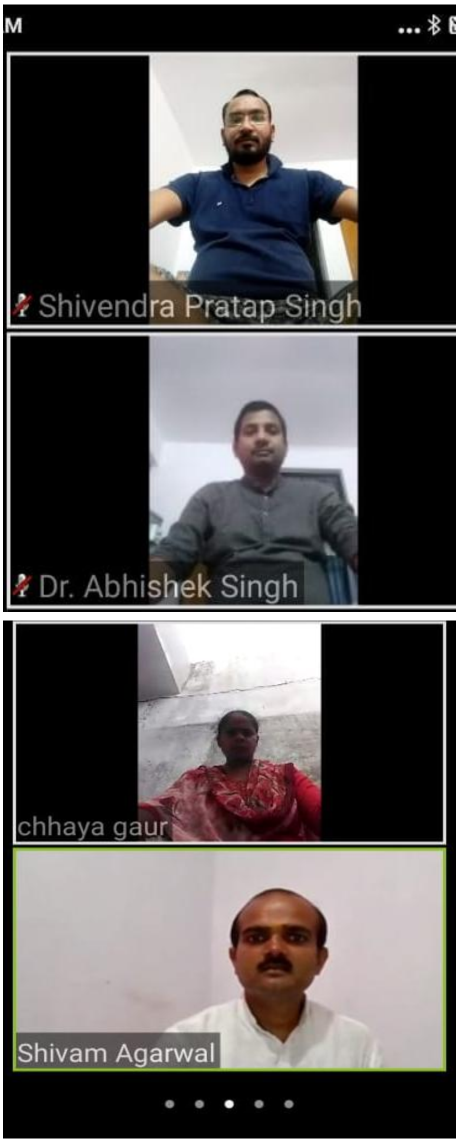

जनसंदेश टाइम्स

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग करते हुए

## कोविड-19 के समय विश्व के लिए विलक्षण उपहार है योग : सिंह

नैनी। 21 वीं शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड-19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं धैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुतः योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुतः योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है। केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नहीं है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता में कहा कि योगः कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।


दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, सोमवार , 22 जून 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08


## कोविड-19 के समय विश्व के लिए विलक्षण उपहार है योग-प्रोफेसर सिंह

### मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

प्रयागराज। 21 वीं शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड–19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं ध ैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुतरू योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक

विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुतः योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है। केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नहीं है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता में कहा कि योगरू कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विश्व विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन में योग का प्रयोग करें। आपस में सहयोग की भावना से ही आगे बढ़ा जा सकता है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।


स्वतंत्र भारत

प्रकाशन का 73वां वर्ष


## मुविवि और शुआट्स में हुआ योगाभ्यास

प्रयागराज। योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। यह बातें आज यहां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुतः योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विश्व विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन में योग का प्रयोग करें। आपस में सहयोग की भावना से ही आगे बढ़ा जा सकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।

सैम हिग्गिनबॉटम कृषि तकनीकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में वर्चुअल प्लेटफार्म पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। यह आयोजन 'युवा कार्यक्रम एवं खेलकूद मंत्रालय' तथा 'आयुष मंत्रालय' के तत्वाधान में आयोजित हुआ। विश्वविद्यालय में आयोजन 'राष्ट्रीय सेवा योजना' एवं विश्वविद्यालय की 'खेलकूद कमेटी' के सौजन्य से प्रति कुलपति (शैक्षिक) प्रोफेसर ए.के. लारेंस के मार्ग निर्देशन में संपन्न हुआ। इस आयोजन में समस्त विश्वविद्यालय के छात्र, अध्यापक एवं कर्मचारी, अपने परिवार के साथ आयुष मंत्रालय द्वारा दिए गए योग/होम एंड योग विद फैमिली के तर्ज पर आयोजित कार्यक्रम में योग विशेषज्ञ डा.दीप्ति जोशी के निर्देशन में योग का अभ्यास किया।


www.anandimail.in

आनंदी मेल

हिन्दी दैनिक) लखनऊ, सोमवार 22 जून 2020 R.N.I No.UPHIN/2009/29300 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2 रुपए


## कोविड-19 के समय विश्व के लिए विलक्षण उपहार है योग : प्रोफेसर सिंह

### मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

आनंदी मेल संवाददाता

प्रयागराज । शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड-19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं धैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में व्यक्त किए। उन्होंने कहा

कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुतरू योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुत: योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है। केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नहीं है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता में कहा कि योगरू कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विश्व विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन में योग का प्रयोग करें। आपस में सहयोग की भावना से ही आगे बढ़ा जा सकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।


अमृत प्रभात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सूर्योदय : 04:48 बजे सूर्यास्त : 07:20 बजे वर्ष : 42 अंक : 121 प्रयागराज, सोमवार 22 जून, 2020 पृष्ठ : 12 मूल्य : 3 रुपये


## विश्व के लिए विलक्षण उपहार है योग : प्रोफेसर सिंह

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। 21 वीं शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड-19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं धैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुतरू योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नही बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुतः योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है। केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नही है। कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
DAVP से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
सदभावना का प्रतीक
वर्ष -10, अंक 50 बस्ती, सोमवार 22 जून 2020, पृष्ठ - 8, मूल्य - 1.50 R.N.I. No. : UPH

# कोविड-19 के समय विश्व के लिए विलक्षण उपहार है योग-प्रोफेसर सिंह

## मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

**सदभावना का प्रतीक समाचार**

प्रयागराज, 21 वीं शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड-19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं धैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुतः योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुतः योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है। केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नहीं है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता में कहा कि योगः कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विश्व विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन में योग का प्रयोग करें। आपस में सहयोग की भावना से ही आगे बढ़ा जा सकता है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।

वूमेन एक्सप्रेस
www.womenexpress.in Email: thewomenexpress@gmail.com
Women Express tv
• वर्ष 8 • अंक 110 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली सोमवार 22 जून 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

# राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

**(विशेष संवाददाता)**

**प्रयागराज ।** वीं शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं धैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुतः योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुतः योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है।

केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नहीं है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता में कहा कि योगः कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विश्व विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन में योग का प्रयोग करें। आपस में सहयोग की भावना से ही आगे बढ़ा जा सकता है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डाक्टर एके गुप्ता सपत्नि,डॉ श्रुति अपनी बेटी के साथ एवं इंदु भूषण पांडे योगाभ्यास सहित पूरे परिवार ने योगाभ्यास किया।

तीर्थराज टाइम्स
प्रयागराज, सोमवार 22 जून 2020
प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, आगरा, भोपाल, पूणे, मुम्बई एवं राजधानी दिल्ली से प्रकाशित निष्पक्ष एवं निर्भीक दैनिक

# *कोविड-19 के समय विश्व के लिए विलक्षण उपहार है योगः सिंह*

नैनी। 21 वी शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड-19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं धैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज मे व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार मे ला रही है। वस्तुतः योग वर्तमान शताब्दी मे भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुतः योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है। केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नही है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता मे कहा कि योगः कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश मे स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में भी योगाभ्यास किया गया। • हिन्दुस्तान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के साथ ही शिक्षकों, कर्मचारियों ने घर में रहकर योगाभ्यास किया।

बरेली जागरण

# राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 10 जुलाई से

बरेली : राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 10 जुलाई से शुरू होंगी। छात्र वेबसाइट से अपनी स्कीम अपलोड कर सकेंगे। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. आरबी सिंह ने बताया कि बीए, एमए, बीकॉम, एमकॉम सहित 105 विषयों की परीक्षाओं का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। यह परीक्षाएं ऑफलाइन मोड पर बरेली कॉलेज के सेंटर पर तीन पालियों में सुबह सात से 10, दोपहर 11 से दो और शाम तीन से छह बजे तक होंगी। बरेली में 800 छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। प्रवेश पत्र जून के अंत में डाउनलोड किए जा सकेंगे। जासं

# आधुनिक शारीरिक व्याधियों का महा उपचार है योग : डॉ. रेखा त्रिपाठी

**झांसी जयूसं।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र झांसी द्वारा अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय समन्वयक झांसी डॉ. रेखा त्रिपाठी ने बताया कि इस बार कोविड-19 से रक्षा की दृष्टि से सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों द्वारा घर पर ही सुरक्षित रह कर योगाभ्यास किया गया है।

# आधुनिक शारीरिक व्याधियों का महा उपचार है योगःडा. त्रिपाठी

(आज समाचार सेवा)

झांसी, 21 जून। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र झांसी द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय समन्वयक झांसी डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि इस बार कोविड-19 से रक्षा की दृष्टि से सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों द्वारा घर पर ही सुरक्षित रह कर योगाभ्यास किया गया है। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक नेहरू महाविद्यालय ललितपुर, पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय ललितपुर, सुदर्शन डिग्री कॉलेज ललितपुर, वीरभूमि स्नातकोत्तर महाविद्यालय महोबा, क्षेत्रीय केंद्र झांसी स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय झांसी, सनराइज महाविद्यालय बांदा एवं छात्र छात्राओं ने अपने निवास स्थान पर ही योगाभ्यास किया। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि आज के युग में मानव जीवन दुख और तनाव से भरा हुआ है किसी भी व्यक्ति को स्वस्थ कह पाना बहुत ही मुश्किल है आज जितने ही हमारे पास मशीन सुख, साधन उत्पन्न हो गए हैं उस से हमारे पास बहुत सारी बीमारियां मुफ्त में आयी हैं, इन बीमारियों में सबसे बड़ी बीमारी है नींद नहीं आना यानि अनिद्रा, तनाव हाइपरटेंशन, मोटापा पेट सही नहीं रहना श्वसन संबंधी आज प्रमुख रूप से लगभग सभी में पाए जाते हैं योग इन सभी रोगों को दूर करने में हमारी मदद करता है हमारे मन शरीर और आत्मा को एक साथ लाता है इन सब से छुटकारा पाने का, बीमारियों पर नियंत्रण पाने का सबसे सरल और सस्ता उपाय है योग । इसलिए अपने जीवन में योग को अपनाएं स्वस्थ रहें निरोगी रहें और खुश रहें।

भोपाल | सोमवार 22 जून 2020

# आधुनिक शारीरिक व्याधियों का महा उपचार है योग : डॉ रेखा त्रिपाठी

**समय जगत ,झाँसी।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र झांसी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय समन्वयक झांसी डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि इस बार कोविड.19 से रक्षा की दृष्टि से सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों द्वारा घर पर ही सुरक्षित रह कर योगाभ्यास किया गया है।

सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक नेहरू महाविद्यालय ललितपुर, पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय ललितपुर, सुदर्शन डिग्री कॉलेज ललितपुर, वीरभूमि स्नातकोत्तर महाविद्यालय महोबा, क्षेत्रीय केंद्र झांसी स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय झांसी, सनराइज महाविद्यालय बांदा एवं छात्र छात्राओं ने अपने निवास स्थान पर ही

योगाभ्यास किया।

डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया कि आज के युग में मानव जीवन दुख और तनाव से भरा हुआ है, किसी भी व्यक्ति को स्वस्थ कह पाना बहुत ही मुश्किल है।

आज जितने ही हमारे पास मशीन सुख, साधन उत्पन्न हो गए हैं। उस से हमारे पास बहुत सारी बीमारियां मुफ्त में आयी हैं। इन बीमारियों में सबसे बड़ी बीमारी है नींद नहीं आना यानि अनिद्रा, तनाव हाइपरटेंशन, मोटापा पेट सही नहीं रहना, श्वसन संबंधी आज प्रमुख रूप से लगभग सभी में पाए जाते हैं। योग इन सभी रोगों को दूर करने में हमारी मदद करता है। हमारे मन शरीर और आत्मा को एक साथ लाता है इन सब से छुटकारा पाने का, बीमारियों पर नियंत्रण पाने का सबसे सरल और सस्ता उपाय है योग । इसलिए अपने जीवन में योग को अपनाएं स्वस्थ रहें निरोगी रहें और खुश रहें।

# सुदर्शन डिग्री कॉलेज में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस सम्पन्न

**ललितपुर (एसएनबी) ।** कस्बा बासी स्थित सुदर्शन डिग्री कॉलेज में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सक्षिप्त लेकिन सारगर्भित कार्यक्रम हुए। प्राचार्य डॉ. केके सिंह ने कोविड-19 अर्थात् कोरोना के दृष्टिगत सामाजिकदूरी का पालन करते हुए सभी विद्यार्थियों से घर पर ही योगाभ्यास करने का सुझाव दिया था। इसलिए महाविद्यालय स्तर पर केवल सीमित लोगों ने योगाभ्यास में भाग लिया। प्रबधक श्रीमती उमा यादव एव सस्थापक डॉ. आरएन यादव भी मौके पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ यादव ने कहा कि खानपान भी विद्रुपताओं एवं अनियमित दिनचर्या से लोगों की शारीरिक क्षमता कमजोर हो गयी है। योग के द्वारा इसे ठीक किया जा सकता है। प्रबधक उमा यादव ने निरोग रहने के लिए योग के महत्व को विस्तार से समझाया। तकनीकि सहयोग प्रहलाद नामदेव का रहा।

# अमर उजाला

amarujala.com

प्रयागराज
सोमवार, 22 जून 2020

## मुक्त विवि परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह और अन्य शिक्षकों ने अपने-अपने घरों में ही परिवार समेत योगाभ्यास किया। कुलपति ने सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित किया और कहा कि जीवन का सुखमय एवं आनंदमय बनाने के लिए योग का प्रयोग करें।

---

वूमेन एक्सप्रेस

## राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

Women Express - June 21, 2020

*—कोविड-19 के समय विश्व के लिए विलक्षण उपहार है योग :प्रोफेसर सिंह*

*—सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया*

**प्रयागराज /टीम डिजिटल :** 21 वीं शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड-19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं धैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुत: योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुत: योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है।

केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नहीं है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता में कहा कि योग: कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विश्व विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन में योग का प्रयोग करें। आपस में सहयोग की भावना से ही आगे बढ़ा जा सकता है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव

डाक्टर एके गुप्ता सपत्निक,डॉ श्रुति अपनी बेटी के साथ एवं इंदु भूषण पांडे योगाभ्यास सहित पूरे परिवार ने योगाभ्यास किया।

Post Views: 25

Tags:
family did yoga at home Kameshwar Nath Singh Open university Prayagraj Rajarshi Tandon Vice Chancellor yoga news

---

हिन्दी दैनिक R.N.I. NoUPHIN/2015/60403

# शिव इण्डिया टाइम्स

नजरिया तरक्की का

र्ष : 06 | अंक : 171 | अमेठी , सोमवार 22 जून 2020 | प्रात: कालीन | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रूपया



## कोविड-19 के समय विश्व के लिए विलक्षण उपहार है योग-प्रोफेसर सिंह

### मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

ब्यूरो प्रयागराज प्रयागराज। 21 वीं शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड–19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं धैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोध्क क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुतरू योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आध्ारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुतः योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है। केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नहीं है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता में कहा कि योगरू कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विश्व विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन में योग का प्रयोग करें। आपस में सहयोग की भावना से ही आगे बढ़ा जा सकता है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।

# दैनिक कर्मठ

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

प्रयागराज, मंगलवार, 23 जून 2020 विक्रम संवत 2076 प्रातः संस्करण ईमेल -dainikkarmath@gmail.com पृष्ठ : 08


## मुक्तविश्वविद्यालय परिवार ने योगाभ्यास में दिखाई गहरी रूचि

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के निर्देश पर घर पर परिवार के साथ योग की थीम के अंतर्गत न केवल शिक्षकों, अधिकारियों,कर्मचारियों एवं शिक्षार्थियों ने अपने परिवार के साथ योगाभ्यास किया बल्कि योगाभ्यास से संबंधित फोटोग्राफी वीडियो विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता के आधिकारिक ईमेल एवं सीयूजी व्हाट्सएप पर भी प्रेषित किया। कुलसचिव डॉ गुप्ता ने बताया की सभी अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का योगाभ्यास के प्रति जबरदस्त रुझान देखने को मिला।विश्वविद्यालय के योग कार्यक्रम की लोकप्रियता का आधार भी शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की यही तन्मयता है। यही कारण है कि आज मुक्त विश्वविद्यालय के योग कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश में सराहा जा रहा है। यहां से न केवल योग में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा करके छात्र सेवायोजित हो रहे हैं, वरन योग में स्नातकोत्तर कार्यक्रम आने से काफी संख्या में लोगों ने नामांकन कराया है।

डॉ श्रुति असिस्टेंट प्रोफेसर, सांख्यिकी, विज्ञान विद्या शाखा अपनी पुत्री के साथ योग करती हुईं।

## योग चैम्पियन प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

**बदायूं।** गजेन्द्र, मनोज फ्लेक्स पाईट मीरगंज बरेली एवं तुलसी साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था (रजि.) बदायूं के सहयोग से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि० के बरेली क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन ऑनलाइन योगासन चैंपियनशिप में पूरे देश से प्रतियोगी सामिल हुए और बढ चढ़कर हिस्सा लिया। कोरोना महामारी संकट को देखते हुए सामाजिक दूरी का पालन करने हेतु सोशल मीडिया के माध्यम से इस प्रतियोगिता का सहारा लिया गया जिसमें प्रतियोगियों से योगासन करते हुए वीडियो मंगाई गई थीं जिसमे पूरे देश से लोगों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और अपने वीडियो भेजे वीडियो भेजने वालों में कानपुर उत्तर प्रदेश से अंजू बल भसीन, हैदराबाद की कल्पना गौरह, गोंडा उत्तर प्रदेश के देवी प्रसाद, नाइ दिल्ली के विजय कुमार, मुनीष कुमार, अनदलीप जहरा, मीसम इरशाद, पुष्पेंद्र कुमार (बरेली) प्रीति गंगवार, अर्चना शर्मा, (बदायूं) शुभम नारायन आदि सहित ताकरीवन 3०० लोगों ने अपनी वीडियो भेजीं। इसके उपरांत गूगल मीट पर लाइव सेशन के द्वारा 225-24० लोगों ने एक साथ योग किया।

प्रतियोगियों को गूगल मीट पर संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि० के बरेली क्षेत्र के क्षेत्रीय समन्वयक एवं बरेली कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ आर०बी० सिंह ने योग के परिपेक्ष्य में योग की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए अधिकतर लोगों से योग से जुड़ने का आवाहन किया। व्यतीत कर सकते है योग प्रोफेसरध्निर्णायक डॉ गरिमा गंगवार ने प्रतियोगिता का परिणाम घोषित करते हुए बताया कि महिला वर्ग बी ग्रुप में मधु प्रथम, स्वाति प्रथम, महिमा द्वितीय, सी ग्रुप में शिखा प्रथम, प्रीती गंगवार द्वितीय, नेहा सागर तृतीय, ग्रुप डी हिना प्रथम, अंजू पचौरी प्रथम, विनीता गुप्ता द्वितीय, पूजा गौड़ तृतीय ग्रुप ई में अंजू भसीम प्रथम, सर्वेश गुप्ता द्वितीय, शिल्पी तृतीय। कार्यक्रम में निर्णायक डॉ शरद पवार (मेरठ विश्वविद्यालय )ने कहा कि योग हमारे दैनिक जीवन मे अति महत्वपूर्ण है योग के द्वारा हम न केवल अपने आप को स्वस्थ रख सकते हैं बल्कि अपने अंदर ऊर्जा का संचार भी करते हैं डॉ सची मित्तल, अल्का जयसवाल, दयाशंकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम संयोजक गजेंद्र गंगवार ने सभी का आभार वयक्त किया कार्यक्रम का संचालन बदायूं के कवि षटवदन शंखधार ने किया। कार्यक्रम में प्रीती गंगवार, मनीषा पांडेय, अर्चना पांडे, दीपिका सक्सेना, सौरभ कुमार, तेजेन्द्र कुमार, मुनीश कुमार, सपना शर्मा, शिवानी पांडे, स्वाती तिवारी, नेहा सागर, अभय कुमार, श्वेता सिंह, किरन यादव, प्रमोद कुमार आदि ने प्रतिभाग किया।


स्वामी वैल्यू पब्लिशिंग प्रा०लि० के लिए मुद्रक, प्रकाशक :
चंद्रशेखर दीक्षित
द्वारा वैल्यू पब्लिशिंग प्रा०लि०, ब्रज विहार कालोनी, शाहजहाँपुर से मुद्रित एवं शेखर हॉस्पिटल कैम्पस, अन्टा चौराहा, शाहजहाँपुर से प्रकाशित।
सम्पादक :
राजीव कुमार मिश्र
फोन : (05842) 281200
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहाँपुर न्यायालय होगा।


## अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की योग चौम्पियन प्रतियोगिता का परिणाम किया गया घोषित

पवन शंखधार

**बदायूँ(रायमोर्चा)।** गजेन्द्र/मनोज फ्लेक्स पाईट मीरगंज बरेली एवम् तुलसी, साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था (रजि.) बदायूं के सहयोग से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि0 के बरेली क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन ऑनलाइन योगासन चौंपियनशिप में पूरे देश से प्रतियोगी सामिल हुए और बढ चढकर हिस्सा लिया। कोरोना महामारी संकट को देखते हुए सामाजिक दूरी का पालन करने हेतु सोशल मीडिया के माध्यम से इस प्रतियोगिता का सहारा लिया गया जिसमें प्रतियोगियों से योगासन करते हुए वीडियो मंगाई गई थीं जिसमे पूरे देश से लोगों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और अपने वीडियो भेजे वीडियो भेजने वालों में कानपुर उत्तर

प्रदेश से अंजू बल भसीन, हैदराबाद की कल्पना गौरह, गोंडा उत्तर प्रदेश के देवी प्रसाद, नाइ दिल्ली के विजय कुमार, मुनीष कुमार, अनदलीप जहरा, मीसम इरशाद, पुष्पेंद्र कुमार (बरेली) प्रीति गंगवार, अर्चना शर्मा, (बदायूं) शुभम नारायन आदि सहित ताकरीवन 300 लोगों ने अपनी वीडियो भेजीं। इसके उपरांत गूगल मीट पर लाइव सेशन के द्वारा 225-240 लोगों ने एक साथ योग किया। प्रतियोगियों को गूगल मीट पर संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि0 के बरेली क्षेत्र के क्षेत्रीय समन्वयक एवं बरेली कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डा आर0बी0 सिंह ने योग के परिपेक्ष्य में योग की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए अधिकतर लोगों से योग से जुड़ने का आवाहन किया। व्यतीत कर सकते हैं योग प्रोफेसरध्निर्णायक डॉ गरिमा गंगवार ने प्रतियोगिता का परिणाम घोषित करते हुए बताया कि महिला वर्ग बी ग्रुप में मधु प्रथम ,स्वाति प्रथम ,महिमा द्वितीय, सी ग्रुप में शिखा प्रथम ,प्रीती गंगवार द्वितीय ,नेहा सागर तृतीय, ग्रुप डी हिना प्रथम ,अंजू पचौरी प्रथम ,बिनीता गुप्ता द्वितीय ,पूजा गौड़ तृतीय, ग्रुप ई में अंजू भसीम प्रथम ,सर्वेश गुप्ता द्वितीय, शिल्पी तृतीय ,अनिल दीप तृतीय, पुरुष वर्ग ग्रुप बी में अंकित, योगेश प्रथम ,शुभम सक्सेना ,सोनू द्वितीय ,विजय कुमार तृतीय, ग्रुप सी में शुभम गुप्ता प्रथम ,पुष्पेंद्र द्वितीय ,मोहित तृतीय, ग्रुप डी में पुष्पेंद्र प्रथम, ग्रुप ई में अमित प्रथम इस प्रकार परिणाम रहा, कार्यक्रम में निर्णायक डॉ शरद पवार (मेरठ विश्वविद्यालय )ने कहा कि योग हमारे दैनिक जीवन मे अति महत्वपूर्ण है योग के द्वारा हम न केवल अपने आप को स्वस्थ रख सकते हैं बल्कि अपने अंदर ऊर्जा का संचार भी करते हैं, इसके अलावा डॉ सची मित्तल , अल्का जयसवाल , दयाशंकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए, कार्यक्रम संयोजक गजेंद्र गंगवार ने सभी का आभार वयक्त किया कार्यक्रम का संचालन बदायूं के कवि षटवदन शंखधार ने किया। कार्यक्रम में प्रीती गंगवार , मनीषा पांडेय, अर्चना पांडे, दीपिका सक्सेना, सौरभ कुमार, तेजेन्द्र कुमार, मुनीश कुमार, सपना शर्मा , शिवानी पांडे, स्वाती तिवारी , नेहा सागर, अभय कुमार, श्वेता सिंह, किरन यादव, प्रमोद कुमार आदि ने प्रतिभाग किया।

अधिकतम तापमान 32.00° » न्यूनतम तापमान 25.00° » सूर्योदय 5:17 » सूर्यास्त 19:23 » डॉलर 76.25 » यूरो 85.23 »

**छोटीबड़ीबात**

आज ही के दिन 1939 में सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस से अलग होकर फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की थी।


# दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

झाँसी | वर्ष-71, अंक-222 | सोमवार 22 जून 2020 | कुल पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रुपये

dainikbhaskarup.com

योग से हमारा शरीर स्वस्थ रहेगा: मंडलायुक्त पेज 3>

'वंदे मातरम' से निर्माता बनने वाले थे सुशांत राजपूत पेज 7>

| देश/राज्य | विश्व | अमेरिका | ब्राजील | रूस | भारत | महाराष्ट्र | दिल्ली | तमिलनाडु | गुजरात | उत्तर प्रदेश |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संक्रमित | 88,02,328 | 22,99,714 | 10,71,085 | 5,84,680 | 4,10,461 | 1,28,205 | 59,747 | 59,377 | 26,680 | 16,594 |
| मौतें | 4,64,620 | 1,21,512 | 50,090 | 8,111 | 13,254 | 5,984 | 2,176 | 757 | 1,638 | 507 |
| स्वस्थ्य हुए | 43,72,44 | 7,17,140 | 5,43,186 | 3,39,711 | 2,27,756 | 64,153 | 33,013 | 32,754 | 18,694 | 9,995 |

| उत्तराखंड | |
|---|---|
| संक्रमित | 2344 |
| सक्रिय | 802 |
| स्वस्थ्य | 1500 |
| मौत | 27 |

## योग से हमारा शरीर स्वस्थ रहेगा: मंडलायुक्त

**झाँसी।** जनपद में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आला अधिकारियों सहित विभिन्न सामाजिक संगठन, एनजीओ ने सोशल डिस्टेंसिंग के साथ घर पर सामान्य प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास किया।

मंडलायुक्त सुभाष चंद्र शर्मा ने अपने आवास पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगा करते हुए कहा कि योग को यदि नियमित रूप से अपनी दिन दिनचर्या में समाहित कर लें, तो जहां हमारा शरीर स्वस्थ रहेगा वही हमारा मन भी प्रफुल्लित रहेगा। योग के माध्यम से हम अपने जीवन में सकारात्मक सोच को डेवलप कर सकते हैं।

जिलाधिकारी आन्द्रा वामसी ने अपने आवास पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सूर्य नमस्कार, त्रिकोणासन, धनुषासन,वज्रासन सहित अनेक योग क्रियाओं को किया। जिलाधिकारी ने विभिन्न प्रकार के योग क्रियाओं को करते हुए कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पहले योग के महत्व को समझा और इसे जीवन का आधार बनाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में काम की अधिकता होने के कारण लगातार तनाव बना रहता है, यदि नियमित योगाभ्यास किया जाए तो सांसो की लय में संतुलन आएगा व मन तनाव मुक्त हो कर धीरे-धीरे शांत होने लगेगा। योग को नियमित रूप से करने से बीमारियां भी हमारे आस पास नहीं आ पाती। जिससे व्यक्ति स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा कि कोरोना से लड़ाई में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

### झाँसी रेल मंडल में योग दिवस का आयोजन

उत्तर मध्य रेल के झाँसी मंडल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस साल कोरोना वायरस महामारी यानी कोविड-19 के दृष्टिगत लोगों की सेहत और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2020 थीम 'घर में रहते हुए अपने परिवार के साथ योग करना' है। मंडल रेल प्रबंधक संदीप माथुर और अध्यक्षा झाँसी मंडल महिला कल्याण संगठन श्रीमती चारू माथुर सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने-अपने घरों में परिवार के सदस्यों के साथ योग किया। इसी प्रकार से बुनियादी प्रशिक्षण केन्द्र( कैरिज और वैगन) में भी मुख्य पर्यवेक्षक जितेंद्र चोपड़ा के नेतृत्व में प्रशिक्षुओं को कोविड19 के संक्रमण को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन माध्यम से योग प्रशिक्षण योगाचार्य द्वारा दिया गया। जिससे लगभग 150 से अधिक कर्मी और प्रशिक्षु लाभान्वित हुए। अपर मंडल रेल प्रबंधक अमित सेंगर, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय आर. के. श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/मध्य भुवनेश सिंह, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूर संचार इंजीनियर अमित गोयल व वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उल्लास कुमार सहित सभी अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा घर पर परिवार के साथ योग अभ्यास कर योग दिवस पर सहभागिता की गई।

### योग भारत की प्राचीन परम्परा, आज के समय में हुई महत्वपूर्ण: कुलसचिव

कोरोना वायरस के इस दौर में शरीर की रक्षात्मक एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखना बहुत आवश्यक है। शरीर की रक्षात्मक एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता के निर्माण के लिए योग रामबाण की तरह सहायक है। योग भारत की सदियों पुरानी प्राचीन परंपरा है और वर्तमान में विश्व स्तर पर इसका प्रचलन निरंतर बढ़ता जा रहा है तथा आज के कोरोना काल के संदर्भ में यह और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। यह विचार बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की कुलसचिव नारायण प्रसाद ने राष्ट्रीय सेवा योजना, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आज आयोजित विश्व योग दिवस के अवसर पर व्यक्त किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के संस्कृत के आचार्य तथा वर्तमान में भास्कर जनसंचार एवं पत्रकारिता संस्थान में अनौपचारिक संस्कृत प्रशिक्षक रजनी कांत ने बताया कि योग के द्वारा हम अपने मन शरीर को काबू में कर सकते हैं। स्किल इंडिया की योग प्रशिक्षक ज्योति सिंह ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि निरंतर योग करने से शरीर में इसी प्रकार की व्याधि नहीं उत्पन्न होती है। आज आयोजित ऑनलाइन योग कार्यक्रम के दूसरे सत्र में रजनीकांत ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों को योग का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा.मुन्ना तिवारी ने किया जबकि अतिथियों, योग प्रशिक्षकों तथा प्रतिभागियों का आभार झाँसी नोडल अधिकारी डॉ उमेश कुमार ने व्यक्त किया। इस अवसर पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वयंसेवक शामिल रहे।

### आधुनिक शारीरिक व्याधियों का महा उपचार है योग – डॉ रेखा त्रिपाठी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र झांसी द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय समन्वयक झांसी डॉ रेखा त्रिपाठी ने बताया कि इस बार कोविड-19 से रक्षा की दृष्टि से सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों द्वारा घर पर ही सुरक्षित रह कर योगाभ्यास किया गया है। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक नेहरू महाविद्यालय ललितपुर, पहलवान गुरुदीन महिला महाविद्यालय ललितपुर, सुदर्शन डिग्री कॉलेज ललितपुर, वीरभूमि स्नातकोत्तर महाविद्यालय महोबा, क्षेत्रीय केंद्र झांसी स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय झांसी, सनराइज महाविद्यालय बांदा एवं छात्र छात्राओं ने अपने निवास स्थान पर ही योगाभ्यास किया।

### स्वस्थ शरीर का द्वार है योग

अखिल भारतीय विध्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ताओं द्वारा रानी लक्ष्मीबाई पार्क में योग शिविर का आयोजन किया। इसमें अभाविप के साथ ही आमजनमानस ने सहभागिता की। विभाग संगठन मंत्री अजय यादव ने कहा की योग शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने में कारगर है। हमें इसे अपनी नियमित दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। प्रान्त उपाध्यक्ष अंजू गुप्ता ने कहा की योग हमें प्रकृति के नजदीक लाता है। प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रहने का योग एक सरल और उपयोगी मार्ग है। इस अवसर पर जाया श्रीवास्तव, अंजलि कुशवाहा, काजल विश्वकर्मा, पायल विश्वकर्मा, संजली कुशवाहा, साक्षी कुमारी, प्रियंका, संजना, शिवानी, रिया गुप्ता, विजया श्रीवास्तव, रामकृष्ण निरंजन, समरेन्द्र प्रताप आदि उपस्थित रहे।

### एनएसएस के बच्चों नो योग दिवस मनाया

मौंठ के टीकाराम यादव पीजी महाविद्यालय में एनएसएस के बच्चों द्वारा योग दिवस पर योग किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ पिंकी सिंह ने कहा कि आज के परिवेश में जीवन में दैनिक दिनचर्या के रुप मे योग को शामिल करने की आवश्यकता है प्रत्येक दिन अगर 30 से 40 मिनट तक योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल कर लिया जाए तो इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी और वर्तमान में चल रही कोरोना जैसी संक्रामक बीमारी से लड़ने में ताकत मिलेगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेन्द खरे, डॉक्टर पिंकी सिंह, डॉ प्रणव त्रिपाठी तथा चित्र अंजना कश्यप ने योग को जीवन मे आत्मसात करने की अपील की।

### योग के प्रति जागरुक किया

आईटी एवं सूचना मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कार्य करने वाले सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इण्डिया लिमिटेड द्वारा पूरे देश में एक अभियान के रूप में इसका योग दिवस आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो कॉमन सर्विस सेंटर संचालकों के साथ हजारों नागरिकों ने सीएससी केन्द्रों पर सोशल डिटेनसिंग के साथ इस अभियान में हिस्सा लिया, तथा यह अभियान ट्विटर पे भी "#CSCPeYoga" हैशटैग के साथ दिन भर ट्रेंड करता रहा। इस अवसर पर जिला प्रबन्धक जुबैर अहमद आदि उपस्थित रहे।

### योग दिवस मनाया

जनसत्ता दल के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ मधु पाल सिंह के नेतृत्व में योग करके योग दिवस मनाया। इस मौके पर प्रदीप रायकवार, रमन दास, हनुमंत दास, रणधीर सिंह, संजीव राजावत, संदीप परिहार, प्रमोद कुमार, वीरेंद्र ठाकुर, देवेंद्र सिंह, चंद्र प्रकाश अहिरवार, योगेंद्र यादव, जीतू पाल, पीयूष ठाकुर, रितेश भारद्वाज, प्रिंस राजा, अमित सिरोठिया, अजय चंदेल, अजय सिंह, एनडी कुशवाहा, हर्ष प्रताप, यश प्रताप, शुभम शर्मा, कुलदीप सिंह, चंचल सेंगर, भगवान सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

---

# पायनियर हिंदी 23 जून 2020

## विश्व योग दिवस पर स्कूल कालेजों में किया गया योग

### संस्थाओं के साथ मुक्त विश्वविद्यालय में मनाया गया योग दिवस

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में योग दिवस मनाया गया। कुलपति प्रो. के एन सिंह ने कहा कि 21वीं शताब्दी के 20 वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड 19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए योग की आवश्यकता है। योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। प्रो. सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन में योग का प्रयोग करें। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव के साथ ही इंदुभूषण पांडेय, अमित सिंह ने अपने घर पर योग किया और ऑनलाइन योगा कराया। विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया। माधव ज्ञान केंद्र स्कूल में प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार त्रिपाठी, ज्वाला देवी स्कूल में प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र और ज्वाला देवी शिशु मन्दिर में प्रधानाचार्य सुमंत पांडेय तथा संघ कार्यालय में विभाग प्रचारक कृष्ण चंद्र को ओर से योग दिवस मनाया गया।

---


इलाहाबाद मंगलवार 23 जून 2020

# अमृत कलश टाइम्स


## कोरोना के समय विलक्षण उपहार है योग-प्रोफेसर सिंह

### मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

डॉ श्रुति अपनी बेटी के साथ योगाभ्यास करते।

कुलसचिव डॉ एके गुप्ता सपत्निक योगा करते।

कुलपति प्रोफेसर केएन सिंह

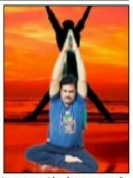

श्री इंदु भूषण पांडे योगाभ्यास करते।

प्रयागराज। 21 वी शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड–19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं धैर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज मे व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार मे ला रही है। वस्तुतरू योग वर्तमान शताब्दी मे भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नही बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुतः योग जीवन जीने की एक अनूठी अवधारणा है। केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नही है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता मे कहा कि योगरू कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विश्व विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन मे योग का प्रयोग करें। आपस मे सहयोग की भावना से ही आगे बढ़ा जा सकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यो ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश मे स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रो के समन्वयको ने भी सोशल डिस्टेंसिंग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
23 जून, 2020

# माननीय कुलपति जी ने किया विश्वविद्यालय के परिसरों का निरीक्षण

*परिसर का निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी*

शासन एवं मा0 राज्यपाल जी की मंशानुरूप नैक को शीर्ष प्राथमिकता देते हुये कैम्पस को सुसज्जित करने, निर्माण कार्य पूर्ण कराने के साथ–साथ कार्यालयों को चुस्त–दुरूस्त रखने के लिए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने दिनांक 23 जून, 2020 को 10:45 बजे विश्वविद्यालय के परिसरों का निरीक्षण किये। माननीय कुलपति जी ने परिसरों को सुसज्जित करने, निर्माण कार्य पूर्ण कराने के साथ–साथ कार्यालयों को चुस्त–दुरूस्त रखने हेतु सम्बन्धि अधिकारियों/प्रभारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह, उपकुलसचिव इं0 सुखराम मथुरिया एवं तकनीकी परामर्शदाता सिविल निक्की सिंह उपस्थित रही।

# माननीय कुलपति जी ने किया विश्वविद्यालय के परिसरों का निरीक्षण

*परिसर का निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी*

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
23 जून, 2020

# नैक मूल्यांकन अनिवार्य हो:आनंदी बेन

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को राजभवन से उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश व राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद के तत्वावधान में आयोजित 'नैक मूल्यांकन एवं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार' विषय पर वेबिनार को सम्बोधित किया।

## पांच वर्षों से अधिक समय से स्थापित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों का नैक मूल्यांकन अनिवार्य हो- राज्यपाल

### कुलपति का कार्यकाल पांच वर्ष का होना चाहिए- आनंदीबेन पटेल

लखनऊ: 23 जून, 2020 उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन से उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश तथा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'नैक मूल्यांकन एवं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार' विषयक वेबिनार को सम्बोधित करते हुए कहा कि पांच वर्षों से अधिक समय से स्थापित सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए नैक द्वारा मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए एवं अनुपालन न करने की स्थिति में कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए। उच्च शिक्षण संस्थाओं को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान अथवा किन्हीं अन्य संस्थाओं से वित्तीय सहायता प्राप्त करनी है, तो उन्हें अनिवार्य रूप से नैक संस्था से मूल्यांकन कराना ही होगा। उन्होंने कहा कि नैक मूल्यांकन के लिए शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग की ओर से कठोर प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।

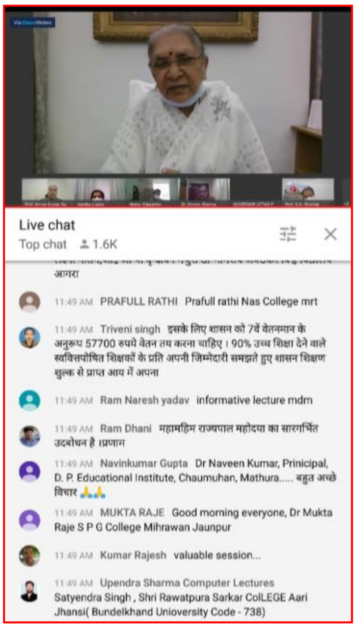

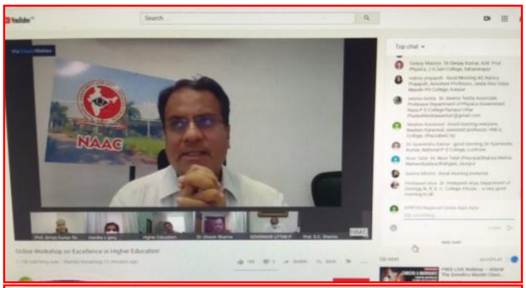

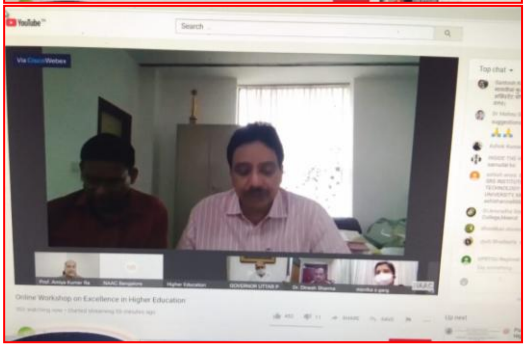

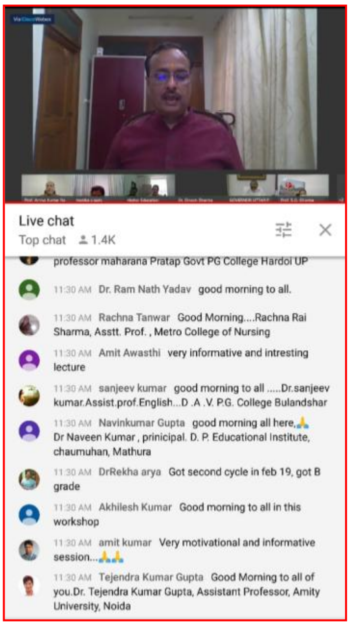


राज्यपाल ने कहा कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के समय उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सार्वभौमिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार का दायित्व और अधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में तेजी से आये बदलाव के कारण उच्च शिक्षा की गुणवत्तापरक वृद्धि के सत्त प्रयासों के लिए तकनीकी संसाधनों का प्रयोग भी आवश्यक होगा। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में आॅनलाइन शिक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। शिक्षा की गुणवत्ता राष्ट्र के विकास में सहायक होती है। इसलिये गुणवत्तायुक्त शिक्षा के प्रति सजग रहना होगा।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि महाविद्यालयों की सम्बद्धता के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किया जाना चाहिए। अधिकतम 300 महाविद्यालयों को ही विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता दी जानी चाहिए, जबकि एक-एक विश्वविद्यालय से एक हजार से अधिक महाविद्यालय सम्बद्ध हैं, ऐसी स्थिति में कुलपति कैसे नियंत्रण कर सकेंगे। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में भरे हुए पदों के आधार पर ही नैक मूल्यांकन किया जाता है। संविदा पर नियुक्त शिक्षक नैक मूल्यांकन के मापदण्ड में नहीं आते हैं। इसलिये शत-प्रतिशत शिक्षकों के पदों को भरा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेद की बात है कि किसी भी विश्वविद्यालय में शत-प्रतिशत अध्यापक नहीं है। इस पर उच्च शिक्षा विभाग और विश्वविद्यालय को गम्भीरता से विचार करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि कुलपति की नियुक्ति राजभवन से होती है और रजिस्ट्रार, कंट्रोलर और वित्त अधिकारी की नियुक्ति उच्च शिक्षा विभाग द्वारा होती है। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षा विभाग के मध्य सहज संबंध अति आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों की समस्यायें जैसे नये कोर्स को मान्यता देने, नियुक्ति एवं पदोन्नति की स्वीकृति देना शासन का कार्य है। उन्होंने कहा कि कुलपति और शासन के अधिकारियों के बीच परस्पर समन्वय का वातावरण बने, इसलिये यह आवश्यक है कि एक निश्चित दिवस पर दो या तीन विश्वविद्यालयों के अधिकारियों को बुलाकर उनकी समस्याओं को समझकर उचित समाधान किया जाए।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने उच्च शैक्षिक संस्थानों के नियमन पर अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रमुख शैक्षिक प्रशासक जैसे कि कुलपति, कुलसचिव, वित्त अधिकारी एवं परीक्षा नियंत्रक के चयन में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि चयन हेतु राज्य सरकार एवं विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों का अनुपालन अवश्य किया जाये। उन्होंने कहा कि कुलपति का कार्यकाल 5 वर्ष का होना चाहिए। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम तीन-चार वर्षों में निरन्तर अद्यतन करने का प्रावधान होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक विश्वविद्यालय के पास उद्योग से जुड़ने हेतु इण्डस्ट्री एकेडमिक सेल होना चाहिए, जो शिक्षकों एवं छात्रों को उद्योग प्रक्रियाओं में सम्मिलित करने का कार्य करें।

राज्यपाल ने कहा कि अधिकांश राज्य विश्वविद्यालयों में नियुक्ति की कोई संस्थागत व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण प्रमोशन व नियुक्तियां वर्षों अटकी रहती हैं। उन्होंने कहा कि सभी राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा नियुक्ति व प्रोन्नति के लिए यूजीसी रेगुलेशन 2018 को स्वीकार करते हुए अपनी परिनियमावली में संशोधन कर एक रिक्रूटमेन्ट सेल का गठन किया जाना चाहिए ताकि कार्य में पारदर्शिता के साथ गति भी मिले। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षा विभाग के मध्य सहज संबंध उनकी बेहतरी के लिये आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि छात्रों एवं शिक्षकों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध कायम रखना आवश्यक है। इसलिये विश्वविद्यालयों की विभिन्न समितियों में छात्रों को सम्मिलित किया जाना चाहिए और उनके माध्यम से कार्यक्रम आयोजित कराये जाने चाहिए। इससे छात्रों में व्यावहारिक अनुभव के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश के 20 राज्य विश्वविद्यालयों में से कोई भी विश्वविद्यालय 'ए' ग्रेड में नहीं है। सिर्फ 06 विश्वविद्यालय ही नैक संस्था से मूल्यांकित हैं। 159 राजकीय महाविद्यालयों में से भी कोई 'ए' श्रेणी में नहीं हैं, मात्र 29 नैक मूल्यांकित हैं, यह आदर्श स्थिति नहीं है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डाॅ0 दिनेश शर्मा ने वेबिनार में कहा कि उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता लाने के लिए राष्ट्र का दृढ़ संकल्प है। कोविड-19 के दौरान भी उच्च शिक्षा को प्रभावित नहीं होने दिया गया। विभिन्न विषयों पर शिक्षकों द्वारा ई-कन्टेन्ट तैयार कर छात्रों को आॅनलाइन, व्हाट्सअप और यू-ट्यूब के माध्यम से उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क (एन.आई.आर.एफ) में स्थान प्राप्त करने का प्रयास करें।

इस वेबिनार में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के निदेशक डा0 एस0सी0 शर्मा, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्रीमती मोनिका एस0 गर्ग, विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, विषय विशेषज्ञ एवं अन्य महानुभाव आॅनलाइन जुड़े हुए थे।

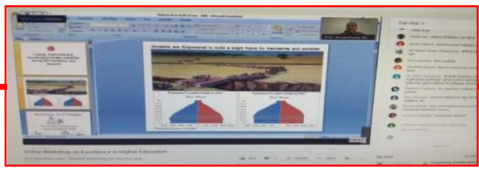

सियालदह, डुप्लीकेट पंजाब मेल स्थायी रूप से निरस्त पेज 04 | पाक उच्चायोग के कर्मचारियों की संख्या घटेगी पेज 14

# हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

**सोनू को सामी का साथ**

गायक अदनान सामी भी सोनू निगम के समर्थन में उतर आए हैं। अदनान ने कहा कि नई प्रतिभा का उत्पीड़न होता है और उनकी रचनात्मकता को कंट्रोल किया जाता है।

बुधवार, 24 जून 2020, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण | www.livehindustan.com | वर्ष 25, अंक 146, 16 पेज, मूल्य ₹ 4.00, आषाढ़ शुक्ल पक्ष, तृतीया, विक्रम संवत् 2077



**आज का दिन** 1206 में दिल्ली सल्तनत के पहले सुल्तान कुतुबुद्दीन ऐबक की लाहौर (अब पाकिस्तान) में ताजपोशी हुई।



### राज्यपाल ने कुलपतियों का कार्यकाल तीन वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष किए जाने पर जोर दिया

# नैक मूल्यांकन अनिवार्य हो:आनंदी बेन

**वेबिनार**

राज्य मुख्यालय | **प्रमुख संवाददाता**

राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि पांच वर्षों से अधिक समय से स्थापित सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए नैक द्वारा मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए एवं अनुपालन न करने की स्थिति में कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कुलपतियों का कार्यकाल तीन वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष किए जाने पर भी जोर दिया।

वह मंगलवार को राजभवन से उच्च शिक्षा विभाग एवं राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वेबिनार को संबोधित कर रही थीं। 'नैक मूल्यांकन एवं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार' विषयक इस वेबिनार में राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान अथवा किन्हीं अन्य संस्थाओं से वित्तीय सहायता प्राप्त करनी है तो उन्हें अनिवार्य रूप से नैक संस्था से मूल्यांकन कराना ही होगा। नैक मूल्यांकन के लिए शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग की ओर से कठोर प्रयास किए जाने की जरूरत है।

**अधिकतम 300 ही महाविद्यालय संबद्ध हों:** राज्यपाल ने कहा कि महाविद्यालयों की सम्बद्धता के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किया जाना चाहिए। अधिकतम 300 महाविद्यालयों को ही विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता दी जानी चाहिए, जबकि एक-एक विश्वविद्यालय से एक हजार से अधिक महाविद्यालय सम्बद्ध हैं। ऐसी स्थिति में कुलपति कैसे नियंत्रण कर सकेंगे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को राजभवन से उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश व राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद के तत्वावधान में आयोजित 'नैक मूल्यांकन एवं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार' विषय पर वेबिनार को सम्बोधित किया।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में भरे हुए पदों के आधार पर ही नैक मूल्यांकन किया जाता है। संविदा पर नियुक्त शिक्षक नैक मूल्यांकन के मापदण्ड में नहीं आते हैं, इसलिए शत-प्रतिशत शिक्षकों के पदों को भरा जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि कुलपति का कार्यकाल 3 वर्ष के स्थान पर 5 वर्ष का होना चाहिए। पाठ्यक्रम भी तीन-चार वर्षों में निरन्तर अद्यतन करने का प्रावधान होना चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय के पास उद्योग से जुड़ने हेतु इंडस्ट्री एकेडमिक सेल होना चाहिए। अधिकांश राज्य विश्वविद्यालयों में नियुक्ति की कोई संस्थागत व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण प्रमोशन व नियुक्तियां वर्षों अटकी रहती हैं।

## विश्वविद्यालय मूल्यांकन करवाएं: दिनेश शर्मा

**राज्य मुख्यालय।** उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों को जल्द से जल्द नैक मूल्यांकन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसे जल्द कराया जाए ताकि एनआईआरएफ रैंकिंग में प्रदेश के अधिक से अधिक शिक्षण संस्थान शीर्ष स्थान प्राप्त कर सकें। विवि अपने तहत आने वाले को नैक मूल्यांकन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए मेंटर की भूमिका निभाएं।

# मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

25 जून, 2020


## आडिट आपत्ति के सम्बन्ध में बैठक आयोजित

# मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

25 जून, 2020

## वित्त समिति की 44वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, वित्त समिति की 44वीं बैठक दिनांक 25 जून, 2020 को अपराह्न 03:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, माननीय कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में उ0 प्र0 शासन की ओर से डॉ0 राजीव पाण्डेय, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, श्री बी.के.सिंह, पूर्व आयुक्त, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज, श्री अजय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

**दैनिक जागरण** — प्रयागराज जागरण

### मुक्त विवि के कुलपति से पूछें सवाल

कोरोना महामारी के चलते स्कूल कॉलेजों में शिक्षण गतिविधियां ठप हैं। ऐसे में युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। प्रवेश प्रक्रिया भी प्रभावित है। इसलिए दूरस्थ शिक्षा पद्धति के जरिए युवा घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं। इस दौरान आपको किस पाठ्यक्रम में दाखिला लेना है?, कब से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी?, रेगुलर मोड से कितनी जुदा है दूरस्थ शिक्षा पद्धति?, कितने रोजगारपरक पाठ्यक्रम हैं? आदि सवाल आप पूछ सकते हैं। इस बार शुक्रवार को दोपहर 12 से एक बजे तक दैनिक जागरण के फोन इन कार्यक्रम प्रश्न पहर में जवाब देने के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह उपस्थित रहेंगे। मोबाइल नंबर 9793062340 और 8840622879 पर कॉल करें। सवाल और जवाब मुख्य अंश शनिवार के अंक में प्रकाशित किए जाएंगे।

जागरण **प्रश्न पहर**

प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह • जागरण


प्रयागराज, शनिवर 27 जून, 2020 नगर संस्करण मूल्य ₹ 6.00 पृष्ठ 16

**दैनिक जागरण**

www.jagran.com

कोर्ट की रक्षा को बनेगा उप्र विशेष सुरक्षा बल 7 — राजीव फाउंडेशन को दिया गया पीएम राहत कोष का पैसा 11

4 दैनिक जागरण प्रयागराज, 27 जून, 2020 — प्रयागराज जागरण — www.jagran.com


### दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से घर बैठे करें पढ़ाई

प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह • जागरण

जागरण **प्रश्न पहर**

जून के आखिरी सप्ताह में रफ्तार पकड़ने वाली प्रवेश प्रक्रिया का पहिया कोरोना ने थाम दिया है। अचानक लगे ब्रेक से युवा असमंजस में है कि परीक्षाएं होंगी या नहीं? विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से घर बैठे पढ़ाई कर सकेंगे। इस पद्धति से डिग्री संग डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। नए सत्र से फाफामऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय पीएचडी भी कराएगा। कार्यपरिषद से मंजूरी के बाद दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यह कहना है विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह का। प्रो. सिंह शुक्रवार को दैनिक जागरण के फोन इन कार्यक्रम प्रश्न पहर में एक घंटे के दौरान छात्रों के ढेरों सवाल किए। प्रस्तुत है सवाल-जवाब के प्रमुख अंश।

**हेल्पलाइन पर कर सकते हैं संपर्क**

मुक्त विवि के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि यह उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसने छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। टोलफ्री नंबर 18001200111333 पर संपर्क कर सकते हैं।

**सवाल :** रोजगार को कौन से पाठ्यक्रम संचालित हैं?
**जवाब :** तमाम पाठ्यक्रम हैं। पढ़ाई बाद कोई भी रोजगार कर आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं।

**सवाल :** परास्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षाएं कब होंगी?
**जवाब :** शासन ने निर्णय नहीं लिया है। 20 जुलाई के बाद तिथि घोषित होगी।

**सवाल :** मुविवि से परास्नातक की पढ़ाई करना चाहते हैं।
**जवाब :** दूरस्थ शिक्षा पद्धति में कक्षाओं की अनिवार्यता नहीं है। दाखिला ऑनलाइन ले सकते हैं।

**सवाल :** इविवि से परास्नातक में दाखिला संग मुविवि से योग में डिप्लोमा कर सकते हैं?
**जवाब :** बिल्कुल ले सकते हैं। विश्वविद्यालय योग पाठ्यक्रम के तहत अभ्यास भी कराता है।

**सवाल :** राजनीति विज्ञान से परास्नातक करना चाहते हैं।
**जवाब :** पढ़ाई में ब्रेक की कोई बाध्यता नहीं है। ऑनलाइन आवेदन कर प्रवेश ले सकते हैं।

**सवाल :** बेटी बैंक में नौकरी करती है। क्या मुक्त विवि में बीटीसी की सुविधा है?
**जवाब :** मुक्त विश्वविद्यालय बीटीसी नहीं कराता और नौकरी संग बीटीसी कर पाना संभव भी नहीं है। स्पेशल बीएड में प्रवेश के लिए अगले वर्ष आवेदन करें।

**सवाल :** योग में दाखिला लिया था। अभी तक अंकपत्र नहीं मिला।
**जवाब :** अंकपत्र विश्वविद्यालय आकर ले सकते हैं। संबंधित विभाग को दिशा-निर्देश दिया जा रहा है।

**सवाल :** क्या सीधे दूसरे वर्ष में प्रवेश मिल सकता है?
**जवाब :** सभी विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम अलग होता है। प्रथम वर्ष में ही दाखिला लेना होगा।

**सवाल :** योग में सबसे कम अवधि का कौन सा पाठ्यक्रम है?
**जवाब :** न्यूनतम छह माह का कोर्स है। इसमें दाखिला ऑनलाइन ले सकते हैं।

**सवाल :** दूरस्थ शिक्षा को वैल्यू मिलता है?
**जवाब :** विवि अनुदान आयोग की देखरेख में समान महत्व है।

**सवाल :** जो किताबें मिली हैं, उसी से तैयारी करें या बाहर से खरीदूं?
**जवाब :** किताबें जितना पढ़ेंगे ज्ञान उतना बढ़ेगा। परीक्षा के लिहाज से विवि की पुस्तकें ही पर्याप्त हैं।

**सवाल :** फोटोग्राफी का पाठ्यक्रम संचालित है?
**जवाब :** यहां डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन होता है। दाखिले की ऑनलाइन प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है।

**इन्होंने पूछे सवाल**

अल्लापुर से अखिलेश, मृत्युंजय पांडेय, इविवि से हरिओम त्रिपाठी, नैनी से शिवम तिवारी, तुलाराम बाग से महेंद्र यादव, लीडर रोड से प्रीति, सोरांव से उदयराज सिंह, मेजा से हंस पांडेय, झूंसी से नरेश चंद्र निषाद, टैगोर टाउन से अनिल गोयल, चौफटका से सुमित यादव, अल्लापुर से सुरेंद्र कुमार कटियार, झूंसी से रामवीर यादव, करेली से बीके त्रिपाठी, लीडर रोड से आदित्य गुप्ता, नवाबगंज से गौरव त्रिपाठी, झूंसी से श्रीप्रकाश दीक्षित, राजापुर से अतुल यादव, झूंसी से बलराम सिंह यादव, रसूलाबाद से डॉ. अजय गोविंद राव, फैजाबाद से आकाश यादव, इविवि से कुंवर साहब सिंह व आशीष, झूंसी से अजय यादव सम्राट व गोविंदपुर से पंकज मिश्र ने सवाल किए।

### उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय मेंरठ का स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

**मेरठ संवाददाता**

उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय का स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। मेरठ शहर स्थित कार्यालय पर समन्वयक डा० पूनम गर्ग ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सोशियल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए, सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर डा० पूनम गर्ग ने, क्षेत्र के सभी अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो व समन्वयकों से ऑनलाइन वार्ता करते हुए कार्यालय की प्रगति रिपोर्ट भी पेश की और कहा कि मेरठ क्षेत्र का कार्यालय नित नवीन ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है और विश्वविद्यालय के मापदंडों को पूरा करते हुए आगे बढ़ रहा है जिसका सारा श्रेय अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो, समन्वयकों एवं समस्त कार्यालय कर्मचारियों को जाता है। इसके बाद क्षेत्रीय समन्वयक ने सभी का आभार व्यक्त किया। सभी प्राचार्यो, समन्वयकों एवं कार्यालय कर्मियों ने समन्वयक को बधाई दी, और उनके द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

27 जून, 2020

*एम.डी. पी.जी. कालेज, प्रतापगढ के संस्थापक स्व.पं. मुनीश्वरदत्त उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्र नाथ सिंह जी।*

# शिक्षा व्यवस्था को संजीवनी देने का कार्य करेगी दूरस्थ शिक्षा : कुलपति

## अध्ययन केंद्र का कुलपति प्रो. के एन सिंह ने किया उद्घाटन

एम.डी. पी.जी. कालेज, प्रतापगढ के संस्थापक स्व.पं. मुनीश्वरदत्त उपाध्याय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केन्द्र का शुभारम्भ दिनांक 27 जून, 2020 को माननीय कुलपति प्रो कामेश्र नाथ सिंह जी ने फीता काटकर किया।

प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष प्रमन मिश्र ने उपस्थित लोंगो के प्रति आभार जताया। कार्यकम का संचालन अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ0 पीयूषकान्त शर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. आनंद पाण्डेय, डॉ. आर.के. सिंह डॉ. अरूण कुमार तिवार, डॉ. छविनारायण पाण्डेय, श्रद्धा सिंह, डॉ. उषा तिवारी, डॉ. अखिलेश पाण्डेय, डॉ0 रंजोत पटेल, डॉ. प्रधमेश पाण्डेय,डॉ. बलराज मिश्र, पंकज शर्मा मौजूद रहे।

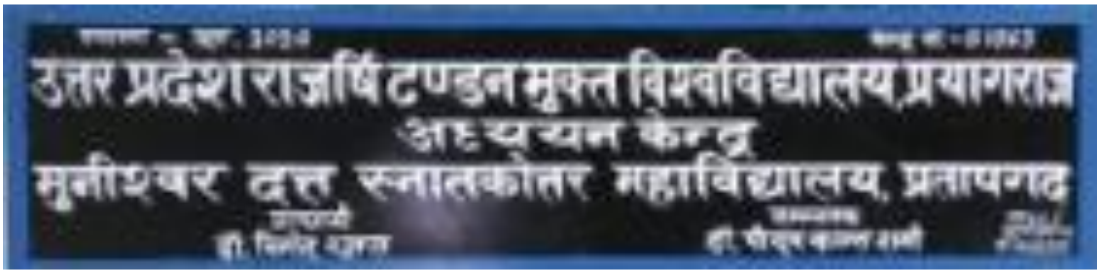

*फीता काटकर राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केन्द्र एम.डी. पी.जी. कालेज, प्रतापगढ का शुभारम्भ करते हुए माननीय कुलपति प्रो कामेश्र नाथ सिंह जी तथा कार्यक्रम का संचालन करते हुए अध्ययन केन्द्र के समन्वयक डॉ0 पीयूषकान्त शर्मा*

*माननीय कुलपति प्रो कामेश्र नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए महाविद्यालय परिवार के सदस्यगण*

## शिक्षा व्यवस्था को संजीवनी देने  का कार्य करेगी दूरस्थ शिक्षा  : कुलपति

माननीय कुलपति प्रो कामेश्र नाथ सिंह जी

माननीय कुलपति प्रो कामेश्र नाथ सिंह जी ने **संगोष्ठी को संबोधित  करते हुए कहा कि 21 वीं शक्ताब्दी  के 20 वें पायदान पर आज लोगों  की जिंदगी ठहर सी गई है। ऐसे में  दूरस्थ शिक्षा, शिक्षा व्यवस्था** को संजीवनी देने का कार्य करेगी। **तकनीकी कार्यक्रम का संचालन अध्ययन केंद्र  कोविड़- 19 ने हमारे समक्ष** चुनौतियां  **खड़ी की और जीवन एवं** जीविका के समक्ष एक संकट  **उत्पन्न कर दिगा। इन्होंने कहा कि** हम जीवन देखते हैं तो जीविका नष्ट होती है और जीविका का ख्याल रखतें हैं तो जीवन पर संकट आता है।  ऐसे में दोनों को बनाये रखने के लिए परंपरागत शिक्षा के बजाय तकनीकी शिक्षा के माध्यम से शिक्षा सभी तक पहुंचानी होगी। तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा के माध्यम से लोंगो के के कौशल को विकसित कर उन्हें रोजगारपरक बनाना होगा।

प्राचार्य डॉ. विनोद शुक्ल ने कहा कि वर्तमान परिवेश में दूरस्थ शिक्षा की महत्ता बढ़ गयी है और यह अध्ययन केन्द्र इस परिस्थिति में बहुत ही सार्थक साबित होगा।

*सभागार में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षकगण।*

# शिक्षा व्यवस्था को संजीवनी देने का कार्य करेगी दूरस्थ शिक्षा

## शनिवार को अध्ययन केंद्र का कुलपति प्रो. केएन सिंह ने किया उद्घाटन

**संवाद न्यूज एजेंसी**

**प्रतापगढ़।** एमडीपीजी कालेज के संस्थापक स्व. पं. मुनीश्वरदत्त उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र का शुभारंभ शनिवार को कुलपति प्रो. केएन सिंह ने फीटा काटकर किया।

कुलपति ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि 21 वीं शताब्दी के 20 वें पायदान पर आज लोगों की जिंदगी ठहर सी गई है। ऐसे में दूरस्थ शिक्षा, शिक्षा व्यवस्था को संजीवनी देने का कार्य करेगी। कोविड-19 ने हमारे समक्ष चुनौतियां खड़ीं कीं और जीवन एवं जीविका के समक्ष एक संकट उत्पन्न कर दिया। उन्होंने कहा कि हम जीवन देखते हैं तो जीविका नष्ट होती है और जीविका का ख्याल रखते हैं तो जीवन पर संकट आता है। ऐसे में दोनों को बनाए रखने के लिए परंपरागत शिक्षा की बजाए तकनीकी शिक्षा के माध्यम से शिक्षा सभी तक पहुंचानी होगी। तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा के माध्यम से लोगों के कौशल को विकसित कर उन्हें रोजगारपरक बनाना होगा। प्राचार्य डॉ. विनोद शुक्ल ने कहा कि वर्तमान परिवेश में दूरस्थ शिक्षा की महत्ता बढ़ गई है और यह अध्ययन केंद्र इस परिस्थिति में बहुत ही सार्थक साबित होगा। प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रमन मिश्र ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. पीयूषकांत शर्मा ने किया। इस मौके पर आनंद पांडेय, डॉ. आरके सिंह, डॉ. अरुण कुमार तिवारी, डॉ. छविनारायण पांडेय, श्रद्धा सिंह, डॉ. ऊषा तिवारी, डॉ. अखिलेश पांडेय, डॉ. रंजीत पटेल, डॉ. प्रथमेश पांडेय, डॉ. बलराज मिश्र, अजय मिश्र, पंकज शर्मा मौजूद रहे।

**पाठ्यक्रम सेंटर के उद्घाटन अवसर पर कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह एवं एमडीपीजी प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रमन मिश्र**

# मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

28 जून, 2020

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केन्द्र पर

## कोविड–19 के तहत

## दूरस्थ शिक्षा का महत्व विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

दिनांक 27 जून, 2020 को सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज ने "COVID -19 के तहत दूरस्थ शिक्षा का महत्व" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया।

सत्र की अध्यक्षता दो महान वक्ताओं उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयाग के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं हिन्दु विश्वविद्यालय, यूएसए. के पूर्व माननीय कुलपति प्रो0 भू देव शर्मा जी ने की।

कामना भंडारी, प्रबंधन विभाग के संकाय ने वेबिनार का संचालन किया। कॉलेज की निदेशक डॉ0 अनीता सिंह ने दूरस्थ शिक्षा के बारे में एक संक्षिप्त परिचय के साथ वेबिनार की शुरुआत की। इसके बाद, कॉलेज के प्राचार्य डॉ0 संजय कुमार ने हमारे अतिथि का सम्मान किया। कॉलेज के सचिव निर्मल सिंह ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। अंत में डॉ0 कविता त्यागी, एन0सी0आर0 क्षेत्र की क्षेत्रीय समन्वयक, यू0पी0आ0र0टी0ओ0यू0 ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ वेबिनार का समापन किया।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के अनुसार, COVID-19 महामारी के कारण, दुनिया के 90 प्रतिशत से अधिक, लगभग 1.5 बिलियन छात्र, 190 देशों और क्षेत्रों के स्कूलों में नहीं जा सकते हैं। ऑनलाइन और डिस्टेंस लर्निंग छात्रों के लिए ज्ञान प्राप्त करने का मुख्य जरिया बन गया है। दूरस्थ शिक्षा विभाग ने "COVID-19 के तहत दूरस्थ शिक्षा का महत्व" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया है।

Dr. Anita Singh
Director
SCPS,Ghaziabad

कॉलेज की निदेशक डॉ0 अनीता सिंह ने दूरस्थ शिक्षा के बारे में एक संक्षिप्त परिचय के साथ वेबिनार की शुरुआत की

Dr. Sanjay Kumar
Principal
SCPS,Ghaziabad

कॉलेज के प्राचार्य डॉ0 संजय कुमार ने हमारे अतिथि का सम्मान किया।

Mr. Nirmal Singh
Secretary
SCPS,Ghaziabad

कॉलेज के सचिव निर्मल सिंह ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया।

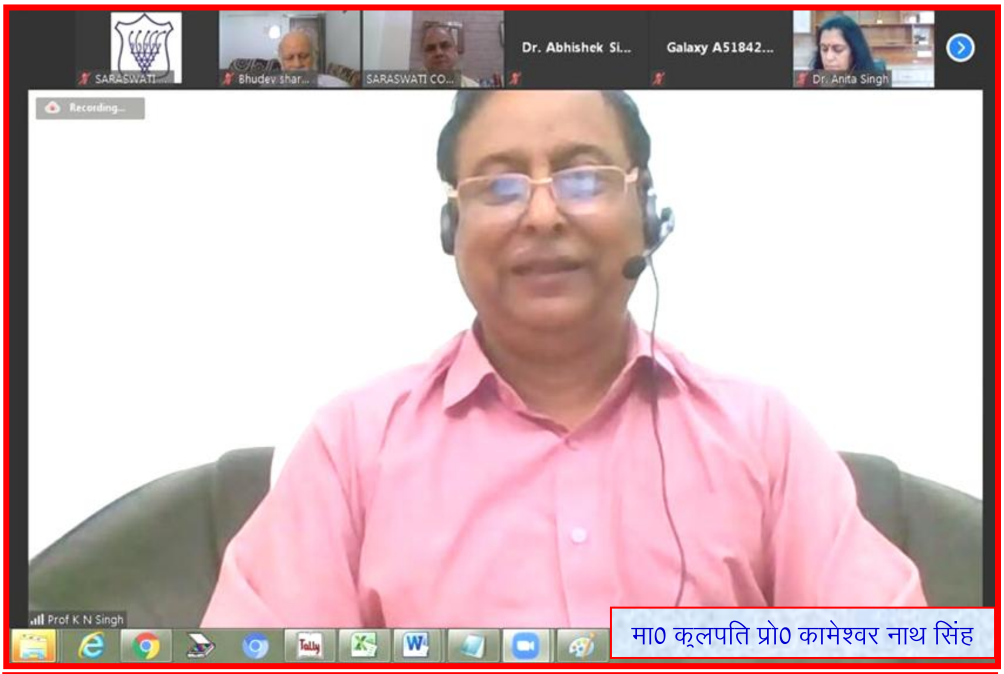


मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

## दूरस्थ शिक्षा से बेहतर कोई विकल्प नहीं है : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने अपने वक्तव्य में बताया कि COVID -19 के तहत दूरस्थ शिक्षा की भूमिका पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने हमें बताया कि किस प्रकार दूरस्थ शिक्षा बहुत कम लागत पर सभी तक पहुँच रही है। यह दिन की आवश्यकता है। अब कोई भी नियमित रूप से डिग्री के साथ-साथ एक दूरस्थ डिग्री ले सकता है। उसने IT + IT = IT का सूत्र सुझाया है जिसका अर्थ है सूचना प्रौद्योगिकी (आई0टी0) + भारतीय प्रतिभा (आई0टी0) = भारत कल (आई0टी0)।

प्रो0 सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से देश को साक्षरता और बौद्धिक समता को स्पष्ट करना ही लक्ष्य है। इस परिस्थिति में दूरस्थ शिक्षा से बेहतर कोई विकल्प नहीं है।

## दूरस्थ शिक्षा छात्रों के लिए सर्वोत्तम तरीकों में एक: प्रो0 भू देव

प्रो0 भू देव शर्मा, पूर्व वी0सी0 अमेरिका के हिंदू विश्वविद्यालय, यू0एस0ए0 ने COVID -19 के तहत दूरस्थ शिक्षा के महत्व पर एक बहुत ही जानकारी पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने सुझाव दिया कि दूरस्थ शिक्षा छात्रों के लिए सीखने के दरवाजे खुले रखने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। उन्होंने सुझाव दिया कि के0जी0 से पी0जी0 तक की शिक्षा प्रणाली को कैसे जारी रखा जाए।

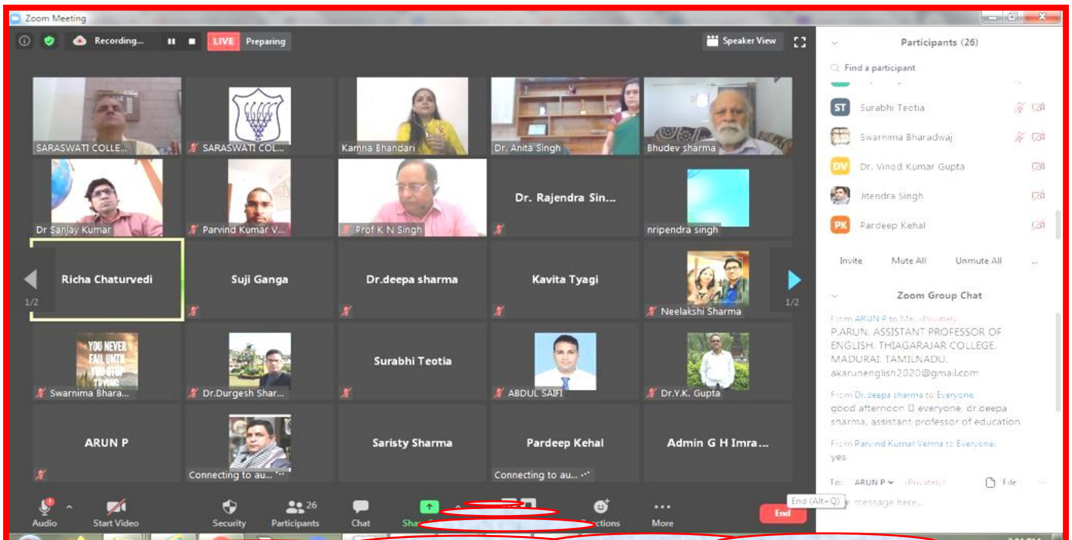


*अन्तर्राष्ट्रीय बेविनार में अपने विचार व्यक्त करते हुए वक्ता एवं प्रतिभाग करते हुए प्रतिभागीगण।*

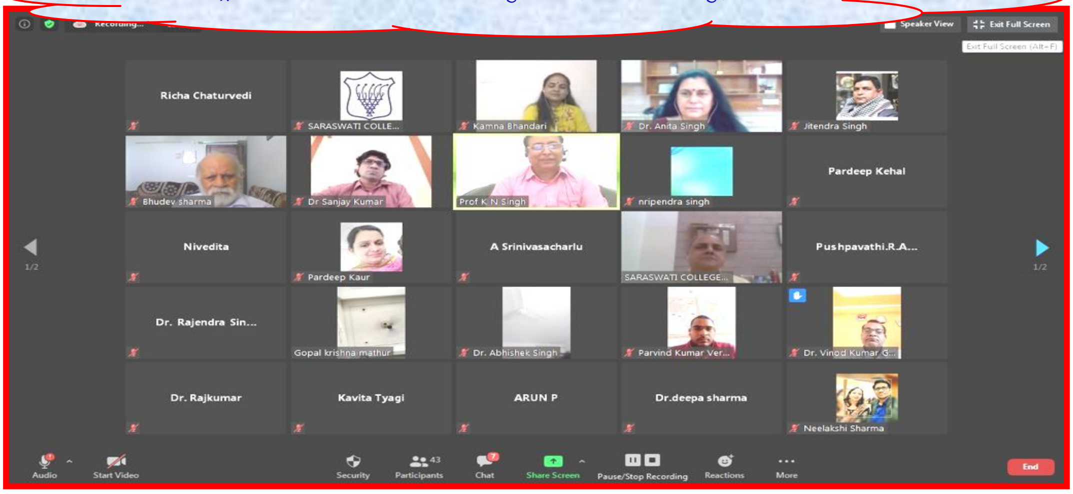

*धन्यवाद ज्ञापित करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 कविता त्यागी।*

# हिन्दुस्तान टाइम्स न्यू दिल्ली

## सरस्वती कॉलेज ने किया दूरस्थ शिक्षा का महत्व विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

प्रलयंकर संवाददाता
गाजियाबाद। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन यूनेस्को के अनुसार, कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया के 90 प्रतिशत से अधिक, लगभग 1.5 बिलियन छात्र, 190 देशों और क्षेत्रों के स्कूलों में नहीं जा सकते है। ऑनलाइन और डिस्टेंस लर्निंग छात्रों के लिए ज्ञान प्राप्त करने का मुख्य जरिया बन गया है। दूरस्थ शिक्षा विभाग ने कोविड-19 के तहत दूरस्थ शिक्षा का महत्व विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिना का आयोजन किया।

सत्र की अध्यक्षता क्षेत्र के दो महान वक्ताओं प्रो. केएन सिंह और प्रो. भूदेव शर्मा ने की। प्रबंधन विभाग की कामना भंडारी ने वेबिनार का संचालन किया। कॉलेज की निदेशक डॉ. अनीता सिंह ने दूरस्थ शिक्षा के बारे में एक संक्षिप्त परिचय के साथ वेबिनार की शुरुआत की। इसके बाद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। हिन्दू विश्वविद्यालय यूएसए के पूर्व वीसी शर्मा ने दूरस्थ शिक्षा के महत्व पर पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि दूरस्थ शिक्षा छात्रों के लिए सीखने के दरवाजे खुले रखने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। साथ ही सुझाव दिया कि केजी से पीजी तक की शिक्षा प्रणाली को कैसे जारी रखा जाए।

कॉलेज के सचिव निर्मल सिंह ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। यूपी राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कोविड-19 के तहत दूरस्थ शिक्षा की भूमिका पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और भारतीय प्रतिभा (आईटी) भारत कल (आईटी) के सूत्र को भी समझाया। अंत में डॉ. कविता त्यागी, एनसीआर क्षेत्र की क्षेत्रीय समन्वयक, यूपीआरटीओयू ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ वेबिनार का समापन किया।

# हिन्दुस्तान टाइम्स

## दूरस्थ शिक्षा का महत्व बताया

**गाजियाबाद।** सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज ने कोविन-19 के अंतर्गत दूरस्थ शिक्षा के महत्व विषय पर अंतराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार सत्र की अध्यक्षता राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह और हिन्दु विश्वविद्यालय यूएसए के पूर्व कुलपति भू देव ने की।

प्रोफेसर कामेश्वर नाथ ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा बहुत कम लागत में सभी छात्रों तक पहुंच जाती है। वहीं, प्रोफेसर भूदेवशर्मा ने बताया कि केजी से पीजी तक की शिक्षा प्राणाली को कैसे जारी रखा जा सकता है। प्रबंधन विभाग की कामना भंडारी ने वेबिनार का संचालन किया। कॉलेज की निदेशक अनिता सिंह ने संक्षिप्त परिचय देकर शुरुआत की।

# मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj


29 जून, 2020

## कोरोना महामारी के दौरान दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता पर हुई चर्चा

### बेवीनार का हुआ आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केन्द्र पहलवान गुरुदीन ग्रुप ऑफ कालेज, ललितपुर की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय बेवीनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय कोविड–19 के दौरान दूरस्थ शिक्षा का महत्व एवं उनकी भूमिका व भविष्य है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, शिक्षा विद्याशखा के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के बरेली क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 आर0बी0 सिंह, अध्यक्ष हिन्दी विभाग बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के डॉ0 पुनीत बिसारिया एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के झांसी की क्षेत्रिय केन्द्र समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी रहीं। रिसोर्स पर्सन के रूप में कालेज के संस्थापक डॉ0 पारस नाथ यादव बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के डॉ0 पुनीत द्विवेदी, डॉ0 भूनेश्वर सिंह मस्तानया, डॉ0 महेन्द्र कुमार आर्य, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय के डॉ0 सूर्यनाथ यादव अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ0 सुफिया, डॉ0 महेश , डॉ0 भूपेन्द्र ने सहभागिता ली। माननीय कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह कोरोना के वैश्विक के महामारी के दौरान दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता एवं महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया एवं अन्य सभी वक्ताओं ने दूरस्थ शिक्षा पर अपने विचार व्यक्त किए। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के झांसी की क्षेत्रिय केन्द्र समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी ने अभारी व्यक्त किया।

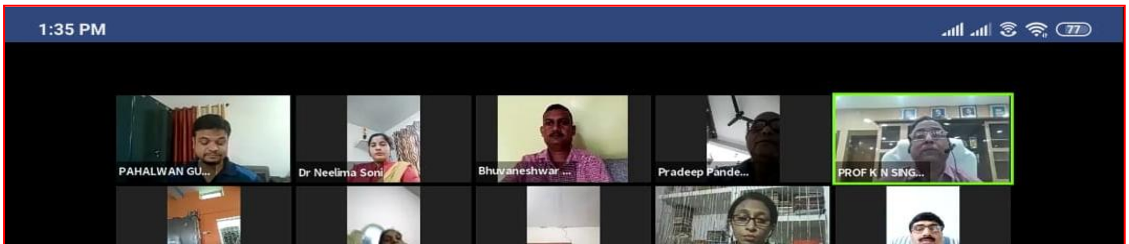

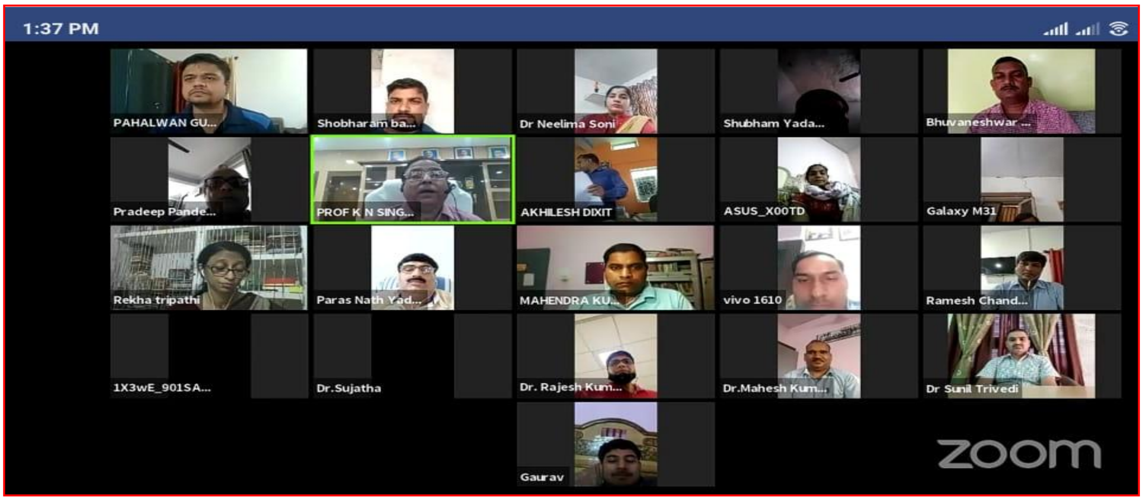


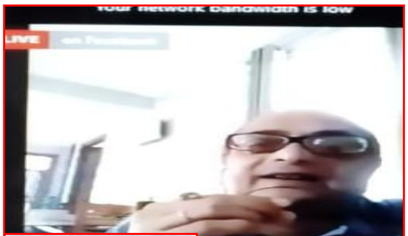

प्रो0 पी0के पाण्डेय

डॉ0 आर0बी0 सिंह

प्रो0 पी0के पाण्डेय ने बताया कि अब दूरस्थ शिक्षा को मुक्त और दूरस्थ के रूप में ग्रहण करना चाहिये, क्योंकि वह ओपेन एण्ड डिस्टेन्स के रूप में दिखाई पड़ता है। दूररस्थ शिक्षा की प्रकिया बहुत पुरानी है लेकिन आज इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। दूरस्थ शिक्षा को मुख्य शिक्षा के साथ जोडना होगा। सामान्य पाठयकम और सामान्य महत्व को स्वीकार करना होगा।

डॉ0 आर0बी0 सिंह ने बताया कि यू0पी0आर0टी0ओ0यू0 ने अपनी स्थापना के तदोपरान्त शिक्षा के विस्तार के लिये जगह–जगह क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना करते हुये साक्षरता में वृद्धि की। यू0पी0आर0टी0ओ0यू0 अपनी परीक्षा प्रणाली और मूल्यांकन प्रकिया की गुणात्मकता को उच्च बनाये रखा है।

*अन्तर्राष्ट्रीय बेवीनार में अपने विचार व्यक्त करते हु अतिथिगण।*

मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

## दूरस्थ शिक्षा आज की ही नहीं भविष्य की भी शिक्षा है : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने अपने वक्तव्य में बताया कि जहां शून्य से शिखर तक सब कुछ स्थिर पड़ा है। दुनिया के विकसित से विकसित देशों तक की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियां शून्य पड़ गयी हैं। क्या किसी समस्या की डर से सब कुछ छोड़ दें, ऐसा सम्भव नहीं है। दूरस्थ शिक्षा आज की ही नहीं भविष्य की भी शिक्षा है। नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुये बताया कि चुनौतियों को ध्यान में रखते हुये नई शिक्षा नीति में पुनः बदलावा जरूरी है। शिक्षा को गुणात्मक बनाने के लिये यूपीआरटीओयू ने महत्वपूर्ण पहलुओं पर हमेशा अपना स्पष्ट पक्ष रखता है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से देश को साक्षरता और बौद्धिक समता को स्पष्ट करना ही लक्ष्य है। इस परिस्थिति में दूरस्थ शिक्षा से बेहतर कोई विकल्प नहीं है।

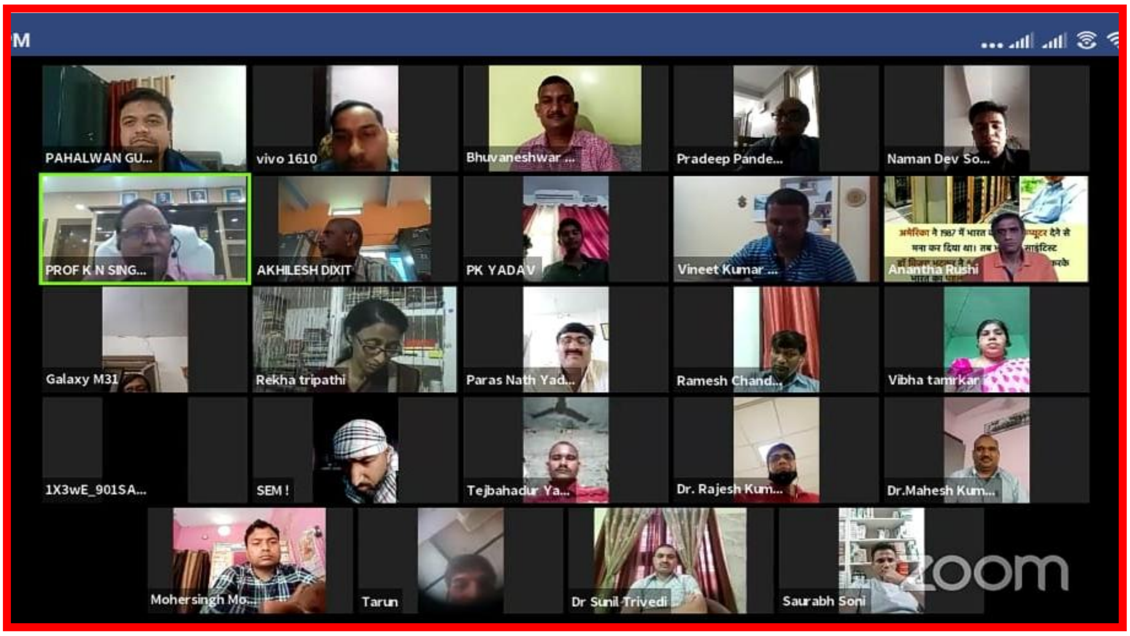

Janta Union Epaper

# कोरोना महामारी के दौरान दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता पर हुई चर्चा

## बेवीनार का हुआ आयोजन

**झाँसी जयूसं।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के अध्ययन केंद्र पहलवान गुरुदीन ग्रुप ऑफ कॉलेज ललितपुर की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसका विषय कोविड-19 के दौरान दूरस्थ शिक्षा का महत्व एवं उनकी भूमिका व भविष्य है। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर पी.के. पांडे निदेशक उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्या शाखा प्रयागराज डॉ. आर. बी. सिंह क्षेत्रीय समन्वयक बरेली डॉ. पुनीत बिसारिया अध्यक्ष हिंदी विभाग बुंदेलखंड विश्वविद्यालय एवं डॉ. रेखा त्रिपाठी क्षेत्रीय समन्वयक झांसी रिसोर्स पर्सन के रूप में डॉ. पारसनाथ यादव संस्थापक डॉ. सुनील द्विवेदी बुंदेलखंड विश्वविद्यालय डॉ. भुनेश्वर सिंह मस्तानया डॉ. महेंद्र कुमार आर्य बुंदेलखंड विश्वविद्यालय डॉ. सूर्यनाथ यादव अध्ययन केंद्र समन्वयक डॉ. सुफिया डॉ. महेश डॉक्टर भूपेंद्र ने सहभागिता ली माननीय कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह कोरोना कि वैश्विक के महामारी के दौरान दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता एवं महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया एवं अन्य सभी वक्ताओं ने दूरस्थ शिक्षा पर अपने विचार व्यक्त किए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र झांसी क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा त्रिपाठी ने आभार व्यक्त किया।

# "कोविड-19 के दौरान दूरस्थ शिक्षा का महत्व एवं इसकी भूमिका व भविष्य" विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया

पहलवान गुरुदीन ग्रुप ऑफकालेज के उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र विभाग द्वारा "कोविड-19 के दौरान दूरस्थ शिक्षा का महत्व एवं इसकी भूमिका व भविष्य" विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार में देशभर के 10 राज्यों एवं 30 विश्वविद्यालयों के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर, प्रवक्ता एवं 35000 छात्र-छात्राओं ने यूट्यूब, फेसबुक और जूम एप्प के माध्यम से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 (डॉ0) कामेश्वर नाथ सिंह, मा0 कुलपति, राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज, मुख्य वक्ता प्रो0(डॉ0) प्रदीप कुमार पाण्डेय, निदेशक शिक्षा विद्या शाखा यूपीआरटीओ प्रयागराज, डॉ0 आर0 बी0 सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक, पूर्व प्राचार्य बरेली, यूपीआरटीओ प्रयागराज उ0प्र0, डॉ0 पुनीत बिसारिया, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, अध्यक्ष निदेशक शिक्षा संस्थान, बु0वि0वि0 झांसी और डॉ0 रेखा त्रिपाठी, क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी झांसी, यूपीआरटीओ प्रयागराज उ0प्र0 रहीं। मुख्य संरक्षक संस्थापक डॉ0 पारसनाथ यादव, प्रबन्धक डॉ0 सूर्यनाथ यादव, कार्यक्रम का संयोजक डॉ0 पूजा यादव, निदेशक सौरव यादव गौरव यादव एवं महिला महाविद्यालय प्राचार्या डॉ0 सुफिया एवं प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 महेश कुमार झा की निगरानी में यह अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। असि0 प्रो0 भूपेन्द्र कुमार, अध्ययन केन्द्र प्रभारी (914) यूपीआरटीओ प्रयागराज के द्वारा विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में बताया कि जहाँ शून्य से शिखर तक सब कुछ स्थिर पड़ा है। दुनिया के विकसित से विकासशील देशों तक की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियाँ शून्य पड़ गयी हैं। क्या किसी समस्या के डर से सब कुछ छोड़ दें, ऐसा संभव नहीं है। दूरस्थ शिक्षा आज की ही नहीं भविष्य की भी शिक्षा है। नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए बताया चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति में पुनः बदलाव जरूरी है, शिक्षा को गुणात्मक बनाने के लिए यूपीआरटीओ ने महत्वपूर्ण पहलुओं पर हमेशा अपना स्पष्ट पक्ष रखता है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से देश की साक्षरता और बौद्धिक क्षमता को समृद्ध करना ही लक्ष्य है। इस परिस्थिति में दूरस्थ शिक्षा से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। प्रो0(डॉ0) पी के पाण्डेय ने बताया कि अब दूरस्थ शिक्षा को मुक्त और दूरस्थ के रूप में ग्रहण करना चाहिए क्योंकि यह ओपन एण्ड डिस्टेंस के रूप में दिखाई पड़ता है। दूरस्थ शिक्षा की प्रक्रिया बहुत पुरानी है लेकिन आज इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। दूरस्थ शिक्षा को मुख्य शिक्षा के साथ जोड़ना होगा। समान पाठ्यक्रम और समान महत्व को स्वीकार करना होगा। डॉ0 आर बी सिंह ने बताया कि यूपीआरटीओ ने अपनी स्थापना के तदोपरान्त शिक्षा के विस्तार के लिए जगह-जगह केन्द्रीय कार्यालयों की स्थापना करते हुए साक्षरता में वृद्धि की। यूपीआरटीओ अपनी परीक्षा प्रणाली और मूल्यांकन प्रक्रिया की गुणात्मकता को उच्च बनाये रखा है। डॉ0 पुनीत बिसारिया ने बताया कि ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था की व्यापकता और आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए बहुत आवश्यक है आज जहाँ मूल्यांकन और शिक्षण स्थगित पड़े हैं ऐसे में दूरस्थ शिक्षा अत्यन्त महत्वपूर्ण हो जाती है। डॉ0 भूवनेश्वर सिंह मस्तानिया, शिक्षा विभाग बु0वि0वि0 झांसी ने बताया कि बदलते परिवेश में शैक्षिक आयामों का बदलना भी आवश्यक है। आवश्यकतानुसार शैक्षिक उपागमों को अपनाना चाहिए क्योंकि किसी कार्य को बन्द करने से अच्छा है कि उसको गति प्रदान करते रहें। डॉ0 सुनील त्रिवेदी, शिक्षा विभाग बु0वि0वि0 झांसी ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक है परन्तु प्रतिभाओं को परख करते हुए यदि आवश्यक न हो तो उसे विद्यालयी शिक्षा अवश्य ग्रहण करनी चाहिए क्योंकि व्यवसायिक एवं प्रयोगात्मक पाठ्यक्रमों को संचालित करने में दूरस्थ शिक्षा कमजोर दिखाई पड़ती है लेकिन दूरस्थ शिक्षा से समय और धन की बचत होती है। डॉ0 महेन्द्र कुमार आर्य, शिक्षा विभाग बु0वि0वि0 झांसी ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा में यूपीआरटीओ की महत्वपूर्ण भूमिका है, अनेक ऐसे प्रतिभायें होती हैं जो अपनी व्यस्तता के कारण ज्ञानार्जन नहीं कर सकती हैं उसको पूर्ण करने में दूरस्थ शिक्षा बहुत ही उपयोगी है। संस्थापक डॉ0 पारसनाथ यादव ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि शैक्षिक प्रक्रिया में बेशक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है परन्तु बदलते परिवेश और चुनौतियों को स्वीकार करते हुए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा की गति में निरन्तरता प्रदान की जा सकती है। दूरस्थ शिक्षा की प्रक्रिया निश्चित ही आज अत्यन्त आवश्यक हो गयी है जो कि हमारे सभ्यता और संस्कृति में प्राचीन काल से प्रचलित है। दूरस्थ शिक्षा को स्वीकार करते हुए राष्ट्र का बौद्धिक विकास और उज्ज्वल भविष्य संभव है। डॉ0 महेश कुमार झा ने कोविड-19 के दौरान दूरस्थ शिक्षा का महत्व एवं इसकी भूमिका व भविष्य को स्पष्ट करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस वेबिनार की प्रस्तुति में मुख्य तकनीकि सहायक प्रो0 विशाल कनौजिया एवं कम्प्यूटर सहायक आशीष झा रहे। कार्यक्रम का ई संचालन असि0 प्रो0 रमेशचन्द्र पटेल ने किया।

मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
30 जून, 2020

# विद्या परिषद् की 63वीं बैठक आयोजित

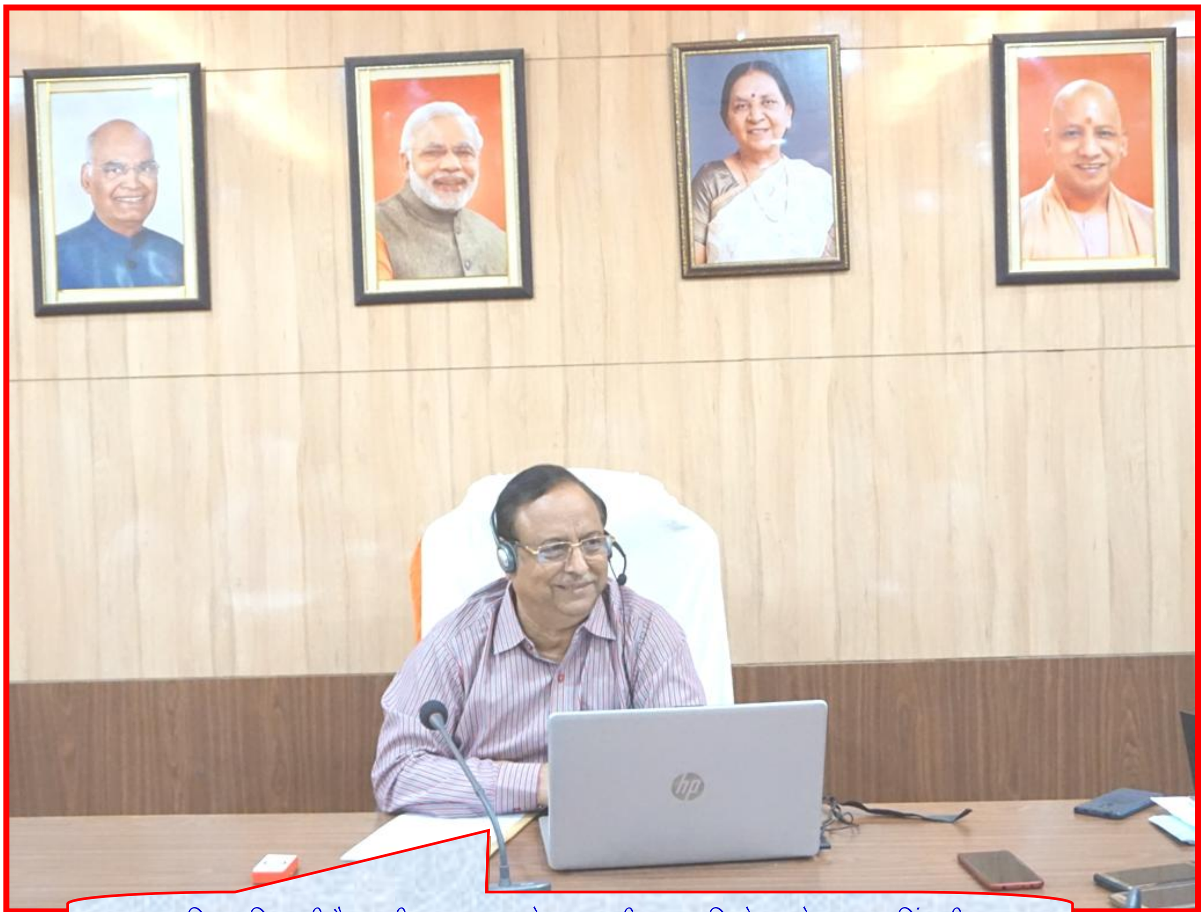

*विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी*

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की विद्या परिषद् की 63वीं बैठक दिनांक 30जून, 2020 को अपराह्न 01:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

# बैठक

बैठक में प्रो0 बी0एन0 सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री मनोज बलवन्ता, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 मारिषा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे। (कुछ सदस्यगण बैठक में ऑन लाइन प्रतिभाग किये )

*विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक*

# मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

30 जून, 2020


## मुविवि के मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर0पी0एस0 यादव जी का सेवानिवृत्ति पर हुआ अभूतपूर्व सम्मान

### निदेशक मानविकी हुए सेवानिवृत्त

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर0पी0एस0 यादव के सेवानिवृत्त होने पर मंगलवार को कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने उन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रो0यादव के सम्मान में मानविकी विद्याशाखा के उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर डा0 विनोद कुमार गुप्ता ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। प्रो0 यादव मुक्त विश्वविद्यालय से सन 2007 में उपाचार्य अर्थशास्त्र के रूप में जुड़े। तत्पश्चात 2016 में मानविकी विद्याशाखा के निदेशक नियुक्त हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय में लम्बी अवधि तक परीक्षा नियंत्रक जैसे महत्वपूर्ण दायित्व का अत्यन्त लगन एवं निष्ठापूर्वक निर्वहन किया। वर्तमान में वे प्रवेश प्रभारी के रूप में विश्वविद्यालय की छात्र संख्या बढ़ाने में प्रयत्नशील थे। प्रो0 यादव विश्व के 160 देशों में संचालित होने वाली वैश्विक संस्था हार्टफुलनेस के प्रशिक्षक के रूप में भी अपनी सेवायें समाज को दे रहे हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डा0 अरूण कुमार गुप्ता, प्रो0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, डा0 एस0 कुमार आदि शिक्षकों ने प्रो0 यादव के सेवानिवृत्त होने पर उनके सुखमय भविष्य की कामना की।

*मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर.पी.एस. यादव को अंगवस्त्र भेंट कर उनको सम्मानित करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।*

# प्रो0 आर.पी.एस. यादव जी का सम्मान

*मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर.पी.एस. यादव को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनको सम्मानित करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।*

प्रशस्ति पत्र का वाचन करते हुए मानविकी विद्याशाखा के उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता

*मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर.पी.एस. यादव को प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनको सम्मानित करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।*

# उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

### मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आर.पी.एस. यादव को सम्मानार्थ सादर समर्पित

## अभिनन्दन–पत्र

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी, प्रख्यात शिक्षाविद्, कुशल प्रशासक, समाजसेवी एवं हिमालय के समान धैर्यवान् प्रो. राजेन्द्र प्रसाद सिंह यादव, निदेशक मानविकी विद्याशाखा, उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज को आपकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर अभिनन्दित करते हुए विश्वविद्यालय परिवार असीम हर्ष का अनुभव कर रहा है।

उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद–गाजीपुर की धरती को अपने जन्म से अलंकृत कर आप उच्च शिक्षा के लिये भगवान् भोले नाथ की पवित्र नगरी काशी आते हैं। यहाँ आपने 1978 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से अर्थशास्त्र विषय में स्नातकोत्तर की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की और वहीं से पी–एच्.डी. की उपाधि भी अर्जित की। 1982 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की मातृसंस्था सेन्ट्रल हिन्दू कालेज, वाराणसी से आपने अध्यापकीय जीवन में प्रवेशकिया तथा 1999 तक आप वहीं अविरल सेवारत रहे। तदनन्तर बी.आर.डी. पी.जी. कालेज, देवरिया में अर्थशास्त्र के प्रवक्ता नियुक्त हुए। उस संस्था में अपनी अध्यापन–शैली एवं प्रशासनिक क्षमता के कारण आप शीघ्र ही लोकप्रिय हो गये। तत्पश्चात् आप 2007 में उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (इलाहाबाद) में एसोशियेट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र के पद पर नियुक्त हुए और तब से अद्यतन विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों पर रहते हुए आपने अपनी शैक्षिक एवं प्रशासनिक क्षमता का परिचय दिया।

आपने 2007 से 2012 तक तथा पुनः 2015–2016 में परीक्षा नियन्त्रक जैसे महत्वपूर्ण दायित्व का अत्यन्त लगन एवं निष्ठापूर्वक निर्वहन किया। 2016 में आपने निदेशक, मानविकी विद्याशाखा के पद को अलंकृत किया और अनेक नवीन कार्यक्रमों के संचालन से विद्याशाखा को समृद्ध किया। मानविकी विद्याशाखा के निदेशक पद पर रहते हुए स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा के भी प्रभारी के दायित्वों का आपने बड़ी कर्मठता से निर्वहन किया। योग जैसा महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम आपके कुशल नेतृत्व में तैयार किया गया। आपके मार्गदर्शन में ही भूगोल, फैशन डिजाइनिंग, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, पेपर क्राफ्ट आदि के पाठ्यक्रम निर्मित हुए। विश्वविद्यालय में आपने अपने व्यक्तिगत प्रयास से चरखा लैब की स्थापना भी करवायी। इन व्यस्तताओं के बीच आपने पी–एच्. डी. उपाधि हेतु शोध–निर्देशन कर अपनी शोधदृष्टि का भी परिचय दिया। आपने मानविकी विद्याशाखा की ओर से विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियाँ, कार्यशालायें आदि आयोजित करवायीं।

आप 2018 से प्रवेश प्रभारी के अतिरिक्त दायित्व का भी निर्वहन कर रहे हैं। आपके उत्कृष्ट प्रयास से शिक्षार्थियों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। आपने विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद्, विद्यापरिषद्, योजनाबोर्ड, मान्यताबोर्ड आदि के सम्मानित सदस्य के रूप में विश्वविद्यालय में अमूल्य योगदान दिया। इसके अतिरिक्त आपने क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी, गाजियाबाद/नोएडा के प्रभारी निदेशक एवं विश्वविद्यालय के अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का बड़े मनोयोग से निर्वहन किया। विश्वविद्यालय में या विश्वविद्यालय के बाहर आयोजित की जाने वाली अध्ययनकेन्द्र–समन्वयकों की कार्यशाला, संगाष्ठी, सम्मेलन आदि समस्त गतिविधियों में आप बढ़–चढ़कर सक्रिय योगदान देते रहे हैं।

आपके व्यक्तित्व के अनेक प्रेरक पक्ष हैं, यथा– धैर्य एवं सन्तुष्टि नामक गुण आपके अन्दर कूट–कूटकर भरे हुए हैं, जो विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। आपके अन्दर एक और व्यक्तित्व झलकता है और वह है– समाजसेवी का। वि८व के 160 देशों में संचालित होने वाली वैश्विक संस्था हार्टफुलनेस से आप 20 जून, सन् 1989 से जुड़े हुए हैं। आपकी समाजसेवा की ललक को देखते हुए संस्था ने आपको दिसम्बर, 2017 में प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया। पूरे विश्व में 10000 प्रशिक्षकों में आपका चयन हमें गौरव प्रदान करता है।

आज सेवानिवृत्ति के अवसर पर आप जैसे प्रशासक, अकादमिक एवं समाजसेवी व्यक्तित्व का अभिनन्दन करते हुए उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज अपने आपको धन्य अनुभूत कर रहा है। विश्वविद्यालय में किये गये आपके कार्य विश्वविद्यालय के लिये पाथेय होंगे। आज से आप दूसरे जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं। आपके बच्चे आपकी यशोवैजयन्ती को फैलायें। विश्वविद्यालय परिवार आपके स्वस्थ, यशस्वी एवं दीर्घायु होने की मंगलकामना करता है।

दिनांक 30 जून, 2020

समस्त विश्वविद्यालय परिवार

उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रो0 आ.पी.एस. यादव जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रो0 आ.पी.एस. यादव जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।